सुविचार
वह जीवित है, जिसका मस्तिष्क ठंडा, रक्त गरम, हृदय कोमल और पुरुषार्थ प्रखर है।
–स्वामी विवेकानंद

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

12
Mrunal Thakur
Start With Your...

Ranchi ● Saturday, 12 April 2025 ● Year : 03 ● Issue : 87 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

संसेक्स	:	75,157.26
निफ्टी	:	22,828.55

SARAFA

सोना	:	8,925
चांदी	:	108.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

मुख्यमंत्री और विधायक कल्पना सोरेन ने भोगनाडीह में शहीदों को किया नमन

झारखंड के आदिवासी, दलित और पिछड़ों को हर तरह से करेंगे मजबूत : हेमंत सोरेन

साहिबगंज, पाकुड़ व गोड्डा को दी बड़ी सौगात, लाभुकों में परिसंपत्तियों का किया वितरण, सौंपे नियुक्ति पत्र

PHOTON NEWS RANCHI : हमारे पूर्वजों ने आदिवासी-मूलवासी के हक और अधिकारों के लिए लंबी लड़ाई लड़ी है। वीर शहीदों ने अपने प्राण त्याग कर जल-जंगल-जमीन को बचाने का कार्य किया है। आज हमारी सरकार वीर शहीदों के आश्रितों को चिह्नित कर पूरा मान- सम्मान और अधिकार दे रही है। ये बातें शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अमर वीर शहीद सिदो-कान्हू मुर्मू जयंती पर भोगनाडीह में आयोजित समारोह में कही। उन्होंने कहा कि राज्य के आदिवासी, दलित और पिछड़ों को आर्थिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक रूप से मजबूती प्रदान की जा रही है, परंतु आज भी हमारे सामने कई चुनौतियां हैं। आदिवासी, दलित और पिछड़ा वर्ग दशकों से हाशिए पर रहे हैं। आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक, बौद्धिक और राजनीतिक रूप से कमजोर होने की वजह से इन्हें हमेशा नजरअंदाज किया जाता रहा है। लेकिन, हमारी सरकार इन्हें हर तरह से मजबूती प्रदान करने के लिए काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सरकार 'अबुआ' सरकार है। 2019 में सरकार गठन के बाद हमारी सरकार राज्य के गरीब, मजदूर, किसान और पिछड़ों को सशक्त बनाने का निरंतर कार्य कर रही है। राज्य के इतिहास में यह पहली बार हुआ है, जहां राज्य के सरकारी कर्मचारी आपके पंचायत-पंचायत जाकर आपकी समस्याओं के समाधान हेतु आपके द्वार तक पहुंचा है।

बच्चों को प्रदान की जा रही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

मुख्यमंत्री ने कहा कि शैक्षणिक क्षेत्र में राज्य के गरीब बच्चे उत्कृष्ट विद्यालय में शिक्षा हासिल कर रहे है। किसान, मजदूर एवं गरीब तबके के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि पहले चरण में राज्य के 80 मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों को सीबीएसई पैटर्न पर चलाया जा रहा है। उत्कृष्ट विद्यालय में एडमिशन हेतु आज लंबी लाइन लगानी पड़ती है। प्रवेश परीक्षा में हजारों की संख्या में बच्चे शामिल हो रहे हैं। इसके अलावा हमारी सरकार आज मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा ओवरसीज स्कॉलरशिप 2025 के माध्यम से प्रति वर्ष कुल 25 छात्रों को आगे की शिक्षा प्राप्त करने हेतु छात्रवृत्ति प्रदान कर रही है।

- बोले सीएम- शिक्षा प्रणाली को और अधिक प्रभावी व आधुनिक बनाने की दिशा में हो रहा काम
- राज्य के बुजुर्ग और विधवा को अब अंचल कार्यालय का नहीं लगाना होगा चक्कर

तेज गति से राज्य कर रहा प्रगति

सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड प्रगति के पथ पर तेजी से अग्रसर है। हमारी सरकार ने महिलाओं को सम्मान देने का काम किया है। चुनाव में जो वादा किया था, उसे पूरा करने का हरसंभव प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि कैबिनेट ने कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर निर्णय लिया है। कई स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय खोलने का निर्णय लिया गया है। राजमहल से साहिबगंज के मानिकचक तक गंगा पर पुल बनाने का निर्णय लिया गया है। आने वाले दिनों में झारखंड अन्य राज्यों की तुलना में अगली श्रेणी में खड़ा होगा। बिहार से अलग होकर झारखंड बनने के 25 वर्ष

ताला मरांडी ने थामा झामुमो का दामन

भोगनाडीह में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ताला मरांडी ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) का दामन थामा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झामुमो का पट्टा पहनाकर उनका पार्टी में स्वागत किया। उन्होंने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी को अपना त्याग पत्र सौंपा, जिसमें उन्होंने भाजपा छोड़ने का कारण व्यक्तिगत और वैचारिक मतभेद बताया।

BRIEF NEWS

विधायक रीतलाल यादव के 11 ठिकानों पर हुई छापेमारी

PATNA : शुक्रवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के बाहुबली विधायक रीतलाल यादव के यहां एसटीएफ और पटना पुलिस ने संयुक्त रूप से 11 ठिकानों पर रेड मारी। संयुक्त रूप से घर में तलाशी अभियान चलाती दिखी। सिटी एसपी पश्चिम आरएस सरथ और दानापुर एएसपी भानु प्रताप सिंह के नेतृत्व में छापेमारी की गई। एएसपी भानु प्रताप सिंह ने पुष्टि की है कि यह छापेमारी 11 स्थानों पर एकसाथ की जा रही है और सभी जगहों पर अलग-अलग टीमें तैनात हैं। सूत्रों का कहना है कि कोर्ट के आदेश पर यह छापेमारी चल रही है। पुलिस अभी तक इस छापेमारी के पीछे की वजह को सार्वजनिक नहीं कर रही है, लेकिन सूत्रों के मुताबिक, एक व्यक्ति द्वारा दी गई शिकायत पर यह कार्रवाई की गई है। बीजेपी नेता सत्यनरायण की हत्या के बाद रीतलाल यादव चर्चा में आए थे।

जोनांग बौद्ध मठ से दो भिक्षुओं का अपहरण

SHIMLA : हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला के उपनगर संजौली के ऐतिहासिक जोनांग बौद्ध मठ से दो नाबालिग भिक्षुओं के अचानक गायब हो जाने से हड़कंप मच गया है। इनमें से एक की उम्र 12 और दूसरे की 13 वर्ष है। दोनों 10 अप्रैल की दोपहर 12 से दो बजे के बीच गायब हुए हैं। मठ से सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस ने अपहरण का केस दर्ज कर लापता भिक्षुओं की तलाश शुरू कर दी है। जोनांग बौद्ध मठ के प्रबंधक पेमा फुंटसोक की थाना ढली में दर्ज करवाई गई गुमशुदगी की एफआईआर में यह विवरण दिया गया है। एफआईआर के अनुसार, दोनों बच्चे सामान्य दिनचर्या में शामिल हुए। इस दौरान उनकी किसी भी तरह की कोई असामान्य गतिविधि नहीं दिखी।

गैंग रेप मामले में तीन और आरोपी अरेस्ट

VARANASHI : वाराणसी में पुलिस ने हाल में 19 वर्षीय युवती के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म के मामले तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, तीन आरोपियों को गुरुवार को गिरफ्तार किया गया। इन गिरफ्तारियों के साथ ही पुलिस ने मामले के 23 आरोपियों में से 12 को गिरफ्तार कर लिया है। शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अपने वाराणसी दौरे के दौरान सामूहिक दुष्कर्म की घटना पर गंभीर चिंता जताते हुए कड़ा रुख अपनाया है। वाराणसी हवाई अड्डे पर उतरते ही उन्होंने पुलिस आयुक्त, मंडलायुक्त और जिलाधिकारी से इस मामले में विस्तृत जानकारी ली। प्रधानमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि इस जघन्य अपराध के सभी दोषियों की पहचान कर उन पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

छठी में शामिल होने के लिए आई थीं चार में से दो मृतक

गढ़वा में दर्दनाक हादसा : तालाब में नहाने के दौरान डूबकर 4 लड़कियों की चली गई जान

PHOTON NEWS GARHWA : शुक्रवार को जिले के हरैया गांव के आराटोला तालाब में नहाने के दौरान डूबकर चार लड़कियों की मौत हो गई। चार में से दो मृतक छठी के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आई थीं। घटना के बाद बच्चियों को पानी से निकालकर सदर अस्पताल में लाया गया, जहां डॉक्टरों ने सभी को मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद पूरे गांव में मातम छा गया। पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में कर पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया। स्थानीय प्रशासन की ओर से बताया गया कि हादसे में हरैया गांव की रहने वाली चंदन सिंह की 10 साल की बेटी लाडो सिंह, उसी गांव के जितेंद्र सिंह की 22 साल की बेटी अंकिता सिंह, पलामू जिले के पांकी थानांतर्गत पगार गांव निवासी विशिष्ट सिंह की 18 साल की बेटी रोमा सिंह और लेस्लीगंज थाना के पूणाडीह गांव निवासी विशिष्ट सिंह की 18 साल की बेटी मीठी सिंह ने जान गंवा दी।

पोस्टमार्टम कराने के बाद सभी डेड बॉडी को पुलिस ने परिजनों को सौंपा

- घटना के बाद बच्चियों को पानी से निकालकर लोगों ने पहुंचाया सदर अस्पताल
- जांच करने के बाद डॉक्टरों ने सभी को घोषित किया मृत

रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना हुई बेमानी : राहुल

NEW DELHI : कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन (ईएलआई) योजना का लाभ युवाओं को नहीं मिल पाने पर केंद्र सरकार की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि साल 2024 में इस मद में आवंटित 10 हजार करोड़ रुपये की राशि भी बिना उपयोग के वापस कर दी गई। इस तरह यह योजना बेमानी साबित हो रही है। राहुल गांधी ने एक बयान में कहा कि 2024 के चुनाव के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने हमारे युवाओं को रोजगार देने का वादा करते हुए बहुत धूमधाम से ईएलआई योजना की घोषणा की थी। इस योजना की घोषणा किए हुए लगभग एक साल हो गया है, सरकार ने इसे परिभाषित भी नहीं किया है और इसके लिए आवंटित 10 हजार करोड़ रुपये वापस कर दिए हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि केवल बड़े कॉरपोरेट्स पर ध्यान केंद्रित करके, निष्पक्ष व्यापार की बजाय कुछ खास व्यापारिक घरानों को बढ़ावा देकर, उत्पादन की बजाय असेंबली को प्राथमिकता देकर और स्वदेशी कौशल की उपेक्षा करके नौकरियां पैदा नहीं की जा सकतीं।

विपक्षी पार्टियों का सिद्धांत परिवार का साथ, परिवार का ही विकास : पीएम मोदी

VARANASHI @ PTI : शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्ता के लिए लालायित लोग केवल अपने परिवार को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जबकि उनकी सरकार समावेशी विकास के विषय पर काम करती है। अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में 3880 करोड़ रुपये की लागत की 44 परियोजनाओं की आधारशिला रखने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, राष्ट्र की सेवा में हमारा मार्गदर्शक मंत्र हमेशा 'सबका साथ, सबका विकास' रहा है। इसी भावना के साथ हम हर नागरिक के कल्याण के लिए आगे बढ़ते रहेंगे। विपक्षी पार्टियों का सिद्धांत है- परिवार का साथ और परिवार का ही विकास। प्रधानमंत्री मोदी ने जनसभा में अपने संबोधन की शुरूआत भोजपुरी में करते हुए कहा कि काशी हमार हौ, हम काशी के हईं। उन्होंने पिछले एक दशक में हुए विकास कार्यों का उल्लेख किया और विपक्ष को कटघरे में खड़ा किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि काशी की जनता आज विकास का उत्सव मनाने के लिए एकत्रित हुई है।

- प्रधानमंत्री ने वाराणसी में 3880 करोड़ की परियोजनाओं का किया लोकार्पण व शिलान्यास
- पिछले 10 वर्षों में काशी ने विकास की पकड़ी है गति लोग मना रहे उत्सव
- कनेक्टेविटी, खेल और शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से हो रहा विकास
- आज के दौर में पूर्वांचल के आर्थिक नशे के केंद्र में है काशी

तीन आतंकियों के समूह को पकड़ने का अभियान जारी

सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में मारा गया एक आतंकवादी

AGENCY JAMMU : शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में शुक्रवार को एक आतंकवादी मारा गया, जबकि उधमपुर जिले में तीन आतंकवादियों के एक समूह को पकड़ने के लिए एक अलग अभियान चल रहा है। खोजी कुत्तों और हवाई निगरानी से लैस कई सुरक्षा एजेंसियां इलाके में छिपे तीन आतंकवादियों का पता लगाने के लिए पूरे जंगल क्षेत्र की तलाशी ले रही हैं। सेना के अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियों ने जम्मू क्षेत्र के पहाड़ी जिलों में विभिन्न स्थानों के बीच संभावित रूप से घूमने वाले आतंकवादियों पर नजर रखने के लिए डोडा जिले के भद्रवाह क्षेत्र में निगरानी का दायरा बढ़ा दिया है। किश्तवाड़ में सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस की ओर से चतरू वन क्षेत्र में बुधवार को शुरू किये गए अभियान के दौरान मुठभेड़ शुरू हुई।

प्रतीकात्मक तस्वीर

संशोधित आर्म्स एक्ट 2019 के तहत सरकार ने तेज की कार्रवाई

एक व्यक्ति के पास रह सकते हैं दो ही लाइसेंसी हथियार, तीसरा अवैध घोषित

PHOTON NEWS RANCHI : आर्म्स एक्ट 1959 के तहत किसी व्यक्ति को जारी किए गए तीसरे हथियार को अवैध घोषित कर दिया गया है। इसे नजदीक के थानों या आर्म्स विक्रेता के पास जमा करना होगा। इस मामले में वर्ष 2019 में संशोधित आर्म्स एक्ट को अमली जामा पहनाने के लिए राज्य सरकार ने करवाई तेज कर दी है। इसके तहत राज्य के उपायुक्तों ने सभी लाइसेंसी हथियार धारकों को यूनिक आइडेंटिफिकेशन नंबर (यूआईएन) नंबर लेने का निर्देश जारी किया गया है। बता दें कि आर्म्स एक्ट 1959 में निहित प्रावधानों के तहत एक व्यक्ति को तीन हथियार रखने के लिए लाइसेंस जारी करने का प्रावधान था। वर्ष 2019 में केंद्र सरकार ने इसमें बदलाव करते हुए सिर्फ एक व्यक्ति को दो हथियारों के लिए लाइसेंस जारी करने का प्रावधान तय किया।

- नजदीक के थाने में अथवा आर्म्स विक्रेता के पास करना होगा जमा
- सभी डीसी ने हथियार धारकों को यूआईएन नंबर लेने का दिया निर्देश

बड़ी उपलब्धि आईआईटी गुवाहाटी के वैज्ञानिकों ने लंबे प्रयास के बाद विकसित की नई तकनीक

कारखानों से निकले प्रदूषित पानी को साफ करेगा फलों का कचरा

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के विजन को साकार करने में देश की तमाम संस्थाएं जी-जान से लगी हुई हैं। विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में स्वदेशी मॉडल को डेवलप करने के प्रयास निरंतर जारी है। इस कड़ी में आईआईटी गुवाहाटी के वैज्ञानिकों ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने एक ऐसी टेक्नोलॉजी डेवलप की है, जिसमें फलों के कचरे के माध्यम से कारखानों और उद्योगों से निकले प्रदूषित पानी को साफ किया जा सकेगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जल-शोधन की यह प्रक्रिया न केवल सस्ती है, बल्कि पर्यावरण सुरक्षा को भी बढ़ावा देती है। शोध का नेतृत्व करने वाले प्रोफेसर गोपाल दास की मानें तो यह अध्ययन दशार्ता है कि फलों के कचरे को एक महत्वपूर्ण संसाधन के रूप में बदलकर पर्यावरण संरक्षण में योगदान दिया जा सकता है। इससे न केवल जल प्रदूषण की समस्या से निपटा जा सकता है, बल्कि कचरे के बेहतर प्रबंधन से सर्कुलर इकोनॉमी को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

अनानास के छिलके व मोसंबी के रेशों का न्यू टेक्नोलॉजी में किया जाएगा इस्तेमाल

केमिकल इंजीनियरिंग साइंस नामक जर्नल में प्रकाशित किए गए हैं रिसर्च के निष्कर्ष

- कपड़ा रंगाई, कीटनाशक व सौंदर्य प्रसाधन उद्योगों में यूज किए जाते हैं नाइट्रोएरोमेटिक यौगिक
- ऐसे यौगिकों के संपर्क में आने पर कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का भी बन सकता है खतरा
- जल-शोधन की यह प्रक्रिया न केवल सस्ती है, बल्कि पर्यावरण सुरक्षा को भी देगी बढ़ावा

शोधकर्ताओं ने पानी में मौजूद नाइट्रोएरोमैटिक यौगिकों को अवशोषित करने का खोजा तरीका

आसानी से कई बार किया जा सकता है इस्तेमाल

यह टेक्नोलॉजी केवल तेज और कुशल ही नहीं, बल्कि पुनः उपयोग करने योग्य भी है। अध्ययन में पाया गया कि एसीबीसी और एमएबीसी को कई बार उपयोग करने के बावजूद उनकी प्रभावशीलता बनी रही। इसका अर्थ यह है कि ये बायोचार जल शुद्धिकरण के लिए एक लागत प्रभावी और दीर्घकालिक समाधान प्रदान कर सकते हैं।

एक प्रकार का कार्बन युक्त पदार्थ है बायोचार

वर्तमान चुनौती को हल करने के लिए शोधकर्ताओं ने फलों के कचरे से बायोचार तैयार किया है। बायोचार एक प्रकार का कार्बन युक्त पदार्थ है, जिसे पायरोलिसिस नामक प्रक्रिया द्वारा उच्च तापमान पर ऑक्सीजन की अनुपस्थिति में जैविक पदार्थों को विघटित करके बनाया जाता है। इससे चारकोल, गैस और तरल उत्पाद तैयार किए जाते हैं। शोधकताओं ने आमतौर पर फेंक दिए जाने वाले अनानास के ऊपरी हिस्से और मौसमी के रेशों का उपयोग किया। इनसे दो प्रकार के बायोचार विकसित किए गए। पहला, अनानास कोमोसस बायोचार (एसीबीसी) और दूसरा साइप्रस लिमेटा बायोपचार (एमएफबीसी)। तैयार बायोचारों की क्षमता को परखने के लिए वैज्ञानिकों ने इन्हें नाइट्रोफेनॉल नामक प्रदूषक के साथ परीक्षण किया, जो आमतौर पर औद्योगिक गंदे और दूषित जल में पाया जाता है।

दिल्ली में 9 करोड़ की ठगी में बैंक मैनेजर गिरफ्तार

NEW DELHI : दिल्ली में 9 करोड़ रुपये की ठगी का एक बड़ा मामला सामने आया है। इसमें बैंक के ही असिस्टेंट मैनेजर ने ठगों के साथ मिलकर कंपनी के खाते से 9 करोड़ रुपये का घोटाला कर दिया। इस मामले में दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने एक्सिस बैंक के असिस्टेंट मैनेजर आशीष खंडेलवाल और नितिन बिरमल को गिरफ्तार किया है। उनसे पूछताछ जारी है। वहीं, इनके अन्य सहयोगियों तक पहुंचने के लिए पुलिस छापेमारी भी कर रही है। यह मामला शंघाई अर्बन कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन (एसयूसीसी) और लार्सन एंड टुब्रो कंपनी से जुड़ा है। इसमें इन कंपनियों के बैंक अकाउंट से 9 करोड़ रुपये की ठगी हुई है। एक्सिस बैंक के ब्रांच हेड गौरव शर्मा ने अगस्त, 2024 में 9 करोड़ रुपये की ठगी की शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि एसयूसीसी और लार्सन एंड टुब्रो कंपनी ने संयुक्त रूप से जनवरी, 2008 में बैंक में खाता खोला था।

अमेरिका ने लगाया था 145 प्रतिशत टैरिफ

चीन ने अमेरिका पर लगाया 125% टैरिफ, आज से लागू

NEW DELHI @ PTI : चीन ने ट्रंप प्रशासन की ओर से टैरिफ यानी सीमा शुल्क में लगातार की जा रही बढ़ोतरी का जवाब देते हुए शुक्रवार को अमेरिकी उत्पादों के आयात पर अतिरिक्त शुल्क को बढ़ाकर 125% कर दिया। यह शनिवार से लागू होगा। बता दे कि अमेरिका ने चीनी उत्पादों के आयात पर 145% टैरिफ लगाया है। चीन ने कहा है कि अब वह अमेरिका की तरफ से लगाए जाने वाले किसी भी अतिरिक्त टैरिफ का जवाब नहीं देगा। चीन ने कहा कि अमेरिका की तरफ से लगाए गए असामान्य टैरिफ अंतरराष्ट्रीय और आर्थिक व्यापार नियमों का गंभीर रूप से उल्लंघन करते हैं। यह पूरी तरह से एकतरफा दबाव और धमकाने की नीति है। चीन ने ये भी कहा कि अमेरिका भले ही टैरिफ को और ज्यादा बढ़ा दे लेकिन अब इसका कोई मतलब नहीं होगा। आखिर में वह ग्लोबल इकोनॉमी के इतिहास में हंसी का पात्र बन जाएगा।

- जिनपिंग बोले- हम दबाव के आगे नहीं झुकते

जमीन विवाद में दो भाइयों ने मिलकर की रिश्तेदार की हत्या, एक ने किया सरेंडर

खूंटी जिले के मरांगहादा थाना क्षेत्र की घटना

AGENCY KHUNTI : जिले के मरांगहादा थाना क्षेत्र के गड़ामडा गांव में जमीन विवाद में दो सगे भाइयों ने मिलकर अपने एक रिश्तेदार गांगो मुंडा (35) की धारदार हथियार से वारकर हत्या कर दी। हत्या की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची एवं शव को कब्जे में लिया। वहीं, हत्या के एक आरोपित बुधु मुंडा ने मरांगहादा थाने में आकर आत्मसमर्पण कर दिया। हत्या में शामिल अछु मुंडा की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। यह जानकारी एसडीपीओ वरुण रजक ने दी।

उन्होंने बताया कि शुक्रवार की सुबह लगभग 9 बजे गांगो मुंडा नहाने के लिए घर के समीप डोभा में गया था। उसी समय बुधु मुंडा और अछु मुंडा डोभा पहुंचे एवं गांगो मुंडा पर तेज धारदार से सिर तथा गर्दन में हमला कर दिया, जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गयी। एसडीपीओ ने बताया कि हत्या करने के बाद एक आरोपित बुधु मुंडा ने मरांगहादा पहुंचकर सरेंडर कर दिया। एसडीपीओ वरुण रजक ने बताया कि पुलिस हत्या के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है। जल्द ही दूसरे आरोपित को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस ने सरेंडर किये बुधु मुंडा को शुक्रवार को ही न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

युवक का शव बरामद लोगों ने किया हंगामा

HAZARIBAG : हजारीबाग में शुक्रवार को एक युवक का शव मिलने के बाद आक्रोशित लोगों ने जमकर हंगामा किया। युवक की धारदार हथियार से वार कर हत्या की गई है। युवक के आक्रोशित परिजन और ग्रामीणों ने सड़क पर उतर कर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। वहीं, तनावपूर्ण स्थिति को देखते को क्षेत्र में पुलिस जवानों की बड़ी संख्या तैनात कर दी गई। घटना बड़ाबाजार थाना क्षेत्र के खीरगांव की है। मृतक की पहचान नमस्कार चौक निवासी प्रभात कुमार (25) के रूप में की गई। उसका शव बाकर गली से बरामद हुआ है। परिजनों के अनुसार, प्रभात दूसरे राज्य में काम करता था और छुट्टी लेकर गांव आया था। शुक्रवार को ही उसे वापस लौटना था। उसकी मां, भाई और बहन उन पर आर्थिक रूप से निर्भर थे। परिजनों का कहना है कि प्रभात एक साधारण युवक था और उसकी किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी।

सड़क दुर्घटना में चालक की मौत, चार घायल

घटनास्थल पर जुटी लोगों की भीड़ ● फोटोन न्यूज

AGENCY BOKARO : गोमिया थाना क्षेत्र अंतर्गत हजारी मोड़ स्थित पेट्रोल पंप के समीप एक ऑटो के अनियंत्रित होकर पलट जाने से ऑटो चालक संजय कुमार साव (48) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि ऑटो में सवार चार यात्री को भी हल्की चोटें आई है,जिनका स्थानीय अस्पताल में इलाज किया गया है। सूचना मिलते ही गोमिया पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कर जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा। मिली जानकारी के अनुसार ऑटो चालक गोमिया से सवारी लेकर कथारा की ओर जा रहा था,तभी बीच रास्ते में हजारी मोड़ स्थित पेट्रोल पंप के समीप ऑटो का टायर ब्लास्ट हो गया,जिससे ऑटो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक झाड़ी में पलट गया। इस दुर्घटना में ऑटो चालक संजय कुमार साव की घटनास्थल पर ही मौत हो गई । मृतक कथारा चार नंबर कॉलोनी का रहने वाला है और उसके दो पुत्र और पत्नी है। थाना प्रभारी ने बताया कि पूरे मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

सड़क दुर्घटना में दो लोगों की हुई मौत

PALAMU : जिले के छतरपुर थाना क्षेत्र में पिछले 24 घंटे के दौरान दो सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गयी। नासो गांव में पुलिया के पास पिकअप वैन के धक्के से एक व्यक्ति की मौत गयी, वहीं करमाकला-सड़मा पेट्रोल पंप के नजदीक ट्रैक्टर ने स्कूटी सवार दो युवकों को चपेट में लिया। इसमें एक युवक की मौके पर मौत हो गयी। दूसरे को बेहतर इलाज के लिए एमआरएमसीएच रेफर कर दिया गया है। पुलिस ने दोनों मृतकों के शव का पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृत युवक की पहचान अंकुश यादव (21) के रूप में हुई। वह इसी थाना क्षेत्र के तेलाड़ी का रहने वाला था। अंकुश की एक माह बाद शादी होने वाली थी। अंकुश का पांचवां महीना में छह मई को तिलक और 10 मई को शादी थी। दुर्घटना में जख्मी युवक अंकुश का चचेरा भाई धीरज उर्फ विजय यादव बताया गया है। शादी की खरीददारी कर चचेरे भाई के साथ वह घर लौट रहा था।

BRIEF NEWS

महिला क्रिकेट में रामगढ़ ने लोहरदगा को हराया

CHAIBASA : झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के तत्वावधान में पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अंतर जिला सीनियर महिला क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतर्गत शुक्रवार को ग्रुप-बी के चौथे लीग मैच में रामगढ़ ने लोहरदगा को एकतरफा मुकाबले में 99 रनों से पराजित किया। लोहरदगा की ये लगातार तीसरी हार है। आज की हार के साथ ही लोहरदगा की टीम प्रतियोगिता से बाहर हो गई है। चाईबासा के बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए आज के मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए रामगढ़ की टीम ने पूरे 50 ओवर खेलकर चार विकेट के नुकसान पर 227 रन बनाए। कप्तान प्रतीक्षा दुबे ने चार चौके एवं एक छक्के की मदद से 49 रन बनाए। अन्य बल्लेबाजों में श्रेया प्रिया ने 40, प्रिया पटेल ने नाबाद 32, प्रगति कुमारी ने 31, सुधा कुजूर ने 30 नाबाद तथा सुलेखा कुमारी ने 26 रनों का योगदान दिया। लोहरदगा की ओर से हंसिका कुमारी ने 42 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। जीत के लिए निर्धारित लक्ष्य का पीछा करने उतरी लोहरदगा की पूरी टीम 34.2 ओवर में 128 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। लोहरदगा की ओर से कप्तान इशिका भगत ने 34 तथा आफरीन खान ने 30 रन बनाए। रामगढ़ की ओर से गेंदबाजी करते हुए कप्तान प्रतीक्षा दुबे ने मात्र 9 रन देकर 2 विकेट तथा अमिषा परमार ने 10 रन देकर 2 विकेट हासिल किए। प्रगति कुमारी, खुशी राठौड़ एवं अंजलि यादव को एक-एक सफलता हाथ लगी। मैच समाप्ति के बाद आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में रामगढ़ की कप्तान प्रतीक्षा दुबे को उसके शानदार हरफनमौला प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। पुरस्कार स्वरुप उसे पांच हजार रुपये का नकद पुरस्कार पश्चिमी सिंहभूम महिला चयन समिति के सदस्य गुरमीत सिंह ने प्रदान किया।

बिजली तार के संपर्क में आकर ट्रक जला

LOHARDAGA : लोहरदगा जिला के सेन्हा थाना क्षेत्र के बक्सीडीपा के समीप सड़क पर पोकलेन लदा ट्रक में ग्यारह हजार बिजली तार के चपेट में आने से आग लग गयी। इस घटना में चालक और उपचालक सुरक्षित बच गये। जैसे ही वाहन मे आग लगी तो चालक कुद कर अपनी जान बचाया। लोगों ने इसकी जानकारी सेन्हा थाना एवं फायरब्रिगेड को दिया गया। फायरब्रिगेड की दो गाडियां मौके पर पहुंच कर आग बुझायी लेकिन तब तक ट्रक एवं उसमें लदा पोकलेन दोनों जल गया था। ट्रक में पोकलेन लाद कर सडक बनाने के लिए ले जाया जा रहा था। पुलिस मामले की जांच पडताल कर रही है।

बिना चालक के दो किलोमीटर तक दौड़ी मालगाड़ी

CHAKRADHARPUR : चक्रधरपुर रेल मंडल के बड़ाबांबो रेलवे स्टेशन में गुरुवार रात एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। रात करीब 9.30 बजे स्टेशन पर खड़ी एक मालगाड़ी अचानक बिना ड्राइवर और गार्ड के दो किलोमीटर तक पटरी पर दौड़ पड़ी। गनीमत रही कि इस घटना में जान-माल का नुकसान नहीं हुआ। मालगाड़ी के रोल डाउन होते ही स्टेशन मास्टर और अन्य रेलकर्मी हरकत में आ गए और तुरंत इसकी सूचना चक्रधरपुर रेल मंडल मुख्यालय को दी गई। कंट्रोल रूम से राहत और बचाव टीम को अलर्ट किया गया। चक्रधरपुर से बचाव टीम को आरटीईटी ट्रेन के जरिए भेजने की तैयारी हो चुकी थी, लेकिन उससे पहले ही ट्रेन की गति धीरे-धीरे कम होने लगी और अंततः रुक गई। इस घटना के कारण करीब दो घंटे तक ट्रेनों का परिचालन प्रभावित रहा। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि मालगाड़ी को स्टेशन पर आवश्यक सुरक्षा उपायों जैसे स्टॉपर स्टिक और चेन से नहीं बांधा गया था। रेल अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए उच्चस्तरीय जांच शुरू कर दी है।

वक्फ बिल के समर्थन में भाजयुमो का प्रदर्शन

JAMSHEDPUR : भारतीय जनता युवा मोर्चा, जमशेदपुर महानगर के जिला अध्यक्ष नीतीश कुशवाहा के नेतृत्व में युवा कार्यकताओं ने शुक्रवार को वक्फ बिल के समर्थन में प्रदर्शन किया। शहर के विभिन्न चौक-चौराहों पर प्रदर्शन कर संदेश दिया गया कि वक्फ बिल 2025 न केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच और दृढ़ इच्छाशक्ति का प्रतीक है, बल्कि यह राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक और मजबूत कदम है। कुशवाहा ने कहा कि वक्फ बिल-2025 के विरोध की आड़ में कुछ राजनीतिक दल और उनके नेता न केवल इस ऐतिहासिक विधेयक का विरोध कर रहे हैं, बल्कि समाज के व्यापक हितों के भी विरोध में खड़े हो गए हैं। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि वोटबैंक की राजनीति के चलते राष्ट्रहित को दरकिनार किया जा रहा है।

पलामू में पकड़ी गई भूटान जा रही 58 लाख की नकली शराब

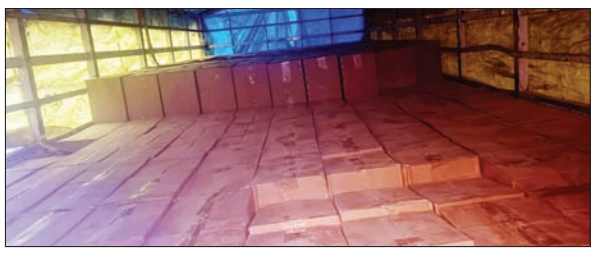

जब्त किए गए कार्टन में रखी गई शराब ● फोटोन न्यूज

AGENCY PALAMU : पलामू पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय शराब तस्करी के एक बड़े मामले का खुलासा किया है। पलामू की चैनपुर पुलिस ने गोवा से भूटान जा रहे एक ट्रक (यूपी 50 डीटी 8407) को पकड़ा। इस ट्रक में 1200 कार्टन में 14400 बोतल नकली अंग्रेजी शराब बरामद हुई है। इसकी कीमत 58 लाख रूपए बतायी गयी है। एक बोतल की कीमत 400 आंकी गयी है। शराब नकली मिली है। जिले की एसपी रीष्मा रमेशन ने शुक्रवार शाम इसकी पुष्टि की। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक सफेद रंग का ट्रक गढ़वा से मेदिनीनगर की ओर नकली शराब ले जा रहा है। पुलिस ने मंगरदाहा स्थित इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप से ट्रक को जब्त कर लिया। सभी कागजात और बोतलों की गुणवत्ता संदिग्ध पाई गई। ट्रक महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ होते हुए झारखंड में घुसा था। पुलिस ने ट्रक चालक जीतेन्द्र यादव को गिरफ्तार किया है। वह उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले के उच्चवों थाना के तरवांका रहने वाला है। पूछताछ में उसने शराब तस्करी गिरोह के तीन सदस्यों का खुलासा किया है। इस गिरोह में जमशेदपुर के सीतारामडेरा से नीरज गुप्ता और प्रकाश राम शामिल हैं। बिहार के गया जिले के डुमरिया से बसंत गुप्ता उर्फ भंडारी भी इस गिरोह के सदस्य हैं। पुलिस इन तीनों की भूमिका की जांच कर रही है। कार्रवाई टीम में सदर अंचल के पुलिस निरीक्षक जीतराम महली, पुलिस अवर निरीक्षक रंजीत कुमार, अनिल विद्यार्थी, पंकज कुमार तिवारी, स.अ.नि. बिनोद कुजूर, रामचंद्र चौधरी के अलावा आरक्षी सुधीर कुमार पाण्डेय, राजकिशोर राम, शैलेन्द्र कुमार एवं तकनीकी शाखा, पलामू शामिल थे।

हजारीबाग में 50 लाख की अवैध शराब बरामद

HAZARIBAG : हजारीबाग में उत्पाद विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। दारू थाना क्षेत्र के कनजीया में की गई छापेमारी में करीब 50 लाख रुपए की अवैध शराब बरामद हुई है। सहायक उत्पाद आयुक्त शिव प्रसाद साहू के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस छापेमारी में सभी आरोपित मौके से फरार हो गए। कुछ दिन पहले भी इसी क्षेत्र से करोड़ों रुपए की अवैध शराब बरामद हुई थी। सहायक आयुक्त ने बताया कि उसी समूह के लोगों ने फिर से अवैध शराब का भंडारण किया था। उत्पाद विभाग आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। रहा है। विभाग ने इस मामले में शामिल लोगों की पहचान शुरू कर दी है। सहायक आयुक्त ने कहा कि जल्द ही आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। अवैध शराब के खिलाफ विभाग का अभियान जारी रहेगा। इस घटना से हजारीबाग जिले में अवैध शराब के कारोबार की पोल खुल गई है।

बोकारो में अवैध शराब फैक्ट्री का हुआ खुलासा

बरामद की गई शराब व निर्माण की सामग्री ● फोटोन न्यूज

BOKARO : उत्पाद विभाग की टीम ने गांधीनगर थाना क्षेत्र के जरडीह के सरैयाटांड़ बस्ती में छत्रु महतो के मिट्टी के घर पर छापेमारी कर अवैध शराब फैक्ट्री का खुलासा किया है। फैक्ट्री को संचालन शंभू साव कर रहे थे। घटनास्थल से टीम ने भारी मात्रा में तैयार अवैध शराब, स्पिरिट एवं शराब बनाने की सामग्री जैसे - विभिन्न ब्रांड के स्टीकर , खाली बोतल, विभिन्न ब्रांड के ढ़क्कन, पंचिंग मशीन एवं मिक्सिंग मशीन आदि जब्त किया गया। मामले में संलिप्त आरोपित शंभू साव एवं छत्रु महतो के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के आधार पर मामला दर्ज किया गया है। निरीक्षक उत्पाद विजय कुमार पाल शुक्रवार को बताया कि उपायुक्त के निर्देश पर सहायक आयुक्त उत्पाद के नेतृत्व में छापेमारी की गयी थी। घटनास्थल से स्प्रिट 350 लीटर, 6 नीले रंग के जर्किन और 5 पानी के जार सहित अन्य सामान बरामद किया गया है।

आंगनबाड़ी सेविकाओं को दिए गए स्मार्ट फोन, खिले चेहरे

कार्यक्रम में उपस्थित आंगनबाड़ी सेविकाएं ● फोटोन न्यूज

RAJNAGAR : सरायकेला-खरसावां जिला अंतर्गत राजनगर में आंगनबाड़ी सेविकाओं व पर्यवेक्षिकाओं के बीच स्मार्टफोन का वितरण किया गया। स्मार्टफोन पाकर सेविकाओं के चेहरे खिल उठे। शुक्रवार को प्रखंड कार्यालय में हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सांसद जोबा मांझी ने प्रखंड की 203 आंगनबाड़ी सेविका और 5 महिला पर्यवेक्षिकाओं के बीच स्मार्ट फोन का वितरण किया। महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की ओर से स्मार्ट फोन का वितरण किया गया। इस अवसर पर गर्भवती महिलाओं की गोदभराई व नवजात शिशुओं की मुंहजुठी भी कराई गई। इस मौके पर सांसद जोबा माझी ने कहा कि स्मार्ट फोन मिलने के बाद आंगनबाड़ी सेविकाएं अब बाल विकास एवं समाज कल्याण विभाग से जुड़ी योजनाओं को समय रहते धरातल पर उतार पाएंगी।

वायुसेना में संगीतकार पद की निकली रिक्ति

LATEHAR : भारतीय वायुसेना में अग्निवीर अंतर्गत संगीतकार के लिए रोजगार के लिए रिक्ति निकली है। जिला नियोजन पदाधिकारी संतोष कुमार ने जिले के तमाम युवक-युवतियों से अपील की है कि 21 अप्रैल से 11 मई तक ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। इसके लिए नई दिल्ली और बेंगलुरू में योग्य अविवाहित पुरुष व महिला उम्मीदवारों के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। अभ्यर्थी का जन्म 1 जनवरी 2005 और 01 जुलाई 2008 के बीच हुआ हो। केवल पंजीकृत उम्मीदवार, जिन्हें अस्थायी प्रवेश पत्र जारी किया गया है, उन्हें भर्ती रैली में शामिल होने की अनुमति दी जाएगी। तिथि, समय और स्थान अस्थायी प्रवेश पत्र में उल्लेखित होंगे। इच्छुक व योग्य अभ्यर्थी web portal https://agnipathvayu.cdac.in. पर ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं एवं विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

हत्याकांड का हुआ खुलासा, तीनों आरोपी किए गए गिरफ्तार

मामले की जानकारी देते एसडीपीओ वरुण रजक ● फोटोन न्यूज

AGENCY KHUNTI : खूंटी थाना क्षेत्र के चालम बरटोली गांव में गत चार अप्रैल को किस्टो दास मुंडू नामक युवक की हुई हत्या का पुलिस ने खुलासा कर लिया है। हत्या के तीन आरोपितों अब्राहम समद (24), मंगरा मुंडा (22) और रोशन सांगा (20) शामिल हैं। यह जानकारी खूंटी के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वरुण रजक ने शुक्रवार को अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। एसडीपीओ ने बताया कि पुलिस ने हत्याकांड में प्रयुक्त ग्लैमर मोटरसाइकिल, घटना में प्रयुक्त पत्थर और पहने हुए कपड़े बरामद किए हैं। उन्होंने बताया कि हत्याकांड के अनुसंधान के क्रम में सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी और गहन अनुसंधान के आधार पर घटना में प्रयुक्त वाहन और अभियुक्तों की पहचान की गई और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। एसडीपीओ ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों ने हत्याकांड में अपने संलिप्तता स्वीकार कर ली है। उन्होंने बताया कि मामूली विवाद और गाली गलौज के कारण नशे की हालत में किस्तोदास मुंडू की हत्या की गई थी। छापेमारी दल में खूंटी के थाना प्रभारी पुलिस निरीक्षक मोहन कुमार, अड़की थाना प्रभारी प्रवीण कुमार तिवारी, खूंटी थाना के एक एसआई मणिदीप और अड़की थाना के एसआई रौशन खाखा के अलावा सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

पोईला बोईशाख : बांग्ला नववर्ष से पूरे माह श्रीकृष्ण कीर्तन करने की परंपरा आज भी कायम

गौर चंद्रिका गायन से गौरांग प्रभु का नववर्ष पर होता आह्वान

कीर्तन मंडली की प्रतीकात्मक तस्वीर

> वैष्णव पद कताओं के द्वारा रचित श्रीकृष्ण के बाल-लीलाओं से लेकर प्रभास स्नान और व्यध के द्वारा कृष्ण वध तक के पर्वो को संगीतमय आध्यात्मिक व्याख्यान के साथ गाने की प्राचीन और प्रचलित धारा झारखंड के गांवों में संपूर्ण वैशाख महीने बहती है। बांग्ला नववर्ष को भक्ति, श्रद्धा और भगवत चरण में अपने को समर्पित कर परम शांति लाभ का उद्देश्य अब भी बरकरार है जो काफी सुखद है।
>
> – प्रो. मेनका घोष,
> बांग्ला साहित्य व्याख्याता, एएन कॉलेज, दुमका

PHOTON NEWS DUMKA : चैतन्य चरितामृत ग्रंथ में एतोदिने उत्तरिला प्रभु झारिखंड देशे... मतलब कई दिनों तक पैदल चलकर महाप्रभु आज झारखंड पहुंचे हैं। संभवतः यही श्लोक के यही झारिखण्ड से वर्तमान झारखंड नामित है। खैर, इससे इतर चैतन्य महाप्रभु के झारखंड आने और उनके गाए हुए संकीर्तन झारखंड की धरती पर अब भी जीवंत है। दुमका एएन कॉलेज में बांग्ला साहित्य की व्याख्याता प्रो. मेनका घोष बताती हैं कि बांग्ला कैलेंडर से नववर्ष का पहला माह वैशाख 15 अप्रैल को पड़ रहा है। इसमें पूरे महीना बंगभाषी गांव की गलियों में हरिनाम संकीर्तन मंडली घूम- घूमकर लीला कीर्तन कर चैतन्य महाप्रभु का गुणगान करते हैं। गांव के लोग विशेष श्रद्धा के साथ कीर्तन मंडली को अपने आंगन में आमंत्रित करते हैं। कीर्तन मंडली गृहस्थ के घर में तुलसी मंडप की परिक्रमा के पश्चात उनके घर में छोला-गुड़ प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं। पाला क्रम से बारी-बारी प्रतिदिन एक या दो घरों में छोला-गुड़ जलपान की व्यवस्था की जाती है। यह क्रम महीने भर चलता है।

5 से 15वीं सदी तक गौर बंग देश के क्षेत्रों में श्रीकृष्ण कीर्तन धारा प्रारंभ होने के मिलते हैं प्रमाण

प्रो.मेनका कहती हैं कि पंच से पंच दश सदी में गौर बंगदेश और आसपास के क्षेत्रों में श्रीकृष्ण कीर्तन की धारा प्रारंभ होने का प्रमाण मिलता है। श्रीकृष्ण लीला कीर्तन दो तरह का होता है। नाम कीर्तन और लीला कीर्तन। दोनों ही कीर्तन के कई भाग होते हैं। इसमें एक बेड़ा कीर्तन है जिसमें मंदिरों या तुलसी मंचों की नृत्य-गीत संकीर्तन के साथ परिक्रमा करने की परंपरा है। वंदना कीर्तन में गुरु वंदना,गौर वंदना, पंच तत्व वंदना , वैष्णव वंदना, राधा कृष्ण वंदना पद गया जाता है। प्रार्थना कीर्तन में तिल और तुलसी पत्र -जल के साथ आत्म निवेदन, वृंदावन शरण, गौरांग और श्री कृष्ण चरणाश्रय संबंधी एकल या समूह कीर्तन की परंपरा है। आरती कीर्तन में प्रतिदिन के निर्धारित कालावधि में तीन बार आरती कीर्तन मंदिर या विग्रह के सामने किया जाता है। सुबह की आरती को मंगला आरती,दोपहर में भोग आरती और सायं काल के आरती को संध्या आरती या तुलसी आरती कहते हैं। अधिवास कीर्तन अष्टयाम के पहले दिन किया जाता है। खासकर वृंदावन लीला और नाम कीर्तन अधिवास के रूप में गाए जाते हैं। झारखंड के हर बंगभाषी गांव में एक गौर मंदिर या नाट्यशाला होता है। प्रो. मेनका कहती हैं कि संकीर्तन की शुरूआत गौरांग मंदिर से होता है। संकीर्तन के पहले गौर चंद्रिका का गायन करने की परंपरा है। गौर चंद्रिका का शाब्दिक अर्थ है संकीर्तन के मंगल क्षण पर गौर-निताई को ऐसो हे गौरांग प्रभु संकीर्तन माझे, भाई निताई के संगे निए नदे छेड़े ऐसो गौरा, तोमाय छाड़ा एई संकीर्तन साजे ना हे... जैसे गीत से आह्वान किया जाता है।

प्रो. मेनका कहती हैं कि श्रीकृष्ण लीला गान के पूर्व गौरांग महाप्रभु के आध्यात्मिक क्रियाकलापों के वर्णन को ही गौर चंद्रिका कहा जाता है।

गौर चंद्रिका के समापन के बाद श्रीकृष्ण पदावली अथवा पाला कीर्तन गाकर गांव की परिक्रमा की परंपरा है। इसके उपरांत कीर्तन मंडली गौरांग मंदिर में लौटकर संकीर्तन भूमि पर पानी डालकर ₹गोविंद बोलो जय राधा राधा ,राधा रानीर जय होकर राधा राधा, वृंदावनेर जय होक, सत्पुरुषेर जय होक,ग्रामवासीर जय होक₹ जयकारे लगाकर संकीर्तन को समाप्त करते हैं।

BRIEF NEWS

रामनिवास को हाईकोर्ट में हाजिर होने का निर्देश

RANCHI : शुक्रवार को आईएएस अधिकारी रामनिवास यादव को हाईकोर्ट ने अदालत के समक्ष उपस्थित होने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस आनंद सेन की अदालत ने यह आदेश दिया है। रामनिवास यादव फिलहाल उच्च शिक्षा निदेशक के पद पर तैनात हैं। दरअसल विनोबा भावे विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त उदय प्रसाद सिंह ने अपने रिटायरमेंट बेनिफिट की मांग के लिए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है। जिसपर सुनवाई के दौरान अदालत ने उक्त आदेश दिया है। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता समीर सौरभ ने पक्ष रखा। विनोबा भावे विश्वविद्यालय की ओर से अधिवक्ता कुमार हर्ष ने पक्ष रखा। अदालत ने प्रार्थी उदय सिंह के रिटायरमेंट बेनिफिट के भुगतान में देर पर नाराजगी जाहिर करते हुए उच्च शिक्षा निदेशक के विरुद्ध अवमानना की कार्रवाई करने की बात कही है।

तापस घोष को हाईकोर्ट से नहीं मिली जमानत

RANCHI : सीएम हेमंत सोरेन से जुड़े बड़गाईं अंचल के 8.86 एकड़ जमीन फर्जीवाड़ा मामले में आरोपी कोलकाता रजिस्ट्री ऑफिस के कर्मी तापस घोष की जमानत अर्जी पर झारखंड हाईकोर्ट ने फैसला सुनाया है। कोर्ट ने तापस घोष की जमानत याचिका खारिज कर दी है। पूर्व में पीएमएलए कोर्ट ने उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी। जिसके बाद उसकी ओर से हाईकोर्ट में जमानत का आग्रह किया गया था। द रजिस्ट्रार ऑफ एश्योरेंस कार्यालय, कोलकाता के कर्मी तापस घोष पर कार्यालय से जमीन के मूल दस्तावेज को गायब करने का आरोप है।

हाईकोर्ट ने खारिज की फैयाज खान की जमानत

RANCHI : बरियातू स्थित सेना के कब्जे वाली 4.55 एकड़ जमीन घोटाला मामले में जेल में बंद आरोपी फैयाज खान की जमानत याचिका पर झारखंड हाई कोर्ट ने फैसला सुनाया है। हाई कोर्ट ने फैयाज खान की जमानत याचिका खारिज कर दी है। पूर्व में ईडी की विशेष अदालत ने उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी जिसके बाद उसकी ओर से जमानत के लिए हाईकोर्ट में आग्रह किया गया था। ईडी की गिरफ्तारी के बाद फैयाज खान मामले में 14 अप्रैल 2023 से जेल में है।

ऑटो हटाने के विवाद में युवक व गर्भवती को पीटा

RANCHI : डोरंडा नीम चौक की रहने वाली जीतन परवीन ने पिंटू और चांद के विरूद्ध उनके पुत्र के साथ मारपीट करने का आरोप लगाया है। जीतन परवीन ने पिंटू और चांद के विरूद्ध डोरंडा थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। जीतन परवीन ने पुलिस को बताया कि आरोपी उनके घर के बाहर में अपना ऑटो खड़ा कर देता है। जब उनके पुत्र काबिज ने ऑटो हटाने को कहा तो आरोपियों ने उनके पुत्र के साथ मारपीट कर दी। बीच-बचाव करने गई उनकी गर्भवती पुत्री को भी आरोपियों ने पीटा। इसके बाद वह थाना पहुंचीं और मामला दर्ज कराया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

स्मार्ट बाजार में 11.23 लाख के सामान की चोरी

RANCHI : रांची के डंगरा टोली स्थित रिलायंस स्मार्ट बाजार में 11.23 लाख रुपए के सामान की चोरी हो गई। स्मार्ट बाजार के प्रबंधक संजीव कुमार ने लालपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। प्रबंधक ने पुलिस को बताया कि उनके प्रतिष्ठान में लगातार चोरी होने की शिकायत मिल रही थी। स्टॉक भी कम हो रहा था। इसी दौरान कंपनी के अधिकारियों ने सीसीटीवी कैमरा के आधार पर जांच की तो पता चला कि कुछ ग्राहकों द्वारा सामान की चोरी की गई है।

अब मोरहाबादी स्थित मिनी ट्रांसफर स्टेशन के पास भी पूरा हो चुका निर्माण

वेंडर मार्केट बनकर तैयार, अगले हफ्ते से रोड पर नहीं लगेगा बाजार

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची को जाम मुक्त बनाने को लेकर नगर निगम रेस हो गया है। नागा बाबा खटाल और कोकर के डिस्टिलरी वेंडर मार्केट के बाद अब मोरहाबादी स्थित मिनी ट्रांसफर स्टेशन के पास वेंडर मार्केट का निर्माण पूरा हो चुका है। मोरहाबादी में बाजार लगाने वाले दुकानदारों को बसाने की तैयारी है, ताकि मोरहाबादी में रोड पर दुकानें नहीं सजेंगी। इतना ही नहीं सड़कें भी जाम मुक्त हो जाएंगी। मोरहाबादी मैदान में फिलहाल रोड किनारे सब्जी की दुकानें सज रही हैं। बता दें कि हफ्ते में दो दिन रोड पर ही बाजार लगता है। इससे जाम की स्थिति बन जाती है। रांची नगर निगम के प्रशासक संदीप सिंह ने शुक्रवार को इस मार्केट का निरीक्षण किया। साथ ही उन्होंने एक हफ्ते के अंदर दुकानों का आवंटन कर दुकानदारों को शिफ्ट कराने का निर्देश दिया है।

200 से अधिक दुकानदारों को शिफ्ट करने का प्रशासक ने अधिकारियों को दिया निर्देश

निरीक्षण करते रांची नगर निगम प्रशासक संदीप सिंह।

मोरहाबादी स्थित वेंडर मार्केट।

सप्ताह में दो दिन सड़क पर लगता है बाजार

हफ्ते में दो दिन बाजार के कारण दोपहर से लेकर रात तक लोग जाम में फंसे रहते हैं। मार्केट चालू हो जाने से दुकानों को मार्केट में शिफ्ट कर दिया जाएगा। इससे रोड पर लगने वाला जाम खत्म हो जाएगा। एमटीएस के पास बन रहे इस मार्केट में 200 से अधिक दुकानदारों के बैठने की व्यवस्था है। 4.8 करोड़ की लागत से इस मार्केट का निर्माण कराया गया है। इस बाजार में छत के नीचे दुकानदार रहेंगे। ठंड, गर्मी, बारिश के दिनों में भी बिना किसी परेशानी के वे अपना कारोबार कर सकेंगे। बता दें कि रांची नगर निगम ने वेंडर्स का सर्वे कराया था। मोरहाबादी में लगने वाली दुकानों का सर्वे करने के बाद सभी को एक नंबर दिया गया था। अब दुकानों का आवंटन भी उसी आधार पर किया जाएगा।

रजिस्टर्ड दुकानदारों को मिलेगी जगह

रांची शहरी क्षेत्रांतर्गत सभी वेंडर्स को व्यवस्थित करना रांची नगर निगम की प्रथमिकता है। मोरहाबादी में वेंडिंग जोन का निर्माण किया गया है। इसमें मोरहाबादी क्षेत्र के रजिस्टर्ड वेंडर्स, फल-सब्जी विक्रेता व अस्थाई रूप से दुकान लगा रहे अन्य दुकानदारों को एक ही स्थल पर व्यवस्थित किया जाएगा। निरीक्षण के बाद संबंधित अधिकारियों को वेंडिंग जोन के शेष कार्यों को जल्द पूरा करते हुए यथाशीघ्र वेंडर्स को दुकानों का आवंटन करने का निर्देश दिया गया। मौके पर अपर प्रशासक संजय कुमार, सहायक प्रशासक, नगर निवेशक, निगम के अभियंता, नगर अभियान प्रबंधक तथा अन्य कर्मी मौजूद थे।

कांग्रेस ने हमेशा अंबेडकर के विचारों को दबाने का किया प्रयास : बाबूलाल

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश कार्यालय में 'अंबेडकर सम्मान अभियान' को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इसकी अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष-सह-नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने की। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर डॉ. भीमराव अंबेडकर के अपमान और दलितों को मुख्यधारा से दूर रखने का आरोप लगाया गया। कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा बाबा साहब अंबेडकर के विचारों को दबाने का प्रयास किया और उन्हें संविधान सभा में आने से रोकने तक की साजिश रची। कांग्रेस ने न सिर्फ जीवनकाल में, बल्कि मरणोपरांत भी अंबेडकर का अपमान किया। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने जान-बूझकर बाबा साहब को दो बार चुनाव हरवाया और मृत्यु के बाद दिल्ली में समाधि स्थल के लिए जमीन तक नहीं दी।

भाजपा ने अंबेडकर को दिया सच्चा सम्मान

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा ही वह पार्टी है, जिसने अंबेडकर को सच्चा सम्मान दिया। उन्होंने बताया कि अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में वीपी सिंह सरकार ने उन्हें भारत रत्न देने का निर्णय लिया। मोदी सरकार ने अंबेडकर से जुड़े पांच स्थानों को पंच तीर्थ के रूप में विकसित किया है। कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. रविंद्र कुमार राय ने कहा कि कांग्रेस पार्टी आज भी अंतरराष्ट्रीय षड्यंत्रों का संवाहक बनी हुई है और बाबा साहब के विचारों को तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत कर रही है। उन्होंने कहा कि अंबेडकर ने धर्म आधारित आरक्षण और धारा 370 का विरोध किया था, लेकिन कांग्रेस ने उनकी बातों को अनसुना किया। पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि कांग्रेस सिर्फ वोट बैंक की राजनीति करती रही है और दलित समाज को विकास से दूर रखा गया।

एसबीयू में 43 विद्यार्थियों को राज्यपाल ने दिया गोल्ड मेडल

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को सरला बिरला विश्वविद्यालय (एसबीयू) के द्वितीय दीक्षांत समारोह में माननीय राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने विश्वविद्यालय के 43 छात्रो को बसंत कुमार बिरला स्वर्ण पदक और पांच को पीएचडी की डिग्री दी गई। इसके साथ ही विभिन्न संकायों के 1664 छात्रो को डिग्री दी गई। दीक्षांत समारोह मे मिलेट मैन ऑफ इंडिया के नाम से चर्चित डॉ. खादरवल्ली को पीएचडी की मानद उपाधि प्रदान की गई। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित भव्य समारोह में माननीय राज्यपाल ने विद्यार्थियों को अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग राज्य और राष्ट्र की बेहतरी के लिए करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जिस तरह आज दुनिया अभूतपूर्व गति से विकास के मार्ग पर अग्रसर है, उस स्थिति में समाज में नवाचार और सार्थक योगदान आवश्यक हो जाता है।

- पांच को पीएचडी और विभिन्न संकायों के 1664 स्टूडेंट्स को मिली डिग्री
- मिलेट मैन ऑफ इंडिया डॉ. खादरवल्ली को मिली पीएचडी की मानद उपाधि

लैंड रिकॉर्ड में छेड़छाड़ व जालसाजी मामले में करें कार्रवाई : डीजीपी

RANCHI : लैंड रिकॉर्ड में छेड़छाड़ और जालसाजी से संबंधित मामले में करें डीजीपी अनुराग गुप्ता ने कार्रवाई का निर्देश दिए है। समीक्षा के क्रम में ऐसे जितने कांड, जो लैंड रिकॉर्ड में छेड़छाड़ और जालसाजी से संबंधित हैं, उन सभी कांडों के त्वरित अनुसंधान पर जोर देते हुए डिजिटल गड़बड़ियों के उद्भेदन के लिए तकनिकी विशेषज्ञों के साथ आधुनिक तकनिकी उपकरणों के प्रयोग करने का विशेष निर्देश दिया गया। इसके अलावा डीजीपी ने लैंड रिकॉर्ड में जालसाजी और फर्जीवाड़ा से संबंधित दर्ज सभी कांडों में त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई करते हुए दोषियों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया। साथ ही भविष्य में इस तरह के जमीनी फर्जीवाड़े की रोकथाम के एक विशेष रणनीति के तहत कार्य किए जाने की आवश्यता पर बल दिया गया। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को डीजीपी ने कार्यालय में रांची जोनल आईजी अखिलेश कुमार झा, आइजी सीआईडी और एसएसपी रांची चंदन कुमार सिन्हा और अपराध अनुसंधान विभाग के अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में लैंड रिकॉर्ड में छेड़छाड़ और जालसाजी से संबंधित दर्ज कांडों की समीक्षा की।

कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने संविधान रक्षा का लिया संकल्प

आम नागरिकों के अधिकारों पर हमला कर रही भाजपा : केशव महतो कमलेश

PHOTON NEWS RANCHI : बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर 14 अप्रैल को कांग्रेस मानव श्रृंखला बनाएगी। इसे सफल बनाने को लेकर कांग्रेस ने शुक्रवार को रांची में एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने की। इस दौरान महानगर, जिला, ग्रामीण अध्यक्षों, मोर्चा संगठनों के प्रदेश पदाधिकारियों, विधायकों और निगम आयोग बोर्ड के सदस्यों ने भाग लिया। प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यक्रम की सफलता को लेकर कार्यों का बंटवारा किया गया और जिम्मेदारियां सौंपी गईं। इस अवसर पर केशव महतो कमलेश ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा देश में विषाक्त वातावरण बनाने की कोशिश कर रही है। संविधान द्वारा आम नागरिकों को दिए गए अधिकारों पर हमला कर रही है। कांग्रेस इन शक्तियों के मंसूबों को नाकाम करने के लिए प्रतिबद्ध है। केशव महतो ने कहा कि संविधान रक्षा अभियान के तहत वर्षभर कार्यक्रम चलाए जाएंगे। 14 अप्रैल को राजधानी रांची में मानव श्रृंखला बनाकर झारखंड की जनता को यह संदेश दिया जाएगा कि कांग्रेस संविधान और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए उनके साथ खड़ी है।

मानव श्रृंखला में शामिल होने की अपील

कार्यक्रम में कांके विधायक सुरेश कुमार बैठा, अनादि ब्रह्म, राकेश सिन्हा, सतीश पाल मुजनी, किशोर शाहदेव, रविंद्र सिंह, संजय पासवान, राजीव रंजन, अमूल्य नीरज खलको सहित कई प्रमुख नेता मौजूद रहे। कांग्रेस नेताओं ने जनता से अपील की कि वे इस मानव श्रृंखला में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और एकजुटता का परिचय देकर संविधान विरोधी ताकतों को जवाब दें।

चमरा लिंडा के आवास का आज होगा घेराव

RANCHI : शुक्रवार को करमटोली स्थित कार्यालय में भारत आदिवासी पार्टी ने संवाददाता सम्मेलन कर राज्य सरकार पर आदिवासियों की उपेक्षा का आरोप लगाया। पार्टी नेताओं ने कहा कि जल, जंगल, जमीन और धर्म-संस्कृति पर लगातार हमले हो रहे हैं, लेकिन सरकार चुप है और कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रही। सम्मेलन में घोषणा की गई कि विभिन्न आदिवासी संगठन 12 अप्रैल को कल्याण मंत्री चमरा लिंडा के आवास का घेराव करेंगे, जिसका समर्थन भारत आदिवासी पार्टी ने किया है। प्रदेश अध्यक्ष प्रेम शाही मुंडा ने कहा कि आदिवासी हितों की लगातार अनदेखी की जा रही है। आदिवासियों की जमीन लूटी जा रही है, हत्याएं हो रही हैं और ट्राइबल सब प्लान का पैसा भी डायवर्ट हो रहा है। उन्होंने कहा कि आदिवासी विधायकों से 23 साल का जवाब मांगा जाएगा। नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि आदिवासी धर्म, संस्कृति और रोजगार के मुद्दों पर ठोस नीति नहीं बनी तो आंदोलन और तेज होगा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आउटसोर्सिंग के माध्यम से स्थानीय युवाओं को नौकरी से वंचित किया जा रहा है।

आठ अप्रैल से लापता था रिजवान अंसारी, थाने में दर्ज कराई गई थी प्राथमिकी

घर से गायब युवक का शव तालाब से बरामद, परिजनों को हत्या की आशंका

PHOTON NEWS RANCHI : अनगड़ा थाना क्षेत्र के रहने वाले एक युवक की डेड बॉडी तालाब से बरामद की गई है। रिजवान अंसारी नाम का युवक आठ अप्रैल से गयाब था। परिजनों ने अंसारी की हत्या की आशंका जताई है। मामले को लेकर परिजनों ने हंगामा भी किया। शुक्रवार की सुबह गांव के ही तालाब में एक शव होने की सूचना मिली। इसके बाद अनगड़ा पुलिस और रिजवान के परिजन तालाब पहुंचे, तालाब से जो शव बरामद हुआ वह रिजवान अंसारी का ही निकला। 32 वर्षीय रिजवान अंसारी आठ अप्रैल से गायब था, रिजवान की गुमशुदगी को लेकर परिजनों ने थाने में इसकी रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। दूसरी तरफ रिजवान का शव जैसे ही तालाब में मिला, परिजन और कुछ ग्रामीण हंगामा करने लगे। परिजनों का आरोप है कि रिजवान की हत्या कर उसके शव को तालाब में फेंका गया था। गांव के ही एक युवक पर रिजवान की हत्या का आरोप लगाते हुए परिजनों ने काफी हंगामा किया। तनाव को देखते हुए आसपास के थानों की टीम भी गांव पहुंची और आक्रोशित ग्रामीणों को समझा बुझाकर वापस भेजा।

सदर अस्पताल में डेंटल की सुपरस्पेशियलिटी यूनिट शुरू

RANCHI : सदर अस्पताल की दंत चिकित्सा इकाई ने सुपरस्पेशियलिटी यूनिट की शुरूआत कर दी है। इसे झारखंड में दंत चिकित्सा क्षेत्र में एक नई क्रांति की शुरूआत मानी जा रही है। जल्द ही सदर अस्पताल रांची में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस क्लिनिक शुरू की जाएगा, जिसमें डेंटिस्ट मरीजों का इलाज करेंगे। सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने बताया कि एक आधुनिक दंत प्रयोगशाला भी लगभग तैयार है। यहां सभी प्रकार के फिक्स्ड और हटाने योग्य प्रोस्थेसिस बनाए जाएंगे। यह प्रयोगशाला विशेष रूप से गरीब मरीजों के लिए उपयोगी साबित होगी, जो महंगे इलाज के कारण उपचार से वंचित रह जाते थे। इसके अतिरिक्त सदर अस्पताल में पहले से शुरू हो चुकी हेड और नेक कैंसर सर्जरी के साथ अब पोस्ट-सर्जिकल मैक्सिलोफेशियल प्रोस्थेसिस और ऑब्चुरेटर भी इसी प्रयोगशाला में बनाए जाएंगे।

जेपीएससी मेंस परीक्षा का रिजल्ट जारी करने के लिए अभ्यर्थियों ने किया हंगामा

कार्यालय को घेरा, आयोग के अध्यक्ष से नहीं मिल पाने के कारण बढ़ा आक्रोश

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को झारखंड पब्लिक सर्विस कमीशन (जेपीएससी) सिविल सेवा मेंस परीक्षा का रिजल्ट जारी करने की मांग को लेकर राज्यभर के अभ्यर्थी आयोग कार्यालय पहुंचे और जमकर हंगामा किया। कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों में काफी रोष देखने को मिल रहा है। अभ्यर्थियों का कहना है कि बीते नौ महीनों से उन्हें केवल आश्वासन ही मिल रहा है, लेकिन, अब तक रिजल्ट का कोई पता नहीं है। उनका आरोप है कि आयोग बार-बार टालमटोल कर उनकी उम्मीदों के साथ खिलवाड़ कर रहा है, जिससे उनका गुस्सा और बढ़ गया है। प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों ने आयोग के अधिकारियों से मिलने की जिद की, लेकिन उन्हें बताया गया कि जेपीएससी के चेयरमैन अभी कार्यालय में नहीं हैं। इस जवाब से अभ्यर्थियों में और अधिक आक्रोश बढ़ गया। इसके बाद अभ्यर्थियों ने आयोग की कार्यशैली पर सवाल उठाए और चेतावनी दी कि यदि जल्द ही रिजल्ट जारी नहीं किया गया, तो वे बड़ा आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

पांचवें वित्त आयोग की रिपोर्ट में प्रति व्यक्ति आय में अपेक्षित वृद्धि की पुष्टि

आर्थिक मजबूती की ओर तेज गति से आगे बढ़ रहा झारखंड

PHOTON NEWS RANCHI : बिहार से अलग होकर जब से झारखंड बना है, तब से यह चर्चा होती रहती है कि यह राज्य प्राकृतिक संसाधनों की दृष्टि से अमीर है, लेकिन यहां के लोग गरीबों की स्थिति झेल रहे हैं। इधर के कुछ वर्षों में इस प्रकार की धारणा धीरे-धीरे गलत साबित हो रही है। झारखंड सरकार के पांचवां वित्त आयोग द्वारा हाल ही में जारी की गई पहली रिपोर्ट से पता चलता है कि झारखंड की आर्थिक मजबूती तेज गति से आगे बढ़ रही है। रिपोर्ट बताती है कि 2024-25 में लोगों की आमदनी 1 लाख 14 हजार 271 रुपये थी, जो 2025-26 तक बढ़कर 1 लाख 24 हजार 079 रुपये होने का अनुमान है। राज्य स्थापना काल के तुरंत बाद 2001-02 में प्रति व्यक्ति आय सिर्फ 1 लाख 451रुपये थी। यानी 25 वर्षों के कालखंड में झारखंड में लोगों की प्रति व्यक्ति आमदनी में 12 गुना से अधिक का उछाल आया है, जो राज्य की मजबूत अर्थव्यवस्था का संकेत है। इस वृद्धि में हेमंत सोरेन के पिछले 5 वर्षों के कार्यकाल का बहुत बड़ा योगदान है।

2025-26 तक 1 लाख 24 हजार 79 रुपये प्रति व्यक्ति आय होने की संभावना

आर्थिक रूप से राज्य को सबल बनाने में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की बड़ी भूमिका

गरीबी में भी क्रमिक रूप से आ रही गिरावट

झारखंड में एक तरफ जहां प्रति व्यक्ति आय में इजाफा हुआ है। दूसरी तरफ गरीबी में भी कमी आई है। नीति आयोग के आंकड़ों पर नजर दें तो 2015-16 में 42.10 प्रतिशत गरीबी झारखंड में थी। जो 2019-21 में घटकर 28.81 प्रतिशत हो गई। अगर देश में गरीबी की स्थिति की बात करें तो 2015-16 में 24.85 प्रतिशत थी जो कम होकर 14.96 प्रतिशत हो गया है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में गरीबी की बात करें तो 2019-22 में जारी आंकड़ों के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी 2015-16 की तुलना में काफी कम हुई है।

राजकोषीय स्वास्थ्य में भी प्रगति

झारखंड के जाने-माने अर्थशास्त्री हरीश्वर दयाल ने बताया कि 'प्रति व्यक्ति आय हमारे राज्य का बढ़ने का कारण यह रहा है कि राज्य की अर्थव्यवस्था धीरे-धीरे सुदृढ़ हो रही है। यह सिर्फ इसी रिपोर्ट में नहीं जितनी भी रिपोर्ट आप देखेंगे उसमें यह परिलक्षित हो रहा है। नीति आयोग की भी एक रिपोर्ट आई है, उसमें भी यह है कि राज्य ने फिजिकल हेल्थ और राजकोषीय स्वास्थ्य में इंप्रूव किया है। झारखंड पूरे देश में चौथे स्थान पर रहा है, तो चीजों में बढ़ोतरी होती रही है, इंप्रूव होता रहा है। इसके कारण की प्रति व्यक्ति आय में अभिवृद्धि होती रही है। मजबूत आर्थिक नीति के जरिए झारखंड ने विकास दर को सकारात्मक बनाकर रखने में सफलता पाई है। कुछ वर्षों को छोड़कर शेष वित्तीय वर्ष में विकास दर सकारात्मक होने के कारण आर्थिक गतिविधि में तेजी देखी गई है। झारखंड आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 के आंकड़ों के मुताबिक 2021-22 और 2023-24 के बीच राज्य के स्थिर (2011-12) मूल्यों पर जीएसडीपी में औसतन वार्षिक 7.7 प्रतिशत और वर्तमान मूल्य पर जीएसडीपी में 10.7 प्रतिशत की दर से वृद्धि हुई है।

विद्रोह से समाज में नहीं लाया जा सकता बदलाव : दत्तात्रेय होसबाले

PHOTON NEWS RANCHI : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि शोषण के विरुद्ध आक्रोश स्वाभाविक, लेकिन विद्रोह से समाज में सकारात्मक बदलाव नहीं लाया जा सकता। उन्होंने कहा कि देश के विकास में परंपरा और आधुनिकता के बीच संतुलन जरूरी है। विकास की बात जब हम करते हैं, तो विनाश की बात भी आती है, परंतु इसमें संतुलन कैसे बना रहे, इसके लिए समाज के चिंतनशील, विज्ञानी और पर्यावरणविद जैसे लोगों को सोचना होगा। हमें प्रकृति के पूरक रहते हुए विकास की आधुनिक धारा को लेकर आगे बढ़ना होगा। जनजातियों की संस्कृति को बचाना तो है, परंतु जंगलों में रहने वाले जनजाति समाज के युवा आईएएस, आईआईटीयन, विज्ञानी आदि तो बनेंगे ही, फिर उनकी परंपरागत संस्कृति को बचाने के लिए क्या करना होगा, इस पर भी समाज को विचार करना चाहिए। वे शुक्रवार को रांची के आरोग्य भवन परिसर में विकास भारती के सचिव पद्मश्री अशोक भगत की पुस्तक परंपरा और प्रयोग के विमोचन के अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे।

टाटा-पटमदा रोड पर अनियंत्रित डंपर ने छह मवेशियों को रौंदा

चार बकरियों की तत्काल हो गई मौत, दो बैल भी हुए घायल, दुर्घटना के बाद पलटा वाहन

PHOTON NEWS JSR : पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) जिला स्थित टाटा-पटमदा मुख्य सड़क पर शुक्रवार दोपहर ठनठनी घाटी में एक अनियंत्रित हाइवा वाहन (जेएच 05 बीएस झ 9710) पलट गया, जिससे चार बकरियों की मौके पर ही मौत हो गई और दो बैल गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा दोपहर करीब 12:10 बजे हुआ, जब बामनी टोला महुलडीह के पशुपालक जितेन सोरेन के मवेशी सड़क पार कर रहे थे। घटना की जानकारी मिलते ही पटमदा उत्तरी के जिला पार्षद खगेन चंद्र महतो मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने तुरंत पटमदा थाना प्रभारी को सूचना दी। हादसे के बाद सड़क पर काफी खून बह गया और यातायात बाधित हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हाइवा बनकुंचिया से गिट्टी लादकर बहरागोड़ा की ओर जा रहा था। इस वाहन से नियमित रूप से पटमदा में बालू लाया जाता है और लौटते वक्त गिट्टी ले जाई जाती है। दुर्घटना में खलासी घायल हो गया, जिसे स्थानीय लोगों ने माचा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में भर्ती कराया। वहीं, चालक मौके से फरार हो गया। जिला पार्षद ने पीड़ित जितेन सोरेन को मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया है। पुलिस घटनास्थल पर पहुंच चुकी है और मामले की जांच कर रही है।

सड़क पर पलटा डंपर व जुटे लोग ● फोटोन न्यूज

सड़क दुर्घटना में तीन घायल, एक गंभीर

CHAIBASA : पश्चिम सिंहभूम (चाईबासा) जिला स्थित बड़ाजामदा ओपी क्षेत्र के मुख्य सड़क मार्ग पर गुरुवार रात दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने टक्कर हो गई, जिसमें तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत घायलों को टाटा स्टील के नोवामुण्डी अस्पताल पहुंचाया। घायलों की पहचान नोवामुण्डी निवासी अल्ताफ हुसैन, महफूज आलम और बड़ाजामदा निवासी सुखराम सोरेन के रूप में हुई है। इनमें से अल्ताफ हुसैन की हालत गंभीर बनी हुई है, जिसे प्राथमिक इलाज के बाद जमशेदपुर के टाटा मेन हॉस्पिटल (टीएमएच) रेफर किया गया। मिली जानकारी के अनुसार दोनों मोटरसाइकिलें तेज गति में थीं और अंधेरे के कारण अनियंत्रित होकर आमने-सामने टकरा गईं। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ाजामदा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। इस हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने नोवामुण्डी अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही और भेदभाव का आरोप लगाया। उन्होंने घायलों के इलाज में देरी और आवश्यक सुविधाओं की कमी को लेकर नाराजगी जताई। गंभीर रूप से घायल युवक को टीएमएच रेफर किए जाने के बाद लोगों ने अस्पताल प्रशासन से तकनीशियन भेजने की मांग की, लेकिन उनकी मांग नहीं मानी गई, जिससे देर रात तक अस्पताल के बाहर विरोध प्रदर्शन होता रहा। पुलिस फिलहाल पूरे मामले की जांच कर रही है।

महिला का शव बरामद जांच में जुटी पुलिस

SERAIKELA : सरायकेला थाना अंतर्गत चंद्रपुर मुख्य सड़क के पास स्थित पंचायत भवन के समीप शुक्रवार को एक अज्ञात महिला का शव बरामद किया गया। महिला की उम्र लगभग 45 से 50 वर्ष के बीच बताई जा रही है। शव मिलने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। फिलहाल शव की पहचान नहीं हो पाई है, जिससे मामले की तह तक पहुंचना मुश्किल हो रहा है। पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों में सूचना भेजी है और महिला की पहचान सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। सरायकेला थाना प्रभारी ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराए जाने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। पुलिस ने किसी भी आपराधिक गतिविधि की संभावना से इंकार नहीं किया है और सभी पहलुओं पर जांच जारी है।

बेंगलुरु जा रहे 11 मजदूर सड़क हादसे में हुए घायल, 3 गंभीर

अस्पताल में इलाजरत घायल ● फोटोन न्यूज

CHAIBASA : चाईबासा-रांची मुख्य मार्ग (एनएच-75ई) पर शुक्रवार शाम को सुफलसाई के पास सड़क हादसे में 11 मजदूर घायल हो गए, जिनमें 3 की हालत नाजुक बताई जा रही है। सभी घायल मजदूर टोन्टो और जगन्नाथपुर प्रखंड के गुड़ीपोसी गांव समेत आसपास के इलाकों के रहने वाले हैं और काम की तलाश में बेंगलुरु जा रहे थे। जानकारी के अनुसार, मजदूर चक्रधरपुर रेलवे स्टेशन से ट्रेन पकड़ने के लिए टाटा मैजिक गाड़ी से रवाना हुए थे। इसी दौरान सुफलसाई के पास गाड़ी असंतुलित होकर पलट गई, जिससे अफरा-तफरी मच गई। दुर्घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोग पहुंचे और सभी घायलों को चाईबासा सदर अस्पताल लाया गया। अस्पताल में भर्ती 11 मजदूरों में से तीन की हालत गंभीर है, जिनमें से एक को बेहतर इलाज के लिए जमशेदपुर एमजीएम अस्पताल रेफर किया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही प्रशिक्षु आईपीएस और मुफ्फसिल थाना प्रभारी निखिल राय, एसडीपीओ बहामन टुटी सहित पुलिस और बड़ी संख्या में ग्रामीण अस्पताल पहुंचे और पीड़ितों का हालचाल जाना। घायल मजदूरों ने बताया कि वे बेंगलुरु में निर्माण कार्य में मजदूरी करने जा रहे थे। एक पल के हादसे ने उनके सपनों को झकझोर कर रख दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

समाचार सार

आदिवासी हितों व संगठन विस्तार पर भाजपा का जोर

CHAIBASA : भाजपा के जिला कार्यालय में शुक्रवार को सक्रिय सदस्यता अभियान को लेकर बैठक हुई। इसमें पूर्व जिला अध्यक्ष सतीश पुरी, मनोज लियांगी, हेमंत केसरी, राज सवैंया व गीता बलमुचू मंचासीन रहीं। वरिष्ठ नेताओं ने अपने विचार रखे। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, युवाओं व महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और गांव-गांव तक सदस्यता अभियान चलाने का संकल्प लिया गया। नेताओं ने आदिवासी हितों व संगठन विस्तार पर जोर दिया। मंच संचालन प्रताप कटिहार महतो व धन्यवाद ज्ञापन पंकज टोप्पो ने किया। इस दौरान चंद्रमोहन तिऊ, नवीन गुप्ता, रविशंकर विश्वकर्मा, सुमन गागराई, रंजन प्रसाद, मुकेश कुमार आदि भी उपस्थित थे।

बड़ाम बाबा की पूजा प्रारंभ, आज घट लेकर पहुंचेंगे भक्त

GHATSILA : घाटशिला प्रखंड के राजस्टेट गांव में तीन दिवसीय बड़ाम बाबा की पूजा शुक्रवार को प्रारंभ हुई। इसमें देर रात तक राजस्टेट एवं चालकडीह के श्रद्धालुओं ने 33 कोटि देवी-देवताओं का आह्वान किया। शनिवार को पूजा के दूसरे दिन घाटशिला थाना के समीप स्थित बड़ाबांध तालाब से घट डुबोकर सैकड़ों भक्त पूजास्थल पर आएंगे। इस दौरान दर्जनों भक्त खुले बदन पर सबाई घास से बने चाबुक से देवता को खुश करने के लिए अपने शरीर पर मारते हैं। इस दौरान भक्त झुपान करते हुए पूजास्थल तक पहुंचेंगे। रास्ते में घट लेकर चल रहे पुजारी का स्वागत महिलाएं हल्दी-पानी से चरण धोएंगी। घट के पूजा स्थल तक पहुंचने के बाद मुख्य पूजा शुरू होगी। रविवार को सभी देवी-देवताओं को विदाई दी जाएगी। राजस्टेट से जुगनी भाटा तक विदाई देने श्रद्धालु जाएंगे। यहां सभी भक्तों को महाप्रसाद ग्रहण कराया जाएगा। बताया जाता है कि बड़ाम बाबा की पूजा राजा जगदीश चंद्र देव धवलदेव के समय से शुरू हुई थी।

जयंती पर याद किए गए ज्योतिबा फुले

JAMSHEDPUR : सावित्रीबाई फुले सेवा दल ने शुक्रवार को शास्त्रीनगर में महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती मनाई। उनका जन्म 11 अप्रैल 1827 को महाराष्ट्र के सतारा जिले में हुआ था। उनका असली नाम ज्योतिराव गोविंदराव फुले था। वे 19वीं सदी के बड़े समाज सुधारक तथा विचारक थे। ज्योतिबा फुले समाज में प्रचलित जाति आधारित विभाजन और भेदभाव के खिलाफ थे। उन्होंने 1854 में कन्या शिक्षा के लिए देश में पहला विद्यालय खोला था। कार्यक्रम में रामभरोस भगत, रुपेश कुमार ठाकुर, राजेश भगत, अजीत भगत, अंजलि, प्रिया कुमारी, राजेश भगत आदि उपस्थित थे।

अंतरराष्ट्रीय मैथिली सम्मेलन कल से

JAMSHEDPUR : 24 वर्ष बाद जमशेदपुर में 13-14 अप्रैल को 36वां अंतरराष्ट्रीय मैथिली सम्मेलन होने जा रहा है। इसकी शुरूआत कार्यक्रम स्थल गोलमुरी स्थित विद्यापति परिसर से महाकवि विद्यापति की प्रतिमा पर माल्यार्पण से होगी। इसके बाद सुबह 8 बजे शोभायात्रा निकलेगी, जो एबीएम कॉलेज होते हुए गोलमुरी चौक से गुजर कर विद्यापति परिसर लौटेगी। शोभायात्रा में महिलाएं लाल या पीली साड़ी तथा पुरुष धोती-कुर्ता में सम्मिलित होंगे। कार्यक्रम में नेपाल सहित अन्य देशों के लगभग 200 प्रतिनिधि आएंगे।

लक्ष्मीनारायण मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ आज

JAMSHEDPUR : गोलमुरी के केबुल टाउन स्थित श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर (बिड़ला मंदिर) में श्री हनुमान जयंती के शुभ अवसर पर शनिवार को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक हनुमान चालीसा का 108 बार पाठ होगा। पाठ से पहले हनुमान जी की पूजा-अर्चना होगी। आरती के बाद भोग की व्यवस्था रहेगी।

ट्रेनों की लेटलतीफी पर चैंबर ने दिया धरना

JAMSHEDPUR : सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने ट्रेनों की लेटलतीफी पर शुक्रवार को जुगसलाई के वीर कुंवर सिंह चौक पर धरना-प्रदर्शन किया। चैंबर के अध्यक्ष विजय आनंद मूनका ने व्यवसायियों-उद्यमियों को संबोधित करते हुए कहा कि कई महीनों से दक्षिण पूर्व रेलवे के अंतर्गत चलने वाली रेलगाड़ियां, जो टाटानगर से गुजरती हैं, अधिकांश 12 घंटे तक विलंब से चल रही हैं। कई रेलगाड़ियां रद्द कर दी जा रही हैं। इससे सभी को नुकसान हो रहा है।

जेएलकेएम ने शिक्षा मंत्री की निकाली 'शवयात्रा'

प्रदर्शन करते जेएलकेएम के कार्यकर्ता ● फोटोन न्यूज

GHATSILA : झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा ने शुक्रवार शाम को राज्य के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन की 'शवयात्रा' निकाली। फूलडुंगरी बस स्टैंड से अमाईनगर स्थित मुक्तिधाम तक नारेबाजी करते हुए गए। कोल्हान प्रमंडल के वरीय उपाध्यक्ष रामदास मुर्मू ने बताया कि पिछले दिनों सरकार ने टीजीटी-पीजीटी के लगभग 8900 पद खत्म कर दिए। बदले में माध्यमिक आचार्य लाने का निर्णय लिया है, जो सरासर गलत है। इसके विरोध में पार्टी द्वारा शिक्षा मंत्री का पुतला दहन भी किया जाएगा। मुर्मू ने कहा कि सरकार ऐसा करके निजी विद्यालयों को बढ़ावा दे रही है।

विरोध प्रदर्शन में कोल्हान प्रमंडल अध्यक्ष माधव महतो, जिला सचिव दिनेश महतो, जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा पूनम महतो, अनुप्रिया, सुलोचना, चित्तो महतो, सुरेश हाईबुरु सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल थे।

शालीमार-गोरखपुर एक्सप्रेस चार दिन तक रहेगी रद्द

JAMSHEDPUR : टाटानगर से होकर चलने वाली शालीमार - गोरखपुर -शालीमार एक्सप्रेस चार दिन रद्द रहेगी। दक्षिण पूर्व रेलवे जोन से जारी सर्कुलर के मुताबिक अप्रैल में तीन और मई में एक दिन इसे रद्द किया गया है। उत्तर प्रदेश में लाइन मरम्मत और अन्य विकास कार्यों के कारण ट्रेन नंबर- 15021 शालीमार से 22, 24 और 29 अप्रैल को नहीं चलेगी। वहीं 3 मई को भी इसे रद्द कर दिया गया है। वहीं, ट्रेन नंबर-15022 गोरखपुर-शालीमार एक्सप्रेस के दो फेरे रद्द किए गए हैं। इससे बिहार और उत्तर प्रदेश के हजारों यात्रियों को सफर में परेशानी हो सकती है।

एआई का उपयोग करने से पहले खुद समझदार बनें : कुलपति

एलबीएसएम कॉलेज में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार आरंभ

PHOTON NEWS JSR : करनडीह स्थित एलबीएसएम कॉलेज में शुक्रवार को एआई पर आधारित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार शुरू हुआ। इस अवसर पर कोल्हान विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. अंजिला गुप्ता ने कहा कि एआई से पहले इंसान को खुद समझदार होना होगा। अगर सही संतुलन नहीं बना, तो यह तकनीक हमें विकास की जगह विनाश की ओर ले जा सकती है। उन्होंने कहा कि भारत एक युवा देश है, ऐसे में यह देखना जरूरी है कि एआई बेरोजगारी बढ़ाएगा या रोजगार सृजित करेगा। उन्होंने झारखंड की कला, संस्कृति और सामाजिक विकास में एआई की भूमिका की भी वकालत की।

सेमिनार को संबोधित करतीं कुलपति डॉ. अंजिला गुप्ता ● फोटोन न्यूज

सेमिनार में वैश्विक सहभागिता और समर्पित विमर्श

स्मारिका विमोचन के साथ उद्घाटन सत्र में जर्मनी, अमेरिका, नेपाल और देश के झारखंड, उत्तर प्रदेश, बंगाल से आए लगभग 300 विद्वान और शोधार्थी शामिल हुए। पहले दिन चार तकनीकी सत्रों में 75 से अधिक शोध आलेख प्रस्तुत किए गए। मंच पर डॉ. सबाब आलम, डॉ. अपूर्वा साहा, प्रो. विजय कुमार पीयूष, डॉ. अमर सिंह, डॉ. आरके चौधरी सहित कई गणमान्य उपस्थित थे। संचालन डॉ. मौसमी पॉल व धन्यवाद ज्ञापन डॉ. विजय प्रकाश ने किया।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार झा ने कहा कि एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) भविष्य के लिए जरूरी तकनीक है। इसका प्रभाव हर क्षेत्र में पड़ेगा।

हर चेकिंग प्वाइंट पर मौजूद रहेंगे जदयू के पांच कार्यकर्ता : सरयू

टाटा वर्कर्स यूनियन हाईस्कूल के पास बनी अवैध दुकानें हटाई जाएंगी

PHOTON NEWS JSR : जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय के बिष्टुपुर स्थित आवासीय कार्यालय में शुक्रवार को कदमा मंडल के सक्रिय कार्यकताओं की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता करते हुए विधायक सरयू राय ने कहा कि बैठक में निर्णय हुआ कि प्रत्येक चेकिंग प्वाइंट पर 4-5 (जदयू) कार्यकर्ता तैनात रहेंगे और वाहन जांच की निगरानी करेंगे।

यह भी फैसला हुआ कि रांची के तर्ज पर जांच प्रक्रिया की सीसीटीवी के माध्यम से जांच की जाए। बैठक में इस बात पर खास चर्चा हुई कि ट्रैफिक जांच के नाम पर पुलिस आतंक फैला रही है और इस कदर गाड़ियों को रोकती है, मानो पुलिस किसी आतंकी को पकड़ने की ताक में बैठी है। बैठक में तय किया गया कि एक शीर्ष प्रतिनिधिमंडल यातायात पदाधिकारी से मिलेगा और 15 अप्रैल तक स्थिति नहीं सुधरी तो हर ट्रैफिक चौक पर पांच प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे और ट्रैफिक जांच के नाम हो रही वसूली पर नजर रखेंगे। बैठक में चर्चा हुई कि ट्रैफिक पुलिस को यदि चालान काट कर फाइन करना है, तो इसके लिए डिजिटल कार्रवाई करे और वाहन चालक के पते पर नोटिस भेजे। बैठक में इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया गया कि कदमा-सोनारी लिंक रोड पर तीन जगह वाहन चेकिंग प्वाइंट बनाए गए हैं। रामनवमी के समय तथा स्कूल खुलने व बंद होने के समय चेकिंग का विशेष दबाव बनाया जाता है।

बिष्टुपुर स्थित आवासीय कार्यालय में बैठक करते सरयू राय ● फोटोन न्यूज

पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता के समर्थक के खिलाफ साइबर थाना में शिकायत

JAMSHEDPUR : जदयू नेता पारडीह निवासी राजन सिंह राजपूत ने कांग्रेस नेता सह पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता के समर्थक गोपाल यादव के खिलाफ बिष्टुपुर स्थित साइबर थाना में शिकायत दर्ज कराई है। राजन ने अपने शिकायत में बताया कि गोपाल यादव पिछले विधानसभा चुनाव के समय से अब तक लगातार सोशल मीडिया के माध्यम से जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय और उनके समर्थकों पर अभद्र टिप्पणी करते रहे हैं। इसके साथ ही विभिन्न प्रकार से भड़काने वाले पोस्ट कर धमकाने, उकसाने व निजी रूप से अपमानित कर रहे हैं। राजन ने बताया कि कई बार गोपाल यादव द्वारा उनके फेसबुक आईडी से अश्लील एवं आपत्तिजनक पोस्ट कर विधायक सरयू राय और उनके समर्थकों का चरित्र हनन करने का प्रयास किया जाता रहा है।

केरा में यात्रा घट व नगर की पुरानीबस्ती से निकला शुभ कलश

घट यात्रा में शामिल श्रद्धालु ● फोटोन न्यूज

CHAKRADHARPUR : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर प्रखंड के केरा गांव स्थित मां भगवती मंदिर और नगर की पुरानी बस्ती स्थित मां पाउड़ी मंदिर में चैती मेला लगेगा। इसके लिए अनुष्ठान प्रारंभ कर दिया गया है। गुरुवार की देर रात केरा गांव में यात्रा घट तथा पुरानी बस्ती में शुभ घट की पूजा हुई। पूजा के उपरांत घट मंदिर पहुंचा। मंदिर पहुंचने पर दोनों जगह घट के पवित्र जल से शिवलिंग का जलाभिषेक किया गया। यह घट रात्रि के समय लाया जाता है। इसी तरह पांच दिनों तक घट लाए जाएंगे। अंतिम दिन 14 अप्रैल की सुबह कालिका घट लाया जाएगा, जो मां काली को समर्पित किया जाता है। इस दिन पूजा में भारी भीड़ उमड़ती है। बकरे की बलि दी जाती है। इस घट के मंदिर पहुंचने के बाद भोक्ताओं द्वारा भक्ति दिखाते हैं। नंगे बदन कांटे पर लेटते हैं और नंगे पांव दहकते अंगारों पर चलते हैं। यह कार्यक्रम मां भगवती मंदिर केरा और मां पाउड़ी मंदिर पुरानी बस्ती में भी होता है, जिसे देखने के लिए हजारों की भीड़ जुटती है।

पदमुक्त किए जाएंगे कांग्रेस के निष्क्रिय कार्यकर्ता : जिलाध्यक्ष

जिला कार्यालय में बैठक को संबोधित करते जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में जिला स्तरीय संगठन सृजन-2025 के तहत शुक्रवार को बिष्टुपुर स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय तिलक पुस्तकालय में बैठक हुई। इसमें जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे ने कहा कि कांग्रेस आलाकमान ने जिलाध्यक्षों को कई अधिकार दिए हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में 4 अप्रैल को दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय और 8-9 अप्रैल को गुजरात के अहमदाबाद में हुए 84वें महाअधिवेशन में पारित प्रस्ताव की जानकारी दी। कहा कि संगठन की बैठक में जो भी पदाधिकारी अनुपस्थित रहते हैं, उन्हें तत्काल पदमुक्त करना है। योग्य सदस्य को दायित्व सौंपा जाएगा। संगठन के दायित्व का निर्वहन नही करने वाले को तत्काल प्रभाव से हटाने का भी अधिकार दिया गया है। अनुशासनहीनता करने वाले पदाधिकारी अब नही बख्से जाएंगे। अब जिलाध्यक्षों को विधानसभा क्षेत्र से पार्टी उम्मीदवार के लिए अनुशंसा करने का अधिकार तो दिया ही गया है, प्रखंड व मंडल अध्यक्षों को भी उम्मीदवार चयन में दायित्व दिए गए हैं।

साहिल शर्मा सहित 11 प्रतिभागियों को बाड़े के उद्घाटन समारोह में शामिल होने का मिलेगा अवसर

टाटा जू के बाघ का नाम रुद्र व बाघिन का मेघना

PHOTON NEWS JSR : टाटा स्टील जूलॉजिकल पार्क में लाए गए नर बाघ का नाम रुद्र और मादा का नाम मेघना रखा जाएगा। स्टील सिटी के नागरिकों की ओर से मिले जबरदस्त समर्थन के बाद टाटा स्टील जूलॉजिकल पार्क ने बाघ और बाघिन के नामों को अंतिम रूप दिया है। बाघ के इस जोड़े को नागपुर चिड़ियाघर से 21 मार्च को यहां लाया गया था। इनका नामकरण करने के लिए शहरवासियों से सुझाव आमंत्रित किए गए थे।

शहर के नागरिकों ने इसमें काफी रुचि दिखाई और एसएमएस और वाट्सएप के जरिए अपने पसंदीदा नाम भेजे। भाग लेने के लिए अंतिम दिन 24 मार्च तक कुल 318 लोगों ने बाघ और बाघिन दोनों के लिए 318 अलग-अलग नाम सुझाए।

इसके बाद, चिड़ियाघर ने नर और मादा बाघों के लिए सबसे अच्छे नामों का चयन करने के लिए एक समिति बनाई थी, जो जानवरों के लिए नामों के सुझाव की आवृत्ति और प्रासंगिकता और महत्व को ध्यान में रखते हुए बनाई गई थी। समिति ने अंततः प्रतिभागियों में से एक साहिल शर्मा द्वारा सुझाए गए नामों को सूचीबद्ध किया, जो प्रतियोगिता के विजेता बनकर उभरे।

दिलचस्प बात यह है कि बाघ के लिए रुद्र नाम का सुझाव 10 अन्य प्रतिभागियों ने भी दिया था। साहिल शर्मा को इन बाघों के साथ नजदीक से फोटो खिंचाने का अवसर मिलेगा। उन्हें और अन्य 10 प्रतिभागियों को सोमवार, 21 अप्रैल को नए बाघ बाड़े के उद्घाटन समारोह में शामिल होने का निमंत्रण मिलेगा। शाम 4 बजे से होने वाले इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि टाटा स्टील के कॉरपोरेट सर्विसेज के वाइस प्रेसिडेंट और टाटा स्टील जूलॉजिकल सोसाइटी के चेयरमैन चाणक्य चौधरी होंगे। सभी शॉर्टलिस्ट किए गए प्रतिभागियों को इस गतिविधि में उनकी उत्साही भागीदारी के लिए चिड़ियाघर की ओर से स्मृति चिह्न प्रदान किए जाएंगे।

शिव के ग्यारहवें रुद्र हैं हनुमान

वाल्मीकि रामायण के अनुसान हनुमान का जन्म कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी को हुआ जबकि पुराणों में पवनसुत का जन्म चैत्र पूर्णिमा बताया गया है। वैसे अधिकांश जगहों पर चैत्र पूर्णिमा को ही मारुतिनंदन हनुमान की जयंती धूमधाम से मनाई जाती है। स्कंदपुराण में वर्णन है कि शिव के ग्यारहवें रुद्र ही विष्णु के अवतार श्रीराम की सहायता हेतु हनुमान रूप में अवतरित हुए। भगवान शंकर ने श्री विष्णु से दास्य का वरदान प्राप्त किया था, जिसे पूर्ण करने हेतु वह अवतार लेना चाहते थे ।परंतु उनके समक्ष धर्मसंकट यह था कि जिस रावण के वध हेतु वह श्रीराम की सहायता करना चाहते थे वह उनका परम भक्त था। अपने परम भक्त के विरुद्ध राम की सहायता वह आखिर कैसे करते यह प्रश्न था। रावण ने अपने दस सिरों को अर्पित कर भगवान शंकर के दस रुद्रों को संतुष्ट कर रखा था। अत- हनुमान ग्यारहवें रुद्र के रूप में अवतरित हुए और राम के सहायक बने। कलियुग में भक्तों के कष्टों को हरने में हनुमान समान दूसरा कोई देव नहीं है। वे जल्दी कृपा करते हैं। गोस्वामी तुलसीदास उनके बारे में लिखते हैं -

संकट कटे मिटे सब पीरा
जो सुमिरै हनुमत बल बीरा।

सभी देवताओं के पास अपनी-अपनी शक्तियां हैं। जैसे विष्णु के पास लक्ष्मी, महेश के पास पार्वती और ब्रह्मा के पास सरस्वती लेकिन हनुमान खुद की शक्ति से संचालित देव हैं। वे सर्वशक्तिशाली हैं लेकिन अपने आराध्य के प्रति पूर्ण समर्पित हैं। अपूर्व बलशाली होते हुए भी वे भक्ति की अनुपम मिसाल हैं। उनकी भक्ति भावना से प्रसन्ना होकर श्रीराम ने ही उन्हें वरदान दिया था कि मुझसे भी ज्यादा तुम्हारे मंदिर होंगे और लोग अपने संकटों के निवारण के लिए तुम्हारी उपासना करेंगे। हनुमान भक्तों की पुकार पर तुरंत ही उनके कष्ट हरते हैं। कलियुग में हनुमान सभी तरह के कष्टों को दूर करते हैं। वे भक्तों का हर तरह से मंगल करते हैं। वेद पुराणों में हनुमानजी को अजर-अमर कहा गया है। शास्त्रों में सप्त चिरंजीवों में हनुमान, राजा बली, महामुनि व्यास, अंगद, अश्वत्थामा, कृपाचार्य और विभीषण सम्मिलित हैं। चूंकि हनुमान सदेह इस धरा पर मौजूद हैं तो उनकी उपासना किसी भी तरह से की जाए निश्चित फलदायी होती है।

मनोकामना पूर्ण करेंगे पवनसुत

तंत्र शास्त्र के अनुसार मंगलवार के दिन हनुमान को प्रसन्ना करने के लिए कुछ उपाय सार्थक सिद्ध होते हैं। ऐसे ही कुछ उपाय-

- मंगलवार को संध्याकाल में किसी हनुमान मंदिर में जाएं और एक सरसों तेल का और शुद्ध घी का दीपक जलाएं। हनुमान चालीसा का पाठ करें।
- मंगलवार की सुबह पीपल के पेड़ के नीचे सरसों के तेल का दीया जलाएं। उसके बाद पूर्व दिशा की ओर मुख करके राम नाम का जाप करें।

यदि शनि दोष से पीढ़ित हैं तो हनुमान चालीसा का पाठ करने पर शनिदेव व्यक्ति का बुरा नहीं करते हैं।

हनुमान जयंती पर करें ये उपाय

हनुमान जयंती के दिन रामायण और राम रक्षास्रोत का पाठ करने से आपको मानसिक और शारीरिक शक्ति मिलती है।

हनुमान जयंती पर उन्हें सिंदूर और चमेली का तेल चढ़ाएं। ऐसा करने से शुभ समाचार प्राप्त होंगे।

यदि व्यापार में गिरावट हो तो हनुमानजी को चोला चढ़ाने से फायदा मिलता है।

हनुमान जयंती के दिन किसी हनुमान मंदिर की छत पर लाल झंडा लगाने से हर तरह के आकस्मिक संकट से मुक्ति मिलती है।

सौभाग्य के लिए आजमाएं यह उपाय

हनुमानजी के मंत्रों का प्रयोग किसी भी शुभ मुहूर्त में मंगलवार या शनिवार को किया जा सकता है। जो व्यक्ति नौकरी, व्यवसाय, करियर, प्यार, सेहत और प्रगति की मनोकामना रखता है, उसके लिए यह प्रयोग वरदान साबित हो सकता है। अत : जिस किसी को भी अपने जीवन में हर तरफ से सफलता पाना है, उसे यह उपाय अवश्य करना चाहिए। रोजगार-ऐश्वर्य प्राप्ति के लिए हनुमत्गायत्री मंत्र की यथाशक्ति 11-21-51 माला करें। देशकाल के अनुसार हवन करें। मंत्र सिद्ध हो जाएगा। पश्चात नित्य 1 माला जपें।

ऊँ नम : शिवाय ऊँ हं हनुमते श्री रामचन्द्राय नम : ।
ऊँ नमो भगवते आंजनेयाय महाबलाय स्वाहा।
ऊँ नमो भगवते हनुमते महारुद्राय हुं फट स्वाहा
ऊँ हं पवन नंदनाय स्वाहा
ऊँ नमो हरिमर्कट मर्कटाय स्वाहा।
ऊँ ह्रीं आंजेनाय विद्महे, पवनपुत्राय धीमहि तन्नो : हनुमान प्रचोद्यात ।।

इसलिए चढ़ाते हैं हनुमान जी को सिंदूर

रामायण में एक कथा प्रसिद्ध है कि हनुमानजी ने जानकी की मांग में सिंदूर लगा देख आश्चर्य से पूछा- माते, आपने यह लाल द्रव्य मस्तक पर क्यों लगाया है? माता जानकी ने हनुमान की इस उत्सुकता पर कहा, पुत्र, इसे लगाने से मेरे स्वामी की रक्षा होती है, वे दीर्घायु होते हैं और वे मुझ पर सदैव प्रसन्न रहते हैं। हनुमानजी ने यह सुना तो वे बहुत प्रसन्ना हुए और विचार किया कि जब अंगुलीभर सिंदूर से प्रभु की रक्षा होती है तो क्यों न पूरे शरीर पर सिंदूर लगाकर स्वामी को सुरक्षित कर दूं। उन्होंने वैसा ही किया। जब वे इस तरह श्रीराम के सामने पहुंचे तो प्रभु मुस्कुराए बिना न रह सके। हनुमान का विश्वास मां जानकी के वचनों में पक्का हो गया। तभी से हनुमान की भक्ति का स्मरण करते हुए उन्हें सिंदूर चढ़ाया जाने लगा।

शनि के प्रभाव से बचाते हैं हनुमान

रामायण से विदित होता है कि लंकापति रावण के सभी भ्राता व पुत्रों की जब मृत्यु हो रही थी तो अपने अमरत्व के लिए उसने सौरमंडल के सभी ग्रहों को अपने दरबार में कैद कर लिया था। रावण की कुंडली में शनि ही एकमात्र ऐसा ग्रह था जिसकी वक्रावस्था व योगों के कारण रावण के लिए मार्केश की स्थिति उत्पन्न हो रही थी जिसे बदलने के लिए रावण ने शनि को दरबार में उलटा लटका दिया था और यातनाएं दी थीं परंतु शनि के व्यवहारों में कोई बदलाव नहीं आया था। जब विभीषण ने हनुमान को इस बारे में में बताया तो हनुमान ने शनि को रावण की कैद से मुक्त कराया था। तभी शनिदेव ने हनुमान को वरदान दिया था कि जो भी उनकी आराधना करेगा उसे वह कष्ट नहीं पहुंचाएंगे।

हनुमान जी की पूजा कब और कैसे करें

भगवान शिव के एकादश रुद्रावतारों में से एक हैं हनुमानजी। आपका जन्म वैशाख पूर्णिमा को हुआ माना जाता है। इसी दिन हनुमान जयंती मनाई जाती है। उनके पूजन की शिवार्चन के जैसी सरल साधना विधि है। आवश्यकता के अनुसार मंत्र इत्यादि में परिवर्तन किया जाता है। पूर्णत : सात्विक रहते हुए हनुमानजी का पूजन-भजन करना चाहिए अन्यथा देव कोप भोगना पड़ सकता है।

साधारणतया हनुमान प्रतिमा को चोला चढ़ाते हैं। हनुमानजी की कृपा प्राप्त करने के लिए मंगलवार को तथा शनि महाराज की साढ़े साती, अढैया, दशा, अंतरदशा में कष्ट कम करने के लिए शनिवार को चोला चढ़ाया जाता है। साधारणतया मान्यता इन्हीं दिनों की है, लेकिन दूसरे दिनों में रवि, सोम, बुध, गुरु, शुक्र को चढ़ाने का निषेध नहीं है। चोले में चमेली के तेल में सिन्दूर मिलाकर प्रतिमा पर लेपन कर अच्छी तरह मलकर, रगड़कर चांदी या सोने का वर्क चढ़ाते हैं। इस प्रक्रिया में कुछ बातें समझने की हैं। पहली बात चोला चढ़ाने में ध्यान रखने की है। अछूते (शुद्ध) वस्त्र धारण करें। दूसरी नख से शिख तक (सृष्टि क्रम) तथा शिख से नख तक संहार क्रम होता है। सृष्टि क्रम यानी पैरों से मस्तक तक चढ़ाने में देवता सौम्य रहते हैं। संहार क्रम से चढ़ाने में देवता उग्र हो जाते हैं। यह चीज श्रीयंत्र साधना में सरलता से समझी जा सकती है। यदि कोई विशेष कामना पूर्ति हो तो पहले संहार क्रम से, जब तक कि कामना पूर्ण न हो जाए, पश्चात सृष्टि क्रम से चोला चढ़ाया जा सकता है। ध्यान रहे, पूर्ण कार्य संकल्पित हो। सात्विक जीवन, मानसिक एवं शारीरिक ब्रह्मचर्य का पालन अनिवार्य है। हनुमानजी के विग्रह का पूजन एवं यंत्र पूजन में काफी असमानताएं हैं। प्रतिमा पूजन में सिर्फ प्रतिमा का पूजन तथा यंत्र पूजन में अंग देवताओं का पूजन होता है।

हनुमान चालीसा एवं बजरंग बाण सर्वसाधारण के लिए सरल उपाय हैं। सुन्दरकांड का पाठ भी अच्छा है, समय जरूर अधिक लगता है। हनुमानजी के काफी मंत्र उपलब्ध हैं। आवश्यकता के अनुसार चुनकर साधना की जा सकती है। शाबर मंत्र भी हैं, लेकिन इनका प्रयोग गुरुदेव की देखरेख में करना उचित है। एकदम जादू से कोई सिद्धि नहीं मिलती अत: धैर्य, श्रद्धा, विश्वास से करते रहने पर देवकृपा निश्चित हो जाती है।

शास्त्रों में लिखा है- 'जपात सिद्धि-जपात सिद्धि' यानी जपते रहो, जपते रहो, सिद्धि जरूर प्राप्त होगी। कलयुग में साक्षात देव हनुमानजी हैं। हनुमानजी की साधना से अर्थ, धर्म, काम, मोक्ष सभी करतलगत हो सकते हैं। इति।

हनुमानजी के 12 चमत्कारिक नाम मिटाएंगे जीवन के सारे संकट.

प्रभु श्रीराम के भक्त हनुमानजी की उपासना से जीवन के सारे संकट मिट जाते है। माना जाता है कि हनुमानजी एक ऐसे देवता है जो थोड़ी-सी प्रार्थना और पूजा से ही शीघ्र प्रसन्न होते है। इनके पूजन के लिए मंगलवार और शनिवार का दिन श्रेष्ठ हैं। इन दो दिनों के अलावा भी प्रतिदिन हनुमानजी के 12 चमत्कारिक नामों का जप करने से हर प्रकार की मनोकामनाएं पूरी हो जाती है और जीवन के सभी संकटों से मुक्ति मिल जाती है।

हनुमानजी के 12 चमत्कारिक नाम

हनुमान अंजनीसुत वायुपुत्र महाबल।
रामेष्ठ फाल्गुण सखा पिंगाक्ष।
अमित विक्रम उदधिक्रमण।
सीता शोक विनाशन लक्ष्मण प्राणदाता।
दशग्रीव दर्पहा।

हनुमानजी की यह स्तुति करती है हर समस्या का निदान

हनुमानजी को बजरंगबली, पवनसुत, मारुतिनंदन, केसरीनंदन इस तरह के कई नामों से उनकी स्तुति की जाती है। श्री हनुमान जी की स्तुति जिसमें उनके बारह नामों का उल्लेख मिलता है। इन नामों के जप से भक्तों को सभी प्रकार के कष्टों से मुक्ति मिलती है। आनंद रामायण 8/3/8-11 में उल्लेखित यह स्तुति अगर आप मंगलवार या शनिवार को करते हैं तो आपको इसका फल और भी जल्दी मिलने की संभावना रहती है।

दोहा

उर प्रतीति दृढ़, सरन ह्वै, पाठ करै धरि ध्यान।
बाधा सब हर, करैं सब काम सफल हनुमान ॥

स्तुति

हनुमान अंजनी सूत् वायु पुत्रो महाबल : ।
रामेष्ट : फाल्गुनसखा पिङ्गाक्षोऽमित विक्रम : ॥
उदधिक्रमणश्चैव सीता शोकविनाशन : ।
लक्ष्मणप्राणदाता च दशग्रीवस्य दर्पहा ॥
एवं द्वादश नामानि कपीन्द्रस्य महात्मन : ।
सायंकाले प्रबोधे च यात्राकाले च य : पठेत ॥
तस्य सर्वभयं नास्ति रणे च विजयी भवेत।

भक्तों के कष्ट हरते हैं मंगल मूर्ति मारुति नंदन पवनसुत हनुमान

हनुमान जयंती पवनपुत्र हनुमान के जन्म की प्रसंग तिथि है। हनुमान शिव के ग्यारहवें अवतार के रूप में सर्वत्र पूजनीय हैं। चूंकि शिव भी राम का स्मरण करते हैं इसलिए उनके अवतार हनुमान को भी राम नाम प्रिय है। हनुमान बल और बुद्धि के देव हैं। रामकथा उनके बिना पूरी नहीं होती। वे धर्म में इस शिक्षा के साथ हैं कि अपनी बुद्धि और बल के गर्व से दूर रहते हुए, विनम्र होकर ही संसार का आदर प्राप्त किया जा सकता है। उनका श्रद्धाभाव अतुलनीय है। मंदिरों में हनुमानजी की मूर्ति को पर्वत उठाए और राक्षस का मान मर्दन करते हुए दिखाया जाता है लेकिन राम मंदिरों में वे प्रभु चरणों में मस्तक झुकाए बैठे हैं। वे अनुपम भक्त हैं। हनुमान के संबंध में एक लोककथा है कि एक बार वे माता अंजनी को रामायण सुना रहे थे। उनकी कथा से प्रभावित माता अंजनी ने पूछा, तुम इतने शक्तिशाली हो कि तुम्हारी पूंछ के एक वार से पूरी लंका को उड़ा सकते थे, रावण को मार सकते थे और मां सीता को छुड़ाकर ला सकते हो फिर तुमने ऐसा क्यों नहीं किया? अगर तुम ऐसा करते तो युद्ध में नष्ट हुआ समय बच जाता? हनुमान विनम्रता से कहते हैं, क्योंकि राम ने कभी मुझे ऐसा करने के लिए नहीं कहा। राम के प्रति इस अगाध श्रद्धा के कारण हनुमान पूरे संसार में पूजे जाते हैं। हनुमान जयंती के दिन अगर भक्त 7 बार हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं तो उनके कष्टों का हरण होता है। हनुमान बाण से सभी तरह के तांत्रिक रोगों का नाश होता है। राम नाम मात्र से ही वे सारे मनोरथ पूरे करते हैं।

रामकथा सुनते हैं हनुमान

माना जाता है कि जहां रामकथा होती है वहां हनुमान कथा सुनने पहुंचते हैं। कहा गया है एक बार राजदरबार में श्रीराम ने हनुमान को अपने गले से मोती की माला उतार कर दी। हनुमान ने हर एक मोती को दांत से काटकर देखा और पूरी माला तोड़ दी। श्रीराम ने पूछा इतनी सुंदर माला तुमने दांत से काट-काटकर क्यों फेंक दी। हनुमान ने कहा कि प्रभु जिस वस्तु में आप नहीं वह मेरे किस काम की। तब श्रीराम ने पूछा, तुम्हारे हृदय में श्रीराम का निवास है? हनुमान ने हृदय चीरकर दिखाया कि उसमें राम, लक्ष्मण और सीता विद्यमान है। हनुमान को राम नाम प्रिय है। जहां भी रामकथा होती है वहां वे कथा श्रवण आते हैं।

हर समस्या का समाधान है हनुमानजी के पास

हनुमान जी कलयुग में जीवित देवता के रूप में माने जाते हैं। हिंदू धर्म ग्रंथों के अनुसार हनुमान जी एकमात्र ऐसे देवता हैं, जो सशरीर इस पृथ्वी पर विचरण करते हैं, और अपने भक्तों की हर मनोकामना पूरी करते हैं। मान्यता है कि हनुमान जी का जन्म मंगलवार को हुआ था। इसीलिए मंगलवार के दिन उनकी पूजा का विशेष महत्व है। इसके अतिरिक्त शनिवार को भी हनुमान पूजा का विधान है। हनुमान जी को प्रसन्न करना बहुत सरल है। राह चलते उनका नाम स्मरण करने मात्र से ही सारे संकट दूर हो जाते हैं। मानव जीवन का सबसे बड़ा दुख भय है और जो साधक श्री हनुमान जी का नाम स्मरण कर लेता है वह भय से मुक्ति प्राप्त कर लेता है। हनुमान जी की उपासना से बुद्धि, यश, शौर्य, साहस और आरोग्यता में वृद्धि होती है।

परेशानी दूर करने के अचूक उपाय

रोज हनुमान चालीसा और बजरंग बाण का पाठ करने वाले भक्तों को सभी सुख मिलते हैं और धन की प्राप्ति होती है। ऐसे लोगों को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होती और उनकी किस्मत का सितारा चमक जाता है। सुंदरकांड श्रीरामचरितमानस का चौथा अध्याय है। यह श्रीरामचरितमानस का सबसे अधिक पढ़ा जाने वाला भाग है क्योंकि इसमें हनुमान जी के बल, बुद्धि, पराक्रम व शौर्य का वर्णन किया गया है। सुंदरकांड के पढ़ने व सुनने से मन में एक अद्भुत ऊर्जा का संचार होता है। सुंदरकांड के हर दोहा, चौपाई व शब्द में गहन अध्यात्म छुपा है, जिससे मनुष्य जीवन की हर समस्या का सामना कर सकता है। विवाहित स्त्रियां अपने पति या स्वामी की लंबी उम्र के लिए मांग में सिंदूर लगाती हैं, ठीक उसी प्रकार हनुमानजी भी अपने स्वामी श्रीराम के लिए पूरे शरीर पर सिंदूर लगाते हैं। इसलिए मंगलवार को हनुमान जी के मंदिर में जाकर उन्हें सिंदूर व चमेली का तेल अर्पित करें। आपकी मनोकामनाएं जरूर पूरी होगीं।

भारतीय रिजर्व बैंक ने मौद्रिक नीति में स्टैन्स को स्थिर से उदार किया

प्रहलाद सबनानी

यदि भारत में आगे आने वाले वर्षों में मुद्रा स्फीति पर अंकुश कायम रहता है एवं भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा आगे आने वाले समय में ब्याज दरों में लगातार कमी की जाती है तो भारत अपनी आर्थिक विकास दर को 6.5 प्रतिशत से भी आगे ले जा सकने में सफल हो सकता है। अतः भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मुद्रा नीति में स्टैन्स को स्थिर से उदार करने के निहितार्थ हैं।

दिनांक 9 अप्रेल 2025 को भारतीय रिजर्व बैंक ने मौद्रिक नीति की द्विमासिक बैठक में एकमत से निर्णय लेते हुए रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की कमी करते हुए इसे 6.25 प्रतिशत से घटाकर 6 प्रतिशत कर दिया है एवं इस मौद्रिक नीति में स्टैन्स को स्थिर (स्टेबल) से उदार (अकोमोडेटिव) कर दिया है। इसका आशय यह है कि आगे आने वाले समय में भारतीय रिजर्व बैंक रेपो दर में वृद्धि नहीं करते हुए इसे या तो स्थिर रखेगा अथवा इसमें कमी की घोषणा करेगा। भारत में मुद्रा स्फीति की दर को नियंत्रित करने में मिली सफलता के चलते भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा यह निर्णय लिया जा सका है। हाल ही के समय में अमेरिका द्वारा अन्य देशों से आयातित वस्तुओं पर भारी भरकम टैरिफ लगाने की घोषणा की गई है जिससे पूरे विश्व भर के लगभग समस्त देशों के शेयर बाजार में हाहाकार मच गया है एवं शेयर बाजार लगातार नीचे की ओर जा रहे हैं। ऐसे माहौल में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में कमी करने की घोषणा एक उचित कदम ही कहा जाना चाहिए। वैसे भारत में मुद्रा स्फीति अब नियंत्रण में भी आ चुकी है एवं आगे आने वाले मानसून के दौरान भारत में सामान्य (103 प्रतिशत) बारिश होने का अनुमान लगाया गया है। इस वर्ष रबी के मौसम में गेहूं की बम्पर पैदावार होने का अनुमान लगाया गया है, सब्जियों एवं फलों की कीमत भारतीय बाजारों में कम हुई है, अतः कुल मिलाकर खुदरा महंगाई की दर 4 प्रतिशत से भी नीचे आ गई है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भी वर्ष 2025-26 में भारत में मुद्रा स्फीति की दर के 4 प्रतिशत के नीचे रहने का अनुमान लगाया गया है। साथ ही, वैश्विक स्तर पर लगातार बदल रहे घटनाक्रम के चलते कच्चे तेल के दाम भी तेजी से घटे हैं और यह 75 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से घटकर 60 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गए हैं। भारत के लिए यह बहुत अच्छी खबर है, क्योंकि, इससे विनिर्माण इकाईयों की लाभप्रदता में वृद्धि होगी तथा देश में ईंधन की कीमतें कम होंगी और अंततः मुद्रा स्फीति की दर में और अधिक कमी होगी। भारतीय रिजर्व बैंक के लिए इससे आगामी मौद्रिक नीति के माध्यम से रेपो दर में और अधिक कटौती करना सम्भव एवं आसान होगा।

वैश्विक स्तर पर अमेरिका द्वारा छेड़े गए व्यापार युद्ध का भारतीय अर्थव्यवस्था पर बहुत अधिक विपरीत प्रभाव पड़ने की सम्भावना नहीं है और भारतीय रिजर्व बैंक के आंकलन के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत की आर्थिक विकास दर 6.5 प्रतिशत रह सकती है और पूर्व में इसके 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था, अर्थात, अमेरिका द्वारा अपने देश में होने वाले आयात पर लगाए गए

टैरिफ से भारतीय अर्थव्यवस्था पर केवल 0.2 प्रतिशत का असर होने की सम्भावना व्यक्त की गई है। भारतीय अर्थव्यवस्था दरअसल निर्यात पर बहुत अधिक निर्भर भी नहीं है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद का केवल लगभग 16-17 प्रतिशत भाग ही अन्य देशों को निर्यात किया जाता है। इसमें से भी अमेरिका को तो भारत के सकल घरेलू उत्पाद का केवल लगभग 2 प्रतिशत भाग ही निर्यात होता है। अतः ट्रम्प प्रशासन द्वारा विभिन्न देशों पर अलग अलग दर से लगाए गए टैरिफ का भारतीय अर्थव्यवस्था पर नगण्य सा प्रभाव पड़ने की सम्भावना है।

वैश्विक स्तर पर उक्त वर्णित समस्याओं के बीच भी अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आई एम एफ) ने अनुमान लगाया है कि वर्ष 2028 तक भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा एवं वर्ष 2025 एवं 2026 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर बनी रहेगी। पिछले 10 वर्षों के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था में 100 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। इस वर्ष के अंत तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद का स्तर 4.27 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच जाएगा, जो भारतीय रुपए में लगभग 360 लाख करोड़ रुपए बनता है। वर्ष 2015 से लेकर वर्ष 2024 तक के पिछले 10 वर्षों के समय में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार दुगना हो गया है। वर्ष 2015 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.10 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर (रुपए 180 लाख करोड़) का था और भारत विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में 10वें क्रम पर था। वर्ष 2025 में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार दुगना होकर 4.27 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर रहने का अनुमान लगाया गया है।

पिछले 10 वर्षों के दौरान केंद्र सरकार ने आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्र में कई सुधार कार्यक्रम लागू किए हैं जिससे विशेष रूप से कृषि के क्षेत्र में सुधार दृष्टिगोचर हुआ है। साथ ही, भारत में आधारभूत संरचना खड़ी करने के लिए केंद्र सरकार के पूंजीगत खर्च में भारी भरकम वृद्धि दर्ज हुई है। देश में विदेशी निवेश का लगातार विस्तार हो रहा है और रोजगार के अवसरों में भी अतुलनीय वृद्धि दर्ज हुई है। भारत में विनिर्माण के क्षेत्र में नई इकाईयों की स्थापना को प्रोत्साहन देने के लिए उत्पादन प्रोत्साहन योजना (पी एल आई) लागू की गई है। मुद्रा योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार की गारंटी पर भारतीय बैंकों (निजी एवं सरकारी क्षेत्र के बैंकों सहित) ने 33 लाख करोड़ रुपए के ऋणों का वितरण किया है। भारत में अनियमित जलवायु परिस्थितियों के बीच भी पिछले 10 वर्षों के दौरान कृषि के क्षेत्र में विस्तार हुआ है जिससे किसानों की आय को स्थिर रखने में सफलता मिली है। साथ ही, गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की केंद्र सरकार ने विशेष सरकारी योजनाओं एवं सब्सिडी के माध्यम से बहुत अच्छे स्तर पर सहायता की है। इससे इस श्रेणी के कई परिवार अब मध्यम श्रेणी में आ गए हैं एवं भारत में विभिन्न उत्पादों की मांग की वृद्धि में सहायक बन रहे हैं। देश में लागू किए गए डिजीटलाईजेशन से भी भारत में किए जाने वाले लेनदेन के व्यवहारों में पारदर्शिता आई है और इससे भारत में वस्तु एवं सेवा कर एक उपलब्धि सिद्ध हुआ है। आज भारत में वस्तु एवं सेवा कर के माध्यम से लगभग 2 लाख करोड़ रुपए का अप्रत्यक्ष कर संग्रहित हो रहा है तथा इससे देश में बुनियादी ढांचे को विकसित करने में भरपूर सहायता मिली है।

भारत आज अमेरिका, चीन, जर्मनी एवं जापान के पश्चात विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। पिछले 10 वर्षों के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था ने लम्बी छलांग लगाते हुए, विश्व में 10वें से आज 5वें स्थान पर आ गई है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के आंकलन के अनुसार पिछले 10 वर्षों में भारत का सकल घरेलू उत्पाद 100 प्रतिशत बढ़ा है तो अमेरिका का 65.8 प्रतिशत, चीन का 75.8 प्रतिशत, जर्मनी का 43.7 प्रतिशत और जापान का केवल 1.3 प्रतिशत बढ़ा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के एक अनुमान के अनुसार वर्ष 2025 एवं 2026 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत प्रतिवर्ष की बनी रहेगी, इस प्रकार भारत वर्ष 2026 में जापान को पीछे छोड़ते हुए विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा एवं वर्ष 2028 में जर्मनी को पीछे छोड़कर भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। जर्मनी, जापान एवं भारत के सकल घरेलू उत्पाद में बहुत ही थोड़ा अंतर है। जापान का सकल घरेलू उत्पाद 4.4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर है, जर्मनी का सकल घरेलू उत्पाद 4.9 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर है, वहीं भारत का सकल घरेलू उत्पाद 4.3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर है।

यदि भारत में आगे आने वाले वर्षों में मुद्रा स्फीति पर अंकुश कायम रहता है एवं भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा आगे आने वाले समय में ब्याज दरों में लगातार कमी की जाती है तो भारत अपनी आर्थिक विकास दर को 6.5 प्रतिशत से भी आगे ले जा सकने में सफल हो सकता है। अतः भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मुद्रा नीति में स्टैन्स को स्थिर से उदार करने के निहितार्थ हैं।

संपादकीय

युवाओं को कमान

कांग्रेस अपने अहमदाबाद अधिवेशन के बाद कड़े.फसले ले सकती है और निष्क्रिय पदाधिकारियों को रिटायर करेगी। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अधिवेशन में कहा कि जो पार्टी में रह कर काम नहीं कर रहे हैं, वे या तो आराम करें या फिर रिटायर हो जाएं। पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी पहले ही कह चुके हैं, गुजरात कांग्रेस में दो तरह के लोग हैं। एक, जो दिल से पार्टी के लिए लड़ते हैं और जनता से जुड़े. हैं। दूसरे, जिनका जनता से संपर्क टूट चुका है और बीजेपी के साथ मिले हुए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा, जरूरत पड़े.तो पांच से पच्चीस नेताओं को कांग्रेस से निकाल देना चाहिए। जाहिर है, कांग्रेस कमर कस रही है। राजनीतिक विशेषज्ञों की राय में पार्टी का सालों बाद अपना अधिवेशन गुजरात में करने का निर्णय ही बदलाव की नींव हो सकता है। गुजरात में तीन दशकों से काबिज भाजपा के पांव उखाड़.कर वे देश भर की जनता को संदेश देने के इच्छुक लग रहे हैं। पुराने या निष्क्रिय नेताओं की अकर्मण्यता को लेकर अब तक जो कनफुसियां जारी थीं, उन्हें मंच से कहने के लिए कड़ी मशक्कत की जा चुकी प्रतीत हो रही है। उन्हें अहसास हो चुका है कि संगठन को सुधारे बगैर भाजपा को चुनौती देना मुश्किल है। इसीलिए साल भर संगठन में मुस्तैदी की कवायद के बाद जाहिर किया गया कि टिकट वितरण में जिलाध्यक्षों की भूमिका अहम होगी। दल ने अपने राष्ट्रवाद को समाज को जोड़ने वाला और भाजपा के राष्ट्रवाद को तोड़ने वाला बताते हुए समान न्याय की अवधारणा, वंचितों, पीड़ितों, शोषितों व महिलाओं की चिंता जाहिर की। प्रतीत हो रहा है कि वे सत्ताधारी दल के राष्ट्रवाद को निशाना बनाने के प्रति दृढ़ संकल्प नजर आना चाहते हैं। कांग्रेसी संस्कृति पुरानी पड़.चुकी है जिसका खमियाजा वे लगातार भुगत रहे हैं। पार्टी के शीर्ष अधिकारियों समेत गांधी परिवार को खुद अपनी समीक्षा करनी है। बेशक, कड़े.निर्णय लेना जरूरी है। मगर निचली कतार तक जोश और जीत का जज्बा जगाने की भी जरूरत है। मन-मुटाव और आपसी झगड़ों को निपटाए बगैर जो टेढ़ी खीर साबित हो सकती है। वरिष्ठ नेताओं को परदे के पीछे या दिशा-निर्देशन का जिम्मा दिया जाना ही एकमात्र जरिया हो सकता है। आखिर, वर्तमान में यह सबसे ज्यादा युवाओं का देश है, यह हकीकत देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी को समझ आ ही रही है।

चिंतन-मनन

कर्मयोग के बिना संन्यास नहीं

आज की चिंतनधारा में संन्यास और कर्मयोग को अलग-अलग कर-के देखा जा रहा है। महर्षि अरविंद ने अपने साधना-प्रम में संन्यास को कोई स्थान नहीं दिया। उन्होंने कर्मयोग का ही विधान किया। इसी प्रकार कई विचारधाराएं तो संन्यास-विरोधी भी हो गई हैं। किंतु मैं संन्यास और कर्मयोग में कोई विरोध नहीं देखता। मेरे अभिमत से कर्मयोग से साधना का प्रारंभ होता है और संन्यास उसकी चरम अवस्था है। देहमुक्त अवस्था को प्राप्त करने के लिए संन्यास की स्वीकृति अनिवार्य है और संन्यास तक पहुंचने के लिए कर्मयोग की साधना से गुजरना अनिवार्य है। कर्मयोग के बिना संन्यास नहीं और संन्यास के बिना मुक्ति नहीं। फिर दोनों में विरोध कैसे हो सकता है। संन्यास से मेरा मतलब किसी वेशभूषा से नहीं है। वह तो मात्र संन्यास की परिचायक है। उससे न केवल औरों को संन्यास का परिचय मिलता है, स्वयं साधक को भी अपनी साधना का भान रहता है। भगवान महावीर ने श्रमण-वेशधारण के कारणों पर प्रकाश डालते हुए कहा है कि संयम यात्रा के वहन के लिए तथा मुनि-स्वरूप के ग्रहण के लिए लोक में साधु-वेश का प्रयोजन है। इससे साधक को अपनी साधना का प्रतिपल ध्यान रहता है।

इस प्रकार साधु-वेश का भी अपना महत्व और उपयोग है। किंतु संन्यास से यहां मेरा मतलब साधु-वेश से नहीं, आत्मा की उस स्थिति से है जब वह इंद्रिय-जगत से स्वयं ऊपर उठ जाती है। उस स्थिति में आए बिना कोई भी आत्मा अपना लक्ष्य पा नहीं सकती। कर्मयोग की साधना भी अकर्म की अवस्था में से गुजरती हुई साध्य तक पहुंचती है। यदि साधक का मन और इंद्रियां उसके वश में नहीं हैं, वह अरण्य में जाकर क्या करेगा? यदि उसका मन और इंद्रियां वश में हैं, फिर वह अरण्य में जाकर क्या करेगा? प्रश्न अरण्य और शहर का नहीं, जितेंद्रियता का है। जितेंद्रिय व्यक्ति के लिए अरण्य और बस्ती में कोई अंतर नहीं रहता।

संवाद से भविष्य संवारने की सार्थक पहल!

सोनम लवंशी

बच्चों की शिक्षा और समग्र विकास में अभिभावकों और शिक्षकों की भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रही है। वर्तमान समय में जब शिक्षा प्रणाली अत्यधिक प्रतिस्पर्धी हो गई है, बच्चों पर मानसिक दबाव भी बढ़ता जा रहा है। परीक्षा और करियर की चिंता ने उनकी मासूमियत को छीन लिया है। कई बच्चे इस दबाव को झेल नहीं पाते और अवसादग्रस्त हो जाते हैं। आंकड़े बताते हैं कि भारत में हर साल लगभग 12,000 छात्र परीक्षा और करियर संबंधी तनाव के कारण आत्महत्या जैसा गंभीर कदम उठा लेते हैं। यह स्थिति समाज के लिए एक गहरी चिंता का विषय है। ऐसे में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा जारी किया गया पैरेंटिंग कैलेंडर न केवल एक नवाचार है, बल्कि यह बच्चों की शिक्षा को तनावमुक्त और आनंदमय बनाने की दिशा में एक सार्थक प्रयास भी है। इस पहल का मूल उद्देश्य अभिभावकों और शिक्षकों के बीच संवाद को सशक्त करना है, जिससे बच्चों को एक सुरक्षित, प्रेमपूर्ण और सहयोगी वातावरण मिल सके।

एक बच्चे का मानसिक स्वास्थ्य उतना ही महत्वपूर्ण है जितना उसका शैक्षणिक प्रदर्शन। शोध बताते हैं कि जिन बच्चों को अपने अभिभावकों और शिक्षकों से निरंतर समर्थन मिलता है, वे न केवल अकादमिक रूप

से बेहतर प्रदर्शन करते हैं, बल्कि उनका आत्मविश्वास और निर्णय क्षमता भी मजबूत होती है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन के अनुसार, जिन बच्चों के माता-पिता स्कूल की गतिविधियों में भाग लेते हैं, वे 30 प्रतिशत अधिक आत्मविश्वासी होते हैं और उनकी सीखने की क्षमता भी 20 फीसदी तक बेहतर होती है। सीबीएसई द्वारा जारी पैरेंटिंग कैलेंडर इसी दिशा में एक ठोस प्रयास है। इस कैलेंडर को तैयार करने के लिए सीबीएसई ने जनवरी 2025 में एक दस सदस्यीय कमेटी का गठन किया था, जिसने विस्तृत अध्ययन के बाद अपनी सिफारिशें दीं। इन सिफारिशों के आधार पर अप्रैल 2025 से इस पहल को लागू किया गया है। यह कदम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप है, जो शिक्षा में भागीदारी और समग्र विकास पर बल देती है। यह कैलेंडर अभिभावकों और शिक्षकों के बीच सतत संवाद को बढ़ावा देगा और बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के लिए आवश्यक दिशानिर्देश प्रदान करेगा।

आज की शिक्षा प्रणाली में मानसिक स्वास्थ्य एक गंभीर विषय बन गया है। परीक्षा के दिनों में बच्चों का तनाव चरम पर होता है, जिससे उनकी निर्णय क्षमता और आत्मविश्वास प्रभावित होते हैं। ऐसे में शिक्षकों और अभिभावकों के बीच समन्वय बहुत आवश्यक हो जाता है। यह कैलेंडर इस समन्वय को बढ़ाने के लिए एक प्रभावी मंच प्रदान करता है। इसमें छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए अभिभावकों के लिए दिशा-निर्देश दिए गए हैं, जिनका पालन कर-के वे अपने बच्चों को बेहतर सहायता प्रदान कर सकते हैं। बच्चों की शिक्षा केवल स्कूल तक सीमित नहीं होती; उनके विकास में घर का वातावरण भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है। जब अभिभावक बच्चों की शिक्षा में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं, तो बच्चों की सीखने की क्षमता बेहतर होती है। पैरेंटिंग कैलेंडर न केवल शैक्षणिक सहयोग को बढ़ावा देगा, बल्कि बच्चों के साथ अभिभावकों के भावनात्मक संबंध को भी मजबूत करेगा।

इसके अतिरिक्त, इस पहल से स्कूलों में अभिभावकों की भागीदारी बढ़ेगी, जिससे शिक्षा का स्तर भी सुधरेगा। जब शिक्षक और अभिभावक मिलकर बच्चों की प्रगति की निगरानी करते हैं, तो बच्चों का प्रदर्शन स्वाभाविक रूप से बेहतर होता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, जिन स्कूलों में अभिभावकों की भागीदारी अधिक होती है, वहां छात्रों के परीक्षा परिणाम 15-20 फीसदी तक बेहतर होते हैं। ऐसे में सीबीएसई की इस पहल की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। डिजिटल युग में, जहां बच्चे स्क्रीन पर अधिक समय बिताते हैं और परिवारों के बीच संवाद की खाई बढ़ती जा रही है, यह कैलेंडर न केवल संवाद बढ़ाने का काम करेगा, बल्कि एक संरचनात्मक बदलाव भी लेकर आएगा। यह कैलेंडर बच्चों की शिक्षा को केवल अंकों तक सीमित न रखते हुए उनके समग्र विकास पर केंद्रित करेगा और निःसन्देह सीबीएसई द्वारा जारी पैरेंटिंग कैलेंडर शिक्षा क्षेत्र में एक प्रभावी और सराहनीय प्रयास है। यह केवल एक प्रशासनिक दस्तावेज नहीं है, बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास और मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने वाला एक सशक्त माध्यम है। जब अभिभावक और शिक्षक मिलकर कार्य करेंगे, तो बच्चों की शिक्षा न केवल प्रभावी होगी, बल्कि वे मानसिक रूप से भी स्वस्थ रहेंगे। यह पहल शिक्षा प्रणाली में एक नए युग की शुरूआत करने की क्षमता रखती है, जहां बच्चे तनावमुक्त होकर अपने भविष्य की ओर अग्रसर हो सकते हैं।

(स्वतंत्र लेखिका एवं शोधार्थी)

(यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

फूड ड़िलीवरी : एक भारत के लिए सांस्कृतिक यात्राएं

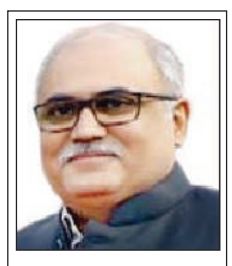

रजनीश कपूर

आज की तेज-रफ्तार दुनिया में दस मिनट फूड डिलीवरी सेवाएं क्रांति की तरह उभरी हैं। लोग अपने व्यस्त जीवन में समय बचाने के लिए इन सेवाओं पर निर्भर हो रहे हैं। स्विगी, जोमैटो, और अन्य स्टार्टअप्स ने 'हाइपर-लोकल डिलीवरी' के नाम पर भोजन को रिकॉर्ड समय में ग्राहकों तक पहुंचाने का वादा किया है। लेकिन क्या यह सुविधा वाकई इतनी लाभकारी है, जितनी दिखाई देती है? दस मिनट की फूड डिलीवरी कितनी सार्थक है? विज्ञापन की चकाचौंध भरी दुनिया में इस सेवा के ऐसे कौन से बिंदु हैं जिन्हें अनदेखा कर दिया जाता है।

जब भी कभी किसी रेस्टोरेंट पर दस मिनट की डिलीवरी का ऑर्डर आता है, तो उन पर इतना अधिक दबाव होता है कि अक्सर खाने की गुणवत्ता पर ध्यान देने की बजाय जल्दबाजी में ऑर्डर तैयार करते हैं। ताजा सामग्री का उपयोग, स्वच्छता और स्वाद को भी नजरअंदाज कर दिया जाता है। उदाहरण के लिए, एक बर्गर जो सामान्य रूप से 20 मिनट में तैयार होता है, को 10 मिनट में बनाने के लिए पहले से तैयार पैटीज या कम गुणवत्ता वाली सामग्री का इस्तेमाल किया जाता है। इससे न केवल स्वाद प्रभावित होता है, बल्कि पोषण गुण भी कम हो जाता है। दस मिनट की डिलीवरी का सबसे बड़ा नुकसान डिलीवरी कर्मचारियों को होता है। इन कर्मचारियों को असंभव समय-सीमा के भीतर ऑर्डर पहुंचाने के लिए कहा जाता है। सड़कों पर तेज रफ्तार से गाड़ी चलाने के कारण दुर्घटनाओं का जोखिम बढ़ जाता है। एक अध्ययन के अनुसार पिछले पांच वर्षों में देश में डिलीवरी कर्मचारियों की दुर्घटनाएं 30प्र. तक बढ़ी हैं। इसका एक बड़ा कारण 'हाइपर-फास्ट डिलीवरी' मॉडल है। इसके अलावा, ये कर्मचारी अक्सर कम वेतन, बिना किसी स्वास्थ्य/दुर्घटना बीमा के और अनिश्चित नौकरी की स्थिति में काम करते हैं। उनकी मानसिक-शारीरिक सेहत पर इसका गहरा प्रभाव पड़ता है। तेज डिलीवरी का पर्यावरण पर भी गंभीर असर पड़ता है। डिलीवरी वाहनों की संख्या बढ़ने से कार्बन उत्सर्जन बढ़ रहा है। दस मिनट में डिलीवरी के लिए छोटे-छोटे ऑर्डर अलग-अलग वाहनों से पहुंचाए जाते हैं जिससे ईंधन की बबार्दी होती है। पैकेजिंग में उपयोग होने वाला प्लास्टिक और डिस्पोजेबल कंटेनर भी पर्यावरण को नुकसान पहुंचाते हैं। एक अनुमान के अनुसार, भारत में फूड डिलीवरी उद्योग हर साल लाखों टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न करता है, जिसका बड़ा हिस्सा रिसाइकिल नहीं हो पाता। दस मिनट में डिलीवरी मॉडल इस समस्या को और बढ़ाता है, क्योंकि जल्दबाजी में पर्यावरण-अनुकूल पैकेजिंग पर ध्यान नहीं दिया जाता।

यह डिलीवरी मॉडल बड़े डिलीवरी प्लेटफॉर्म्स द्वारा संचालित होता है, जो रेस्तरांओं से भारी कमीशन वसूलते हैं। छोटे और स्थानीय रेस्तरां, जो पहले से ही कम मार्जिन पर काम करते हैं, इस दबाव को झेल नहीं पाते। कई बार उन्हें अपनी कीमतें बढ़ानी पड़ती हैं, या गुणवत्ता से समझौता करना पड़ता है। परिणामस्वरूप कई छोटे रेस्तरां बंद हो रहे हैं, और बाजार पर बड़े खिलाड़ियों का दबदबा बढ़ रहा है। यह न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है, बल्कि ग्राहकों के लिए विकल्पों की विविधता को भी कम करता है। फास्ट फूड और प्रोसेस्ड भोजन, जो जल्दी तैयार हो जाता है, इस मॉडल में सबसे ज्यादा लोकप्रिय है। इसका दीर्घकालिक प्रभाव लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ता है, जिसमें मोटापा, मधुमेह, और श्दय रोग जैसी समस्याएं शामिल हैं।

दस मिनट में डिलीवरी पूरी तरह से तकनीक पर निर्भर है। ग्राहकों को बार-बार ऐप का उपयोग करना पड़ता है, जिससे उनकी निजी जानकारी पता, फोन नंबर और भुगतान विवरण आदि इन प्लेटफॉर्म्स के पास जमा हो जाती है। डेटा उल्लंघन की घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं, और यह जोखिम बना रहता है। भारत में खाना पेट भरने भर का साधन नहीं है; यह सामाजिक-सांस्कृतिक अनुभव भी है। परिवारों का एक साथ खाना बनाना-खाना सामुदायिकता को बढ़ावा देता है। दस मिनट में डिलीवरी इस अनुभव को कमजोर कर रही है। लोग अब रेस्तरां में जाकर खाने की बजाय घर से ऑर्डर करना पसंद करते हैं, जिससे सामाजिक मेलजोल कम हो रहा है।

स्थानीय व्यंजनों की जगह फास्ट फूड चेन का प्रभुत्व

बढ़ रहा है, जो सांस्कृतिक विविधता के लिए हानिकारक है। बेशक, दस मिनट की डिलीवरी रोजगार सृजन करती है, लेकिन आर्थिक असमानता को भी बढ़ावा देती है। यह मॉडल खाद्य गुणवत्ता से लेकर पर्यावरण, डिलीवरी कर्मचारियों की सुरक्षा से लेकर स्थानीय अर्थव्यवस्था तक, कई क्षेत्रों पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। हमें सोचना होगा कि क्या हमें वाकई हर चीज इतनी जल्दी चाहिए या हम थोड़ा धीमा चल कर स्वस्थ और संतुलित जीवनशैली चुन सकते हैं। सरकार, कंपनियों, और ग्राहकों को मिल कर इस मॉडल को और जिम्मेदाराना बनाने की दिशा में काम करना होगा। स्थायी और नैतिक डिलीवरी प्रथाओं को अपना कर हम सुविधा और जिम्मेदारी का संतुलन बना सकते हैं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Romulus, Remus, Khaleesi & ethics of resurrection

In a scene seemingly ripped from science fiction — or the Game of Thrones — three genetically engineered wolves named Romulus, Remus and Khaleesi were on Tuesday unveiled to the world. These are no ordinary wolves. Developed by biotech firm Colossal Biosciences, they were created by modifying the DNA of modern grey wolves using ancient genes from the long-extinct dire wolf.The trio marks a stunning scientific milestone: the world's first proxy dire wolves to walk the Earth in 12,000 years. Their creation has triggered awe, excitement and — quite rightly — a flurry of ethical debate. Are we correcting past wrongs or rewriting nature's scripts for our own narrative satisfaction?Romulus, Remus and Khaleesi are just the latest chapter in a broader movement to reverse extinction through genetic engineering. A few years ago, the birth of Elizabeth Ann, a cloned black-footed ferret, showed that viable offspring could be created using the DNA of animals long dead. Now, efforts are underway to revive the woolly mammoth, the dodo and the thylacine (Tasmanian tiger) — all spearheaded by firms like Colossal Biosciences, which touts itself as a leader in 'de-extinction technology'.Such developments captivate the imagination. Who wouldn't want to see a mammoth thunder across the tundra again or hear the howl of a dire wolf echo through the forest? But as the boundary between fiction and fact dissolves, so too must our complacency. We must ask whether we should bring back extinct animals.

Supporters argue that de-extinction serves a dual ethical purpose: reparation and restoration. Many species, like the thylacine and passenger pigeon, were wiped out due to human actions — hunting, deforestation, pollution.Reviving them, then, becomes a form of moral compensation for centuries of ecological damage.There's also the ecological case. De-extinct species might help restore lost functions in degraded ecosystems. A reintroduced mammoth, for instance, could help maintain Arctic grasslands and even slow permafrost melt. Proxy dire wolves, in theory, could balance predator-prey dynamics in landscapes where such roles are now unfilled.

But good intentions don't always lead to good outcomes — and in the realm of bioengineering, evenwell-meaning experiments can spiral into ethicalRomulus, Remus and Khaleesi may look like dire wolves. But are they really? These are not natural-born descendants of a lost species, but genetically sculpted hybrids — animals that mimic their extinct ancestors in form, not in origin. Colossal calls this a "functional de-extinction" even as some scientists are of the view that millions of years of evolution can't be replicated with just 20 genes.Their creation raises uncomfortable questions: Are these beings life forms with intrinsic value or biological trophies born of ambition and nostalgia? Could they face behavioural mismatches, unexpected health risks or ecological anomalies? Might they eventually become Frankenstein-like organisms?

There's another danger here: the transformation of life into spectacle. When we engineer creatures to resemble the beasts of prehistoric fantasy, are we commodifying nature? Is Khaleesi a symbol of ecological redemption or a living theme park attraction?Colossal Biosciences, backed by venture capital and slick marketing, promotes its work with the enthusiasm of a tech startup. One must ask: Is this science, environmental justice, or Jurassic Park-style entertainment? As the lines blur, so does our understanding of what ethical science should look like.Even if we assume noble motives, there are practical concerns. Habitats have changed. Ecosystems have moved on. The Arctic that the mammoth once roamed is not the Arctic of today. The grasslands where the dire wolf once hunted are now roads, cities and cattle farms.

America's great unravelling begins at home and abroad

The three-week irrigation embargo not only saved water in the most crucial hot, dry, pre-monsoon phase (June) but also ensured minimal leaching of nutrients.

It has been only two and a half months since Donald Trump returned to the White House, but the world has already fundamentally changed.Trump is rapidly undermining US trade relations and the global system of free trade that the United States helped establish after 1945. His bid to "liberate" the US economy with escalating tariffs represents an essential change from the more modest trade-war tactics deployed during his first term. According to the Yale Budget Lab, the average US tariff rate is now at its highest level since 1909.Trump is also casting doubt on America's longstanding alliances, not least the North Atlantic Treaty Organisation (NATO) and the security guarantees that it represents.

In late February, he publicly humiliated Volodymyr Zelenskyy in the Oval Office, then showed the Ukrainian President the door. Since then, the US support for Ukraine has effectively ended, giving Russian President Vladimir Putin a stronger hand than he has had in years. Trump has made no effort to hide the fact that his sympathies lie with Russia, the aggressor, rather than with Ukraine, the beleaguered democracy that has been fighting for its freedom and sovereignty.Trump has also suggested that the US should take control of Gaza, expel its population to other Arab states and turn the enclave into a resort. And he continues to talk about annexing Canada, Greenland and the Panama Canal. Apparently, it is not enough for the US to control most of the western hemisphere; Trump wants to own it, too.While everyone expected turmoil, few anticipated brazen imperialism. Pundits and commentators have long interpreted "America First" as a revival of the isolationist movement that was active before World War II, but Trump seems to have something else in mind. He wants a world where a handful of global superpowers compete — violently if necessary — for resources, raw materials and spheres of influence.

On the home front, he has allowed the world's richest man, Elon Musk — the vanguard leader of a Silicon Valley-based techno-fascist movement — to gut the American state under the guise of cost-cutting, elimination of waste and fraud and deregulation. The mass firings and demolition of entire agencies will have lasting consequences, which are painful to consider.The gutting of United States Agency for International Development (USAID) alone may result in hundreds of thousands of deaths in Africa and other vulnerable regions of the world.

Faced with such cruel, wanton destruction, one must ask the essential question: What does any of this actually do for the US? Will it make the country stronger? If we evaluate the administration's decisions strictly in light of America's own interests — maintaining its global power and influence — the only possible answer is no. Trump's policies, both foreign and domestic, increasingly seem to be geared toward weakening America — or even toward its self-destruction.After all, the US gains nothing from hostility toward Europe. By alienating its allies, it is destroying one of the main pillars of its superpower status.For decades, "the West" — an unrivalled geopolitical framework of military alliances and trade relationships — served as a force multiplier for US power and influence. It is why America handily won the cold war and grew stronger than any power in history.Who benefits from throwing all that away? Only Russia and China, which have been quietly watching and waiting as America commits suicide.We can already say that there will be no return to the previous international order. Trump has destroyed trust in the US for at least a generation. American commitments are no longer credible.The country's institutions — including major media outlets, universities and law firms — are crumbling before our eyes. The US will still enjoy a unique geographical position between the Atlantic and the Pacific, but the rest of the world will know that Trumpism has become an enduring feature of its politics.The disappearance of "the West" and the collapse of American leadership (and democracy) will dramatically alter world politics in the twenty-first century.Order will give way to chaos and the risk of war will increase as rival superpowers jockey for position. American society itself will remain polarised, consumed by irrationalism and prone to conspiracy theories.In his 1935 novel It Can't Happen Here, Sinclair Lewis imagines the rise of a dictator to mirror the Fascist and Nazi regimes in Europe.

Now, 90 years later, his dystopia is materialising. Like Goethe following the Battle of Valmy in 1792, when the Prussian army retreated before the French revolutionary forces, we are witnessing the start of a new era in world history.

Rana's extradition

Chance for India to corner Pak over 26/11

Mumbai terror attack accused Tahawwur Rana's imminent extradition from the US is a defining moment in India's war against cross-border terrorism. It comes nearly two months after US President Donald Trump, during a joint press conference with PM Narendra Modi at the White House, announced his administration's nod to sending the "very evil" Rana "to face justice in India". The onus will now be on India's probe agencies to make him specify the role of Pakistani state actors in the attacks that claimed 166 lives in November 2008 — arguably the most audacious act of terrorism on Indian soil.

Rana's interrogation is of vital importance as he had links not only with the internationally banned Lashkar-e-Taiba (LeT) but also with Pakistan's spy agency ISI. The chargesheet against Ajmal Kasab, the lone surviving 26/11 terrorist (he was executed in 2012), clearly mentioned that the Mumbai strikes were plotted in Pakistan by the LeT. Kasab and his partners remained in contact with their handlers and co-

conspirators through satellite phones while they went on the rampage in India's financial capital. Former Pakistani Ambassador to the US Husain Haqqani had left no room for doubt about the deep state's role when he claimed in his 2016 book that shortly after the carnage, then ISI chief Gen Shuja Pasha admitted that the planners of the 26/11 attacks were "our people" but it wasn't "our operation". It is apparent that the plotters had the backing and blessing of the Pakistan Army, but will Rana say it in so many words and also name the big fish?The chickens have come home to roost in Pakistan, which is itself being scorched by terrorism. However, despite repeated warnings by New Delhi and Washington about not letting its territory be used to plot cross-border terror attacks, Pakistan is persisting with its misadventures — in line with its policy to bleed India with a "thousand cuts". India's efforts to shame Pakistan globally over state-sponsored terrorism will get a huge fillip if the investigators can build an airtight case against Rana and make him come up with startling revelations.

India's AI push faces linguistic hurdle

The digital divide persists for many speakers of Indian languages, resulting in skewed datasets

Hindi, Bengali, Urdu, Marathi, Telugu and Tamil are among the top 20 languages of the world, going by the number of speakers. Yet there are no robust Indian-language artificial language (AI) tools around. Where and why are we lagging behind?First things first: What is the large language model (LLM)? An LLM (similar to ChatGPT) is a super-smart AI taught by 'reading' billions of books, papers and webpages to converse, write and answer questions nearly like a human! It is similar to a 'text-predicting robot' that uses enormous Internet data to chat, summarise or code.Now, the second essential question: how does the LLM 'learn' a language? Think of an LLM as a master chef. To become an expert, a chef must have years of practice cooking thousands of dishes from many cultures, employing hundreds of species and condiments. Similarly, an LLM must 'read' vast quantities of material to understand language. 'Massive' is a vital term. If we have a tiny training dataset, it is much like a home cook with only the capacity to follow a few recipes. Such AI stumbles on unfamiliar topics. A large corpus with diverse topics and themes is like a globe-trotting chef trained in global cuisines. AI then becomes adept at answering a wide range of questions. A chef taught to make 10 banal meals versus one trained on 10,000 sophisticated recipes illustrates how LLMs' efficacy scales up with data. Big data is the 'new oil': More text equals better understanding and fewer errors. That is why digital behemoths like Google and OpenAI train on trillions of words: it is the only way to make AI seem human. Therein is the difficulty for Indian languages.Imagine a cookbook written in Indus script. However exquisite the cuisine encoded in the book is, it is worthless because we do not know how to read it. Indian languages confront a similar issue.

In the early digital age, several actors designed distinct typefaces, encoding software and keyboard layouts. The same alphabet had several glyphs in different typefaces, and at times, there was visual ambiguity due to badly designed fonts. Adding fuel to the fire, many Indian-language digital developers also came out with different keyboard layouts. All these make it hard to harvest the early digital data, severely limiting the availability of training datasets in Indian languages.Dialect differences (Bhojpuri vs Hindi, Dakhini vs Urdu) and the frequent blending of English and regional languages (e.g., Hinglish, Tanglish) exacerbate the problem.

LLMs are similar to Google's autocomplete in creating plausible-sounding text every time. As a result, LLMs can be like a 'know-it-all friend' who would rather bluff than admit they are clueless. Fun for stories but perilous for facts. If you ask, "When did India land on Mars?" you would most certainly be given a date/year such as 2035 or September 24, 2014 (when Mangalyaan entered Mars' orbit). LLMs are taught to predict the next word — not to judge truthfulness. In AI terminology, LLMs are more likely to 'hallucinate' and create false or manufactured information when training data is limited, low-quality or unrepresentative.

Typically, most data in Indian languages comes from news or government sources, which lack diversity. Very little healthcare, legal or casual discourse is available. Even now, the digital divide exists, and many speakers of Indian languages are not online, resulting in skewed datasets and biased representation. With minimal digital oversight, the possibility of misrepresentation, such as creating fake material, is quite significant. The solution for Indian languages involves a larger dataset, local grounding and human-AI collaboration.

Indian languages are highly inflectional, with complicated verb conjugations, noun cases and agglutination. Agglutinative grammar (e.g., large compound phrases) splits into long, nonsensical subwords, making tokenisation — a critical technology need — problematic.

As the training dataset is limited, existing LLMs such as ChatGPT are employed to develop the Indian-language LLM as a workaround. Because English makes up more than 60 per cent of the training data, hybrid models may fail to grasp linguistic nuances.

Outside of the Western world, China, Korea and Japan dominate the Asian area. They avoided typeface issues in Indian languages by implementing top-down standardisation and script consistency early. The Chinese government required and enforced GB18030 (which is backwards-compatible with Unicode), forcing worldwide software marketplaces to embrace Chinese Unicode early (Windows 2000 and later included Chinese Unicode). In addition, following the US CLOUD Act, 2018, China secured data generated on its soil, granting it data sovereignty. The locally stored corpus became a valuable advantage for Chinese Big 5 Baidu, Alibaba, Tencent, Huawei and ByteDance in creating Chinese LLMs. It is stated that Baidu's Ernie 4.0 competes with GPT-4 in Chinese tasks but is unseen in the West.Not everyone responded or could respond the same way as China; nonetheless, nations like South Korea created competing LLMs (Naver's HyperCLOVA and LG's Exaone) despite the lack of tight data sovereignty regulations or severely controlled data flows.Korean LLMs employ global datasets (e.g., CommonCrawl, Wikipedia) for broad knowledge and localised Korean data (Naver searches, Kakao conversations, K-pop subtitles) for linguistic and cultural subtlety, prioritising niche applications where it could excel, such as AI-generated subtitles, fan interactions for K-pop/K-drama, Korean-English translation (which outperforms GPT-4) and enterprise automation, such as LG's Exaone.When China built the 'Great Wall' around its data, Korea succeeded in AI, like K-pop, by mixing global trends with local flair. India's desi approach — AI4Bharat's IndicBERT (IIT Madras), the Government of India's Bhashini, translation-focused LLMs, Sarvam AI's OpenHathi, Google's MuRIL and Microsoft's Shiksha — are silver linings on the horizon.

While some projects rely on crowdsourced datasets, others employ unique strategies, such as fine-tuning global models like LLaMA-2 for Indian languages using Transfer Learning.Like Korea, India's domestic demand for AI is low, necessitating significant government backing. US President Trump has promised $500-billion investment in AI. Beijing intends to invest $1.4 trillion over the next 15 years as it battles with Washington for supremacy.

TCS shares fall after disappointing Q4. Check latest price targets

NEW DELHI. Tata Consultancy Services (TCS) kicked off the Q4 earnings season with a mixed bag, one that left investors parsing through numbers for cues on what lies ahead.The stock opened weak on Friday, slipping nearly 1% before recovering slightly, aided by a strong broader market. By 10:19 am, it was trading marginally lower at Rs 3,239.50 on the Bombay Stock Exchange.Revenue from operations rose 5.3% year-on-year to Rs 64,479 crore, slightly below estimates, while net profit declined 1.7% to Rs 12,224 crore, falling short of the Street's expectations of Rs 12,650 crore.

Constant currency revenue contracted 0.8% sequentially, a tad worse than anticipated.

Despite the muted financials, TCS did deliver a bright spot in deal momentum. The IT major reported total contract wins worth $12.2 billion, well above projections.

BROKERAGES ON TCS Q4

For some brokerages, that was enough to look past the short-term blips. Most analysts have retained their 'Buy' calls on the stock but trimmed their targets.Nuvama noted that while the revenue miss was largely due to the BSNL ramp-down, the company's strong order book and optimistic management commentary suggest a pickup from the second half of FY26.It sees value at current levels, with the stock trading at 21x FY27 earnings—below its historical average.

Centrum Broking also maintained a positive stance, albeit with a lowered target of Rs 4,211, citing margin tailwinds and robust GenAI-related deal activity.Choice Broking also expressed optimism, even as it cut its target to Rs 3,950, cautioning that macro uncertainty could continue to weigh on client spending.Nomura took a more measured view, cutting its price target to Rs 3,490 and highlighting the lack of near-term visibility.

On the other hand, Antique Stock Broking upgraded the stock to 'Buy', noting the 30% correction from its peak and arguing that current valuations already factor in the near-term weakness.While the market reaction was subdued, the broader analyst consensus suggests that TCS remains well-placed over the medium term.A lot will depend on how global tech spending shapes up in FY26, but with a solid pipeline and a defensive balance sheet, the company appears to be entering this uncertain phase from a position of relative strength.

Asian shares sink, with Japan's Nikkei down 5.6 per cent as China-US trade war escalates

BANGKOK. Asian shares sank Friday after U.S. stocks gave up much of their historic gains from the day before.The deepening worries over President Donald Trump' s trade war initially helped pull Japan's Nikkei 225 share index down 5.6 percent. By mid-morning in Tokyo, it was down 4.7 per cent at 32,969.95.The yen surged against the U.S. dollar, which also lost value against the euro.

One dollar bought 143.48 Japanese yen, down from about 146 yen a day earlier. The euro rose to $1.1305 from $1.1195.South Korea's Kospi fell 1.6 per cent to 2,400.34, while in Australia, the S&P/ASX 200 shed 2.1 per cent to 7,552.10.

Investors are viewing Trump's decision to view a 90 day delay on higher tariffs for most countries as a ploy, not a pivot, Stephen Innes of SPI Asset Management said in a commentary.

"That's the market hitting the brakes, hard. The sugar high from Trump's tariff pause is fading fast, and Asia's about to feel the comedown. The champagne's flat, the party's over, and the tape is twitching," he wrote.On Thursday, the S&P 500 tumbled 3.5 per cent , slicing into Wednesday's surge of 9.5 per cent following Trump's decision to pause many of his tariffs worldwide. The Dow Jones Industrial Average dropped 1,014 points, or 2.5%, and the Nasdaq composite tumbled 4.3%.

GreenLine raises USD 275 million in equity investment

MUMBAI. GreenLine Mobility Solutions, the Essar group venture that operates LNG and electric-powered heavy commercial trucks, announced a USD 275 million equity investment, which will be used to deploy over 10,000 LNG and EV trucks as well as set up 100 LNG refuelling stations and EV charging points.The investment also includes a USD 20 million investment from Nikhil Kamath, co-founder of Zerodha and True Beacon.

Anshuman Ruia, Director at Essar, said that they see this as an opportunity to not only build the green mobility ecosystem but also, in the future, invest in clean energy sources to power our electric trucks. Anand Mimani, CEO of GreenLine Mobility Solutions Ltd. said that this investment brings them closer to their vision of transforming India's road logistics sector.

According to GreenLine, their LNG-powered trucks reduce carbon dioxide emissions by up to 30%, making them a trusted partner for corporates aiming to achieve their sustainability goals. GreenLine's clients include UltraTech Cement, Hindustan Zinc, Saint-Gobain, JSW Steel, Castrol, among other large corporates.The company's current fleet of over 650 LNG trucks serves marquee companies across industries such as FMCG & e-commerce, metals and mining, cement, oil & gas, and chemicals. The fleet has already covered over 38 million kilometres, reducing CO2 emissions by 10,000 tonnes, said the company in a statement.Kamath said that backing GreenLine is a bet on the future where sustainability and efficiency go hand in hand. More companies need to take the leap, adopt green tech, and rethink how we move goods at scale. This shift is happening—with or without you, he added.

Wall Street crashes, Dalal Street rallies: 5 things investors should know

Stock market today: Dalal Street's leading indices rallied sharply, defying a global sell-off sparked by Wall Street's overnight crash. Here are the key factors behind today's stock market rally.

NEW DELHI. It was a tale of two markets. While Wall Street bled red overnight, shaken by fresh fears of a US-China trade war, Dalal Street stood tall. The mood in Mumbai was strikingly upbeat, even as global markets crumbled under the weight of investor panic.The Dow, S&P 500 and Nasdaq have all plunged sharply, giving up recent gains that followed US President Donald Trump's temporary 90-day tariff pause for most countries (except China). The rally proved short-lived. As traders digested the fine print, reality hit hard: this wasn't a truce — it was a timeout. And China, still firmly in the crosshairs, loomed large.Asian markets reeled. Japan's Nikkei and Hong Kong's Hang Seng saw steep losses. However, India's benchmark indices bucked the trend. Sensex and Nifty stayed firm, powered by a mix of local factors and global repositioning.

So what explains this rare moment of calm in an otherwise stormy world? Here's what worked in Dalal Street's favour:

DELAYED IMPACT

Markets in India were shut on Thursday for Mahavir Jayanti. That gave investors a full day to absorb the news of the 90-day tariff break and plan accordingly. By the time markets reopened Friday morning, global equities had already taken a beating, but Indian stocks were still playing catch-up with the earlier positive cues.

90-DAY TARIFF TIMEOUT

With China facing steep tariffs of up to 145%, Indian exporters are suddenly seeing a glimmer of hope. Government officials are said to be working on a trade deal with the US during this 90-day window, and that anticipation is already boosting sentiment. The thinking is simple: if India can strike a favourable

deal, it could open doors for a wide range of sectors.

INDIA TO GAIN FROM US-CHINA TRADE WAR?

There's a broader narrative at play here. As tensions between Washington and Beijing escalate, global companies are looking to diversify away from China. That plays straight into India's hands. Whether it's chip manufacturing or consumer electronics, India is positioning itself as a credible alternative.

RBI'S RATE CUT

Earlier this week, the Reserve Bank of India cut the repo rate to boost liquidity and support consumption. That's a direct tailwind for rate-sensitive sectors like autos, FMCG, and real estate. Despite flagging concerns about slowing growth, the central bank's move has added a dose of confidence.

Q4 EARNINGS HOPE

There's growing belief that fourth-quarter results could look better than the tepid third quarter, especially for large-cap companies. That expectation is providing an additional cushion for investors who are otherwise on edge.

SHOULD INVESTORS CHASE THE RALLY?

Probably not in a hurry. Most analysts are urging caution. Volatility is here to stay, and any escalation in the US-China standoff could trigger another round of global jitters.

Mutual fund inflows fall for March by Rs 4,221 crore, shows AMFI data

NEW DELHI. Mutual fund inflows declined sharply in March 2025, with investors turning cautious as stock markets stayed volatile due to global uncertainty. According to data released by the Association of Mutual Funds in India (AMFI) on Friday, equity mutual fund inflows dropped by Rs 4,221 crore in March, falling to Rs 25,082 crore from Rs 29,303 crore in February 2025.

This fall comes at a time when the stock markets have seen large swings, driven by international trade tensions, rising interest rates in major economies, and concerns around economic growth across the globe. Many investors appear to have chosen to hold back fresh investments, waiting for the situation to stabilise.Despite the fall in

fresh investments, the total equity Assets Under Management (AUM) rose to Rs 29.5 lakh crore in March, compared to Rs 27.4 lakh crore in February. This growth was largely driven by gains in the stock market and the impact of Systematic Investment Plans (SIPs), which continued to bring in steady money.

Overall, the mutual fund industry's total AUM stood at Rs 65.7 lakh crore in

Equity mutual fund inflows dropped by Rs 4,221 crore in March, falling to Rs 25,082 crore from Rs 29,303 crore in February 2025, as per data released by the Association of Mutual Funds in India (AMFI).

March, higher than Rs 64.5 lakh crore in the previous month, the AMFI data showed.The report further showed that the total outflow from mutual funds in March stood at Rs 1.63 lakh crore, while total inflows were at Rs 40,063 crore. The large outflows were mainly seen in debt and liquid funds, as many corporates and institutions withdrew funds towards the end of the financial year.

Sensex jumps 1,400 points: 3 things to know about Dalal Street rally

NEW DELHI. Benchmark stock indices surged sharply during early trade on Friday, as investors responded with renewed optimism to US President Donald Trump's 90-day tariff timeout.

At 9:43 am, the S&P BSE Sensex had leapt 1,415.25 points to 75,262.40, while the NSE Nifty50 rallied 465.90 points to 22,865.05.The upbeat mood wasn't limited to frontline indices—broader market segments, including small-cap and mid-cap stocks, also logged impressive gains as volatility receded and risk appetite improved.Here are three key takeaways for retail investors tracking today's rally on Dalal Street:

MARKET CHEERS TARIFF TIMEOUT

President Donald Trump's decision to suspend most new tariffs for 90 days—China being the notable exception—provided a much-needed breather for global markets. For India, which has so far remained on the periphery of the US-China trade escalation, this move has been viewed as a constructive development.But market experts are already reading between the lines."Bond markets didn't respond with safe-haven buying—yields actually spiked," noted

Dr VK Vijayakumar, Chief Investment Strategist Geojit Investments Limited. "This wasn't a voluntary rollback. Bond vigilantes forced Trump's hand."

With the dollar index slipping and US 10-year bond yields hovering near 4.46%, there's still no clear sign that geopolitical tensions have abated in any meaningful way.

VOLATILITY STILL IN DANGER ZONE

Despite the initial euphoria, seasoned voices on Dalal Street are advising against excessive optimism."Volatility is likely to remain the dominant theme," said Anand James, Chief Market Strategist at Geojit. According to him, the market needs to decisively cross key resistance levels—particularly 23,140 on the Nifty—or at least sustain above 22,850 to keep bullish momentum intact."Weakness may resurface if the Nifty drops below 22,350, although a fall below 22,160 is less likely," he added.With global cues still in flux and domestic investors processing a backlog of mid-week developments, intraday swings are likely to persist through the day.

WHAT TO EXPECT NEXT ON DALAL STREET?

While Friday's rally has injected some confidence into the market, experts remain wary of declaring the beginning of a new uptrend. The overarching message? Stay optimistic, but don't let your guard down."There is no room for a sustained rally in the market in the present uncertain context.

Mutual fund inflows hit in March. Trump tariffs to blame

New Delhi. Mutual fund inflows in India fell sharply in March 2025, with investor sentiment affected by market volatility and fresh concerns over US trade tariffs. According to new data released by the Association of Mutual Funds in India (AMFI) on Friday, net equity inflows dropped by 14% to Rs 25,082 crore in March, down from Rs 29,303 crore in February.

The broader mutual fund industry also saw a sharp reversal in flows. In March, the industry witnessed an overall outflow of Rs 1.64 lakh crore, compared to a net inflow of Rs 40,076 crore in February.

The largest outflows were seen in debt mutual funds, where investors pulled out Rs 2.02 lakh crore, possibly due to end-of-year financial needs by institutions and ongoing global uncertainty.

TARIFF IMPACT ON MUTUAL FUNDS?

Market experts say the sharp drop in inflows was not unexpected. Concerns over the US tariff decisions announced by President Donald Trump led to global uncertainty. These decisions affected investor mood across markets, including India.

Kranthi Bathini, Director – Equity Strategy at WealthMills Securities Pvt Ltd, said, "Because of the last two months of volatility in the market, some retail investors have been cancelling their SIPs and fresh investments have slowed down. It seems to be a temporary slowdown, but we need to watch the trend over the next few months."

He added, "The Trump tariffs had a sentimental impact in the short to medium term. The exit of foreign portfolio investors (FPIs) from India has also added to the market downtrend. April and May will be important to see how inflows shape up."

CATEGORY-WISE TRENDS

Despite the decline in overall equity inflows, all 11 equity mutual fund categories still received positive inflows in March. Flexi-cap funds topped the list, with Rs 5,615 crore inflows, up from Rs 5,104 crore in February. Small-cap funds followed with Rs 4,092 crore, while mid-cap funds saw Rs 3,438 crore, slightly up from Rs 3,406 crore in February.However, sectoral and thematic funds saw a sharp drop in investor interest, with inflows falling by 97% month-on-month. These funds received just Rs 170 crore in March, compared to Rs 5,711 crore in February. Dividend yield funds saw the lowest inflow at Rs 140.51 crore.Large-cap funds were among the few equity categories that saw a fall in inflows. They dropped 13% month-on-month, with March inflows at Rs 2,866 crore.The biggest concern for the industry came from debt mutual funds, which saw a net outflow of Rs 2.02 lakh crore in March. Liquid funds alone recorded an outflow of Rs 1.33 lakh crore, while overnight funds saw a withdrawal of Rs 30,015 crore. Credit risk funds and gilt funds with 10-year constant duration had smaller outflows at Rs 294 crore and Rs 101 crore, respectively.

US egg prices increase to record high, dashing hopes of cheap eggs by Easter

The increase reported Thursday in the Consumer Price Index means consumers and businesses that rely on eggs might not get much immediate relief.

NEW DELHI. U.S. egg prices increased again last month to reach a new record-high of $6.23 per dozen despite President Donald Trump's predictions, a drop in wholesale prices and no egg farms having bird flu outbreaks.The increase reported Thursday in the Consumer Price Index means consumers and businesses that rely on eggs might not get much immediate relief. Demand for eggs is typically elevated until after Easter, which falls on April 20.Industry experts were expecting the index to reflect a drop in retail egg prices because wholesale egg prices fell significantly in March. University of Arkansas agricultural economist Jada Thompson said the wholesale prices did not start dropping until mid-March, so there may not have been enough time for the average price for the month to decline. And grocery stores may not have immediately passed on the lower prices.

The bird flu effect

Bird flu outbreaks were cited as the major cause of price spikes in January and February after more than 30 million egg-laying chickens were killed to prevent the spread of the disease. Only 2.1 million birds were slaughtered in March and none of them were on egg farms.Egg prices hit $5.90 in February one month after setting a record at $4.95 per dozen, according to the U.S. Bureau of Labor Statistics.The farms that had fall outbreaks have been working to resume egg production after sanitizing their barns and raising new flocks, but chickens must be about six months old before they start laying eggs. Thompson said those farms did not come back online as quickly as anticipated.In the latest U.S. Department of Agriculture numbers, there were only about 285 million hens laying eggs nationwide as of March 1, Before the outbreak, the flock typically numbered more than 315 million.Since the current bird flu outbreak began, more than 168 million birds have been slaughtered, most of them egg-laying chickens. Any time a bird gets sick, the entire flock is killed to help keep bird flu from spreading. That can have an

effect on the egg supply because massive egg farms may have millions of birds.

Egg price politics

Trump tried to take credit for the lower wholesale egg prices the USDA reported in recent weeks."The egg prices they were going through the sky. And you did a fantastic job," Trump said to Agriculture Secretary Brooke Rollins before he announced the details of his tariffs at the White House last week. "Now we have lots of eggs and they are much cheaper now."But experts say the president's plan to fight bird flu by focusing on strengthening egg farmers' defenses against the virus is likely to be more of a long-term help.The Agriculture Department tried to find egg imports to add to the supply and nearly 4 million dozens of eggs were brought into the country in February. But egg traders saw an opportunity with the high prices and 7.6 million dozens were exported. Numbers for March were not yet available."I think there are lots of people who are looking to see the egg prices coming down because they wanted to call it a win. And I think it's a loss for everybody. I think we all want to see egg prices come down," Thompson said.

Rollins on Thursday suggested the rise in egg prices is temporary. She pointed to the overall consumer price index showing a slight dip in prices for goods and services across the U.S. economy in March and suggested egg prices will soon follow."We're also moving into the Super Bowl of eggs, which is Easter," Rollins said. "So from the beginning, I've said this is sort of the high price for retail for eggs.

First images of Tahawwur Rana, in chains, being handed over to NIA team in US

The visuals show Tahawwur Rana, in chains, being escorted by US Marshals in what seems like an Army airbase. The 26/11 attacks plotter was extradited to India on Thursday.

New Delhi. has accessed exclusive images of US Marshals in California transferring the custody of 26/11 Mumbai terror attacks plotter Tahawwur Hussain Rana to the NIA team and representatives from the Ministry of External Affairs (MEA). The visuals show the 64-year-old terror suspect, in chains, being escorted by US Marshals in what seems like an Army airbase.

Rana, a Canadian national of Pakistani origin, arrived in Delhi on Thursday following his extradition from the US. He was arrested by the NIA upon his arrival and was sent to the agency's custody for 18 days by a special court. Visuals from the Palam airport showed Rana, with white hair and a flowing beard, dressed in brown overalls.

Rana, who served in the Pakistan army before moving to Canada in the late 1990s, provided logistical and financial support to Lashkar-e-Taiba scout David Coleman Headley via his immigration consultancy business.

Headley recced the targets in Mumbai over two years before 10 LeT terrorists went on a rampage in the city on November 26, 2008, killing 166 people.

He has been charged with criminal conspiracy, waging war against India, and offences under the Unlawful Activities (Prevention) Act.

In NIA custody, Rana will be questioned to ascertain the role of Pakistani state actors behind the Mumbai attacks and find missing pieces in the 26/11 jigsaw puzzle. The NIA questioning will focus on three aspects: the plot, Rana's Lashkar-e-Taiba links, and the involvement of Pakistani spy agency ISI.

Rana's interrogation will be conducted by a 12-member NIA team led by DIG Jaya Roy, who played a prominent role in securing Rana's extradition from the US.

Presently, Rana is being held in a high-security cell at the NIA headquarters and is being monitored by CCTV cameras around the clock. Food and other provisions are being arranged within the cell. After the remand period, Rana will likely be lodged at Delhi's Tihar Jail.

Dehli government to install 1K sprinklers to combat year-round pollution

NEW DELHI. In a bid to tackle air pollution throughout the year, the Delhi government has announced a new initiative to install 1,000 water sprinklers on streetlight poles across the city, CM Rekha Gupta said on Wednesday.

Gupta underlined that the move is part of a broader plan to suppress dust, a major contributor to the city's alarming air quality, not just in winter but throughout the year. The chief minister criticised the former Aam Aadmi Party government for limiting the operation of pollution-control devices like smog guns and sprinklers to just a few months annually.

"Earlier, water sprinklers used to function for just two months of winter. After coming to power, we have understood that air pollution is not a problem for only two months, rather it exists throughout the year," Gupta said.

The chief minister explained that even summer months bring high dust levels, which can severely impact air quality, much like the autumn and winter seasons. "In summer too, there is a lot of dust in the air and the circumstances are similar like autumn or winter," she noted. To address this, the Public Works Department (PWD) will deploy 1,000 sprinklers citywide, with four in each of the capital's 250 municipal wards. These sprinklers, mounted on streetlight poles, are expected to function year-round, particularly on the busy Ring Roads.

"So the water sprinklers and smog guns will now function throughout the year. We are planning to install water sprinklers on the streetlight poles on the Ring Roads," Gupta said, adding, "We are clear in our policies and efforts, so the results will also be clear."

The plan comes after the Bharatiya Janata Party (BJP) unseated the AAP in the February Assembly elections, winning 48 of the 70 seats. During the campaign, the BJP had repeatedly raised concerns over the city's poor air quality and held the previous regime accountable. Dust is a major source of PM2.5 and PM10 — fine and coarse particulate matter that can cause serious respiratory problems by entering the lungs and bloodstream.

PM-ABHIM: Delhi signs MoU with Centre to implement healthcare project

NEW DELHI. The Delhi government on Thursday signed a Memorandum of Understanding (MoU) with the Centre for implementation of Pradhan Mantri Ayushman Bharat Health Infrastructure Mission (PM-ABHIM) in the capital. The MoU signing event happened in the presence of Union Health Minister JP Nadda and Delhi Chief Minister Rekha Gupta who were present there with her whole cabinet.

"It is a moment of pride that 36 lakh people in Delhi will be benefitted by the AB PM-JAY scheme. 8.19 Crore people have already availed treatment under the scheme and the government has cumulatively spent a total of Rs 1.26 lakh crore for the same," Nadda said. Rekha Gupta informed that an amount of Rs 1749 Crore has been approved for the establishment of 1139 Urban Ayushman Arogya Mandirs (AAM), the strengthening of 11 Integrated Public Health Laboratories (IPHLs), and 9 Critical Care Blocks (CCBs) under PM-ABHIM during the scheme period.

She added that the health and wellness centres, now referred to as Ayushman Arogya Mandirs, that will be constructed under PM-ABHIM will provide much better facilities than the mohalla clinics that had been started in porta cabins on the side of the roads and next to drains.

"It will provide mother and child care services, immunisation, elder care, and treatment for several non-communicable diseases. The integrated labs, one in each district, will ensure that people can get their tests done quickly. And, critical care blocks will be started in prominent Delhi hospitals, which will get new ICUs and OTs under the mission," said Gupta. In the event, the Health Minister and other dignitaries also distributed Ayushman cards to 30 beneficiaries of AB PM-JAY in Delhi.

Ambedkar University students launch indefinite hunger strike

NEW DELHI. Over a month after three students from Ambedkar University Delhi(AUD) were suspended for speaking out against a ragging incident that allegedly led a fellow student to attempt suicide, students on campus launched an indefinite hunger strike on Thursday. Protesting students said their peaceful demonstrations over the past month were met with administrative repression. "Campus gates have been sealed, barricades erected, and heavy security deployed to suppress student mobilisation. The administration has even issued notices banning protests near the admin block, effectively curtailing our fundamental rights to free assembly and expression on campus," said one of the students. The students are demanding the immediate revocation of suspensions, withdrawal of the undemocratic notice restricting campus protests, reopening of all campus gates.

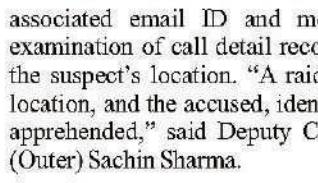

27-year-old arrested for making fake social media profile impersonating woman

NEW DELHI. A 27-year-old man has been arrested for allegedly creating a fake social media profile of a woman and uploading objectionable images, police said on Thursday. According to officials, a complaint was lodged on March 11 in which the woman alleged that an unknown person had created a fake social media account using her name and uploaded morphed, objectionable images along with her mobile number. This caused her severe harassment and was a violation of her privacy.

During the probe, analysis of the IP addresses linked to the fake account led to the identification of the associated email ID and mobile number. Further examination of call detail records helped police trace the suspect's location. "A raid was conducted at the location, and the accused, identified as Divanshu, was apprehended," said Deputy Commissioner of Police (Outer) Sachin Sharma.

22 major drains being desilted: CM Rekha Gupta

NEW DELHI. As part of the Yamuna cleaning campaign, the Delhi government has launched a large-scale desilting operation of 22 major drains that directly flow into the river. Using advanced machinery, the drains are being cleaned to ensure the treated water entering the Yamuna meets prescribed environmental standards.

To monitor progress and maintain quality control, inspections are now being conducted every 15 days.

Lieutenant Governor Vinai Kumar Saxena, Chief Minister Rekha Gupta, and PWD Minister Parvesh Verma on Thursday jointly inspected several major drains, including the supplementary drain in Wazirabad, Barapullah Drain, Sunheri Pul Drain, Kushak Drain, and the Najafgarh Drain, also known as the Sahibi River. The leaders confirmed that the desilting work across all 22 drains is progressing rapidly. The team inspected 50 acres of land belonging to the irrigation and flood control department and announced that the government has now decided to transform this land into a beautiful and grand public park. "This land holds immense potential for the community and has long been left in a deplorable condition. We are now committed to converting it into a lush, accessible green space," she said. The plan also includes a proposed riverfront development along the Sahibi River, which passes through the area.

"We are constantly monitoring the Yamuna cleaning process. Works to clean the 22 drains are being desilted using advanced machinery so that the treated water from these drains when entering the river is as per prescribed standards. Regular inspections of these drains are now being conducted every 15 days to ensure timely progress and quality control," she told reporters. These drains discharge waste directly into the Yamuna River and have been neglected for decades.

Delhi HC asks lawyers to steer parties for reconciliation in matrimonial disputes

NEW DELHI. TheDelhi High Court has reprimanded a man for his unruly conduct toward his wife's counsel during ongoing matrimonial proceedings, urging lawyers to steer parties toward amicable resolutions rather than escalating conflicts.

A division bench, consisting of Justice Prathiba M. Singh and Justice Amit Sharma, emphasized that while matrimonial disputes often leave parties in emotional turmoil, no amount of frustration could justify misconduct in the courtroom, particularly toward opposing counsel.

The bench highlighted the crucial role lawyers play not only in representing their clients but also in maintaining the dignity of judicial proceedings and fostering a climate of peace. "Matrimonial disputes bring immense emotional strain, but peace and tranquillity are of utmost importance," the court remarked.

The case was brought before the court by the petitioner-wife, who sought the initiation of criminal contempt proceedings against her estranged husband, citing repeated acts of defiance and misconduct in court. Her counsel claimed the husband had obstructed the course of justice, including delaying a decision on her maintenance plea. The husband's alleged verbal abuse had prompted the Family Court judge to recuse from the case, with the situation escalating on July 29, 2024, when the HC held the husband guilty of criminal contempt for his disruptive behaviour, including insulting remarks and disrespect toward the court. His continued defiance of court orders concerning maintenance payments further exacerbated the situation.

While acknowledging the husband's misconduct, the bench exercised judicial temperance, stating, "The entire blame cannot be placed solely on the respondent. There appear to be circumstances that provoked him." The court added that if the husband had grievances with the petitioner's counsel, he should have pursued appropriate legal channels rather than resorting to disruptive behaviour.

Dust storm, light evening rain bring respite to Delhiites amid intense heat

NEW DELHI. Delhi witnessed a shift in weather on Thursday evening as overcast skies, drizzles, and a brief duststorm brought much-needed respite from the ongoing heatwave. The India Meteorological Department (IMD) has forecast a thunderstorm with rain for Friday, with the maximum temperature expected to hover around 37 degrees Celsius and the minimum around 24 degrees Celsius.

Earlier in the day, heatwave conditions were recorded at the IMD's Ridge and Ayanagar weather stations, where the mercury climbed to 40.9 degrees Celsius and 40.2 degrees Celsius, respectively.

The city's main observatory at Safdarjung logged a maximum of 39.6 degrees Celsius — 4.5 degrees above normal. Other stations also reported high temperatures, with Palam registering 39.1 degrees Celsius and Lodhi Road matching Safdarjung at 39.6 degrees.

The capital had experienced its first heatwave of the season on Monday when temperatures breached the 40-degree mark. The minimum temperature stood at 25.9 degrees Celsius on Thursday, nearly six degrees above the seasonal average and the highest April night temperature in the last three years. In comparison, the highest April minimum was 26.2 degrees Celsius in 2022, while in 2023 and early 2024, the minimums remained below 25 degrees.

Is 26/11 plotter David Coleman Headley a double agent shielded by US?

India has taken 26/11 terror-attack conspirator Tahawwur Rana into its custody. Though the US has extradited Rana, it seems to be dragging its feet on the extradition of key plotter David Coleman Headley, a bigger fish. Is Headley a double agent who the US is not ready to hand over to India?

New Delhi. The years-long wait is over. Tahawwur Rana, one of the co-conspirators in the 26/11 Mumbai terrorist attacks, landed in New Delhi on Thursday and was arrested by the NIA after being extradited by the US. Pakistan-born Canadian citizen Rana had logistically and legally aided his childhood friend and main conspirator David Coleman Headley, who conducted on-ground reconnaissance of the sites that were targeted in the 2008 Mumbai attacks.

Though Rana has been extradited, the US seems to be dragging its feet on the extradition request for Headley.

While Rana, who experts consider a "smaller player", is finally in India to face justice, the big fish, David Coleman Headley, who visited India at least eight times to lay the groundwork for the 2008 Mumbai terror attack, remains in custody in the US. Although Headley was convicted of plotting the 2008 Mumbai terror attacks and is in an American prison, he cannot be extradited to India, says the US. This even as India has had submitted multiple extradition requests to get Headley, whose real name is said to be Daood Gilani, back to India.

Terrorist David Coleman Headley "acted as a double agent for the US government and Pakistan's Inter-Services Intelligence (ISI)," according to former Union Home Secretary GK Pillai.

TERRORIST DAVID HEADLEY IS ON

INDIA'S RADAR

Rana's extradition to India, following years of gritty legal battles and diplomatic efforts, has ignited questions about the next target in the 26/11 saga: David Coleman Headley, Rana's childhood friend and the key mastermind behind the deadly plot that killed 166.

"...The US is yet to act on India's request to extradite a more-important plotter of the attack, David Coleman Headley, who in 2013 was sentenced by a US court to 35 years in prison for his role in the Pakistan-scripted Mumbai massacre," foreign policy and strategic expert Brahma Chellaney wrote on X on Monday.

Former IPS officer and Information Bureau chief Yashovardhan Jha Azad said, "After denying extradition of the main plotter, actor and schemer David Headley, his friend and his helper Tahawwur Rana, is being extradited to India."

"The US extradites Tahawur Rana to India after a long legal battle. Great news. But why will the same US legal system not extradite David Coleman Headley who was the other key plotter and allowed him a plea bargain instead... If Washington is truly serious about bringing the 26/11 terrorists to justice, then give us Headley too!," TV's Rajdeep Sardesai wrote on X on Thursday.

NEWS BOX

Canadian Police bust high-tech fentanyl labs in British Columbia, 2 arrested

UPDATED At least three drug labs in British Columbia, Canada, were dismantled by the Royal Canadian Mounted Police (RCMP), the Associated Press reported citing authorities on Thursday. Two of the labs are believed to have been used for fentanyl production, while the purpose of the third lab remains unclear.During the operation, the RCMP arrested at least two individuals, including one described as a "chemist." However, no charges have been filed yet as the investigation continues.The Mounties executed multiple search warrants in late March, leading to the discovery of the labs, which were equipped with advanced chemistry apparatus typically found in academic and professional research settings.Chief Supt. Stephen Lee, deputy regional commander of the RCMP's federal policing program, highlighted the alarming trend of increasing scientific sophistication in drug labs operated by transnational organized crime groups.Assistant Commissioner David Teboul clarified that the drugs produced at these labs were not intended for the US, although he did not disclose how investigators came to that conclusion, citing the ongoing nature of the investigation.The RCMP's investigation began in the summer of 2023, focusing on the illegal importation of precursor chemicals and commercial lab equipment used in the production of drugs such as fentanyl, MDMA, and GHB.

Trump hits defiant China with more tariffs, total levy now at 145%

UPDATED US President Donald Trump's sharp increase in tariffs on Chinese products brings Washington's extra rate on most products to 145 percent, the White House confirmed on Thursday.While Trump has paused fresh tariffs on dozens of countries for 90 days on Wednesday, he has intensified pressure on Beijing by raising new tariffs on Chinese imports to 125%. This figure builds on a 20% duty introduced earlier this year, citing China's alleged involvement in the fentanyl supply chain. The total tariffs Trump has imposed on Chinese products this year now stand at 145%, adding to existing levies from past administrations.Trump announced the 125% levy on Chinese goods on Wednesday, but the White House later clarified that it was in addition to the earlier 20%. Speaking at a cabinet meeting, Trump defended his tariff policies, which have rattled global markets, saying the US is in "very good shape." "We're very, very happy with the way the country's running. We're trying to get the world to treat us fairly," Trump Do not retaliate, and you will be rewarded," Treasury Secretary Scott Bessent said following the announcement, describing the move as a calculated play to isolate China while encouraging global cooperation.Meanwhile, China is reaching out to other nations as the US layers on more tariffs in what appears to be an attempt to form a united front to compel Washington to retreat. Days into the effort, it's meeting only partial success, with many countries unwilling to ally with the main target of Trump's trade war.China has refused to seek talks, saying it would "fight to the end" in a tariff war, prompting Trump to further jack up the tax rate on Chinese imports to 145%. It was initially announced on Wednesday as 125%, but that did not include a 20% tariff on China tied to its role in fentanyl production.

n retaliation, China imposed 84% tariffs on US goods, which took effect Thursday.CHINA LOOKS TO EUROPE, ASIA AMID TRADE TENSIONS

China has primarily focused on Europe, with Premier Li Qiang speaking to European Commission President Ursula von der Leyen, a move that sent a "positive message to the outside world," according to Xinhua News Agency.

Scientists map brain of mouse watching The Matrix; call it as complex as a galaxy

WASHINGTON. Thanks to a mouse watching clips from "The Matrix," scientists have created the largest functional map of a brain to date – a diagram of the wiring connecting 84,000 neurons as they fire off messages.Using a piece of that mouse's brain about the size of a poppy seed, the researchers identified those neurons and traced how they communicated via branch-like fibers through a surprising 500 million junctions called synapses.The massive dataset, published Wednesday by the journal Nature, marks a step toward unraveling the mystery of how our brains work. The data, assembled in a 3D reconstruction colored to delineate different brain circuitry, is open to scientists worldwide for additional research – and for the simply curious to take a peek."It definitely inspires a sense of awe, just like looking at pictures of the galaxies," said Forrest Collman of the Allen Institute for Brain Science in Seattle, one of the project's leading researchers. "You get a sense of how complicated you are. We're looking at one tiny part ... of a mouse's brain and the beauty and complexity that you can see in these actual neurons and the hundreds of millions of connections between them."

How we think, feel, see, talk and move are due to neurons, or nerve cells, in the brain – how they're activated and send messages to each other. Scientists have long known those signals move from one neuron along fibers called axons and dendrites, using synapses to jump to the next neuron. But there's less known about the networks of neurons that perform certain tasks and how disruptions of that wiring could play a role in Alzheimer's, autism or other disorders.You can make a thousand hypotheses about how brain cells might do their job but you can't test those hypotheses unless you know perhaps the most fundamental thing – how are those cells wired together," said Allen Institute scientist Clay Reid, who helped pioneer electron microscopy to study neural connections.

Social Security lists thousands of living immigrants as dead to prompt them to leave, sources say

Michelle Obama shoots down rumours of divorce from Barack Obama

Rumours started after Barack Obama attended political events solo

Michelle says her absence from events due to prioritising herself, not marital issues

WASHINGTON. The Trump administration has moved to classify more than 6,000 living immigrants as dead, canceling their Social Security numbers and effectively wiping out their ability to work or receive benefits in an effort to get them to leave the country, according to two people familiar with the situation.The move will make it much harder for those affected to use banks or other basic services where Social Security numbers are required. It's part of a broader effort by President Donald Trump to crack down on immigrants who were allowed to enter and remain temporarily in the United States under programs instituted by his predecessor, Joe Biden.The Trump administration is moving the immigrants' names and legally obtained Social Security numbers to a database that federal officials normally use to track the deceased, according to the two people familiar with the moves and their ramifications.They spoke on condition of anonymity Thursday night because the plans had not yet been publicly detailed.The officials said stripping the immigrants of their Social Security numbers will cut them off from many financial services and encourage them to "self-deport" and abandon the U.S. for their birth countries.It wasn't immediately clear how the 6,000-plus immigrants were chosen. But the Trump White House has targeted people in the country temporarily under Biden-era programs, including more than 900,000 immigrants who entered the U.S. using that administration's CBP One app.On Monday, the Department of Homeland Security revoked the legal status of the immigrants who used that app. They had generally been allowed to remain in the U.S. for two years with work authorization under presidential parole authority during the Biden era, but are now expected to self-deport.Meanwhile, a federal judge said Thursday that she was stopping the Trump administration from ordering hundreds of thousands of Cubans, Haitians, Nicaraguans and Venezuelans with temporary legal status to leave the country later this month.A representative from the Social Security Administration did not respond to a request for comment on the news that living immigrants were being classified as dead. The agency maintains the most complete federal database of individuals who have died, and the file contains more than 142 million records, which go back to 1899.The Privacy Act allows the Social Security Administration to disclose information to law enforcement in limited circumstances, which includes when a violent crime has been committed or other criminal activity.DHS and the Treasury Deprartment signed a deal this week that would allow the IRS to share immigrants' tax data with Immigration and Customs Enforcement for the purpose of identifying and deporting people illegally in the U.S. The agreement will allow ICE to submit names and addresses of immigrants inside the U.S. illegally to the IRS for cross-verification against tax records.The acting IRS commissioner, Melanie Krause, who had served in that capacity since February, stepped down over that deal.In March, meanwhile, a federal judge temporarily blocked a team charged with cutting federal jobs and shrinking the government led by billionaire Elon Musk from Social Security systems that hold personal data on millions of Americans, calling their work there a "fishing expedition.

Who was Agustin Escobar, Siemens Spain CEO who was killed in Hudson chopper crash

world. A family of five and a pilot were killed after a private chopper broke apart mid-air and crashed over the Hudson River in the United States.Among those killed in the deadly crash were Agustin Escobar, the head of the Spanish division of the global technology company Siemens, his wife, Merce Camprubi Montal, and their three children - aged 4,5 and 11, according to ABC News. The identity of the pilot has not been released.The incident triggered a massive emergency response on both sides of the river. Shocking footage captured the helicopter — missing its tail rotor and a main rotor blade — crashing into the Hudson River upside down.Authorities identified the aircraft as a Bell 206. It departed from Downtown Manhattan Heliport at 2.59 pm (local time), heading north toward the George Washington Bridge before looping south along the Jersey shoreline. Radar contact was lost at 3.25 pm, as reported by ABC 7.New York City Mayor Eric Adams confirmed that the flight lasted under 18 minutes. Rescue teams later recovered all six bodies from the water, including the three young children.

WHO WAS AGUSTIN ESCOBAR?

Agustin Escobar is an accomplished executive with over 25 years of international leadership experience in the energy and transportation sectors. Since December 2022, he has served as President and CEO of Siemens Spain, as well as CEO of Siemens Mobility Southwest Europe.Earlier in his career, he led Siemens' Energy Management Division and the Infrastructure & Cities Sector in Latin America between 2014 and 2018, including a two-year tenure as CEO of the latter.

From 1998 to 2010, Escobar held several key roles in Siemens Spain, primarily focused on the energy sector, before moving on to become Corporate Director of Strategy and International Business Development for Siemens in North America.He holds a degree in industrial engineering from Universidad Pontificia Comillas in Madrid. Throughout his career, Escobar has led cross-functional teams across the United States, Latin America, and Spain.

Mahmoud Khalil can be deported for his beliefs, Marco Rubio argues

Mahmoud Khalil, a Columbia University student and legal US resident, could face deportation—not for any crime, but due to his political opinions. A memo signed by US Secretary of State Marco Rubio argues that Khalil's presence in the country goes against America's foreign policy interests, the Associated Press reported.

The two-page memo does not charge Khalil with breaking any laws. Rubio said that the actions of Khalil were "otherwise lawful." However, the government is seeking to expel him, alleging his views and public activism will damage US efforts to fight antisemitism and safeguard Jewish students.Rubio's memo states, "Condoning antisemitic conduct and disruptive protests in the United States would severely undermine that significant foreign policy objective."Khalil, who was vocal during large campus protests against Israel's treatment of Palestinians and the war in Gaza, has strongly denied any antisemitism. His attorneys said the memo proved the Trump administration was "targeting Mahmoud's free speech rights about Palestine."

ATTORNEYS CALL DEPORTATION EFFORT UNFAIR

Khalil's legal team is fighting back. Lawyer Johnny Sinodis said at a press briefing, "The Rubio memo is completely devoid of any factual recitation as to why exactly Mahmoud's presence in the United States is adverse to a compelling US government interest."

He said that the law applied here, a little-used section of a

1952 immigration law, was never meant to silence people for voicing political views. The law allows the Secretary of State to deport noncitizens whose presence is deemed potentially dangerous to US foreign policy, but Khalil's attorneys argued it should not be applied to suppress constitutionally protected free speech.Khalil was taken into custody on March 8 in New York and is detained at a detention centre in Louisiana. He was born in Syria. He had just finished his coursework for a master's degree at Columbia University's School of International and Public Affairs.

He is also married to an American citizen who is pregnant. In a letter from jail last, Khalil said he thinks he is being made an example."Knowing fully that this moment transcends my individual circumstances," he said, "I hope nonetheless to be free to witness the birth of my first-born child."

Who is Lee Jae-Myung, South Korea's presidential front-runner

UPDATED Lee Jae-myung, formerly a human rights lawyer, has become South Korea's most sensationalised political figure. At 61, he is back in the limelight and declared a bid for the presidency on Thursday.Lee launched his campaign for president on Thursday in a video message. He announced that he would run again to "answer the call" of the people who are still reeling from President Yoon Suk-yeol's impeachment and ouster from officeA special election will be held on June 3 to select the new head of the nation. The new president will have to deal with a number of serious challenges, including tense trade negotiations with the United States — South Korea's most important security ally. American tariffs have been harming South Korean exports, which are crucial to its economy.Lee came very close to winning the presidency in 2022 but lost to Yoon Suk-yeol by the narrowest margin in South Korea's history. However, he bounced back last year by leading his Democratic Party to a big win in the parliamentary elections.

"I will walk the path of responsibility, not comfort," Lee said during his campaign launch, showing his serious approach toward the upcoming race.

SUPPORT GROWS AMID LEGAL SCRUTINY

On April 4, a Gallup Korea survey revealed Lee in the lead with 34% support — well ahead of the most conservative candidate, Kim Moon-soo, with only 9%. The conservative ruling party, the People Power Party (PPP), has yet to choose its candidate.Various names are under consideration, including former justice minister Han Dong-hoon, Seoul mayor Oh Se-hoon, and tech guru Ahn Cheol-soo. But none of them have gained much public support so far.

Although Lee seems to be the strongest contender, his route to the presidency isn't without trouble. He has a host of legal cases pending against him presently, including charges of bribery and his role in a $1 billion real estate scandal.The prosecutors also appealed a recent ruling by a court, which reversed an earlier guilty verdict for him against allegations of breaches of election law.

Even with all these legal uncertainties, nothing has openly derailed his campaign yet. Several of his fans are of the opinion that the charges are political. In January 2024, he escaped a knife attack at a public function. He was stabbed in the neck and underwent surgery but recovered and continued with his political work.

Illegal migrant murders his baby daughter over crying too much

- 20-year-old man charged with murdering baby in US
- Accused attacked daughter in rage due to crying
- Father initially lied, later confessed to the crime

UPDATED: A 20-year-old illegal immigrant man in the US has been charged with murdering his two-month-old baby girl after losing patience with her persistent crying.

Marlon Rabanales-Pretzantzin, who was born in Guatemala, allegedly attacked his baby daughter Liseyda in a fit of rage when he was left alone with his children in their Long Island home on March 7.The infant was left with severe injuries, including fractured ribs, bruises on her head, a dislocated spine, and massive internal bleeding in her neck. Prosecutors announced these tragic facts during a hearing in court on Wednesday, as Rabanales-Pretzantzin pleaded not guilty.Nassau County District Attorney Anne Donnelly stated, "In the end, he couldn't take it anymore," to describe the crying of the baby. The judge interrogated the accused severely during the court hearing.SHOCKING ACT OF VIOLENCE

The accused slapped the baby in the face a number of times, punched her repeatedly in the stomach, and shook her forcibly. He then allegedly threw her on a bed and pressed his fists into her tiny body using his entire weight.

After the accident, the father brought Liseyda's lifeless body to the home of a neighbour. The neighbour immediately contacted 911, and the baby was taken to the hospital, where doctors declared her dead.Rabanales-Pretzantzin informed emergency responders that the infant had choked on formula. Then he explained that he had dozed off while holding her, and she fell off the bed by accident. But investigators soon discovered the truth. With evidence against him, the father eventually confessed to what actually occurred.An autopsy also uncovered Liseyda had injuries that were older, like rib fractures, indicating she could have been abused previously.A second child, a 14-month-old sibling who was home at the time of the attack, showed no signs of injury. That child is with her mother now, officials confirmed.Rabanales-Pretzantzin has been arrested without bail and will appear before a court on May 6. Despite his immigration status, Nassau County officials have decided not to push for his immediate deportation.

NEWS BOX

Sports ministry recognition will help surfing grow: SFI chief Arun

CHENNAI. The Surfing Federation of India (SFI) had been knocking on the doors of the sports ministry for quite some time to get recognition that would help facilitate in identifying and nurturing talent. After years of waiting, the federation finally got the nod. The SFI became the youngest NSF to be recognized by the ministry late last month. With this development, the SFI is now eligible for getting steady funding from the government. But before that, they have to conduct elections, have affiliated state units as part of the national body, hold national camps, appoint national coaches (...) the challenges are aplenty. SFI president, Arun Vasu, has been involved with the federation from a nascent stage. From developing the sport in a fishing village Kovalam, near Chennai, to recognition, he has faced numerous challenges. In a candid interview with this daily, Arun says that he would be holding the elections right away and compliance with the Sports Code would be on top of his agenda. Two surfers were among the firsts to qualify for the Asian Games, which is scheduled to be held next year. He is also focussing on hosting the Asian Surfing Championships later this year,

where he hopes more athletes will qualify. But before everything he needs to hold elections and hold national camps. Excerpts...

On getting the recognition from the sports ministry

We started in a very small way 12 years ago. It was supposed to be just a CSR project in a village called Kovalam, where we wanted to promote surfing for the fishing community. There, one led to the other and we started establishing a full-blown school there. In 2020, I was asked to take over as president of the Surfing Federation of India.

Until then from 2012 to 2020, we were involved in running all the national events. Though I was not part of the federation, two to three events a year happened on the East Coast of Tamil Nadu and Pondicherry. Initially, it was a struggle to get sponsors. It was privately sponsored by me and a lot of friends were convinced to sponsor events. But it was very successful.

IPL 2025: What difference can MS Dhoni's return as captain make to CSK

New Delhi MS Dhoni returned as the captain of Chennai Super Kings after Ruturaj Gaikwad was ruled out for the Indian Premier League's 2025 season. CSK head coach Stephen Fleming revealed that Gaikwad had fractured his right forearm and was not going to participate in the remainder of the matches.Chennai Super Kings are a sinking ship in this season of the tournament, having lost 4 games in a row. Their batting unit has been criticised in almost every game and questions have been raised over MS Dhoni's position in the line-up as well.Ruturaj has been criticised for his under-usage of Ravindra Jadeja in several matches. In CSK's last three matches against Rajasthan, Delhi and Punjab, Jadeja did not complete his full quota of overs despite

bowling well in every single game.The spinner has bowled only 13 overs in 5 matches, at an economy of 8. Jadeja has picked up 2 wickets so far in the tournament.Rayudu said that while Ruturaj will be missed in the batting line-up, Dhoni will be captaining the side a lot better than the youngster."Ruturaj's absence will make things really difficult for CSK's batting line-up. But due to the change in captaincy, we might see 12 overs of spin being bowled in the match. The spinners and Pathirana will be used better as well," Ambati Rayudu said on Star Sports.

"Now you will see the spinners coming to the party. The catches will go to the midwicket fielder. The captain will chat with the bowlers and guide them to bowl better. CSK will bring the smiles back to their fans, you can see the smile on my face as well," he concluded.CSK take on KKR in their 6th game of the season. They are currently in 9th place in the league table with 2 points from 5 games.

We asked for good pitches but got challenging ones; need to talk to curator: RCB's Karthik

Karthik thinks the 22-yard strip has deprived RCB of the home advantage at a venue where matches have traditionally been high-scoring.

BENGALURU. Royal Challengers Bengaluru mentor Dinesh Karthik conceded that his side has received a "challenging" pitch at the Chinnaswamy Stadium this season despite asking for a batting friendly surface, adding that the management will have a chat with the curator soon.RCB's power-packed batting line-up rendered ineffective on a sluggish deck in their two home games while getting restricted to 169/8 and 163/7 against Gujarat Titans and Delhi Capitals respectively, losing both the fixtures.

Karthik thinks the 22-yard strip has deprived RCB of the home advantage at a venue where matches have traditionally been high-scoring."In the first two games, we have asked for good pitches. But it's turned out in this way where it's been challenging to bat on. So, we try to do the best with whatever we get. But we will obviously have a chat with him (curator). We trust him to do his job," said Karthik in the post-match press conference."So, definitely, this is not a pitch that's helping the batters too much. It's a challenging pitch. So, that has been the case so far in both the games that we have played," he added.Karthik said big hits and boundaries are an essential part of T20s, palatable to all stakeholders."I think the way T20 cricket is, the more runs there are, the better it is for the broadcaster, the better it is for the fans. They all like to see boundaries. And we will try and do the best of what we can," he said.The former India wicketkeeper batter said while they try not to follow any particular template in a match, pitches such as the one at the Chinnaswamy made it tough for batters to even rotate the strike.

"I think with every pitch, we'll try and understand what's the best way to play. I don't think we have one set template that is how we want to go out there and play. It's important to adapt and understand what the pitch is."But it's been hard to, at times, rotate strike. And the big shot has been

really hard as well. But in the end, it's a T20. You have to play some shots and that has gotten the wicket of a few batters," he detailed.Karthik said the slight drizzle mid-way during DC's innings helped the pitch settle down, which made the visitors' job that much easier."It was a bit sticky, the pitch. After the first four overs, and up until the 13th over, we were very much in the game. With the bat, we did have a wobble, but we found a way to get to a very decent score. They were struggling at 50 for 4.

"In the first game (vs GT), there was dew. So, it got a lot better to bat in the second innings. Today, there was not as much dew. Then, unluckily for us, a little bit of rain came.

"And then you could see the difference in the pitch. The shots that they played definitely weren't possible in the first innings," he explained.Thus Karthik joins the likes of Lucknow Super Giants and Chennai Super Kings coaches Zaheer Khan and Stephen Fleming in expressing displeasure over the nature of pitches at their home stadiums.

After LSG's defeat to Punjab Kings, Zaheer had said the curator could have been from Punjab, while Fleming said CSK have not been able to read the pitch correctly for the last two seasons and his side has lost the home advantage.

Young leg-spinner Suyansh Sharma had a good 4-0-25-1 spell, and Karthik saw a bright future for him.

"Suyash, obviously, his average speed is probably slightly higher. But it has helped the wrist spinners in both the innings today.

"Suyash is one that is bound to play some higher cricket very soon with the skill sets that he possesses. I also feel the more revolutions you've given on this pitch, the better it has been for the bowlers," he said.

Pakistan slaps one-year PSL ban on South African Corbin Bosch for breaching contract

ISLAMABAD. The Pakistan Cricket Board has banned Corbin Bosch from playing in its Super League competition for one year after the South African all-rounder withdrew from the event to sign for an Indian Premier League team.

Bosch was picked by Pakistan Super League franchise Peshawar Zalmi in January's draft, but Mumbai Indians then snapped him up as an injury replacement for South African Lizaad Williams.

Both T20 competitions are clashing this year.

Bosch's withdrawal prompted the PCB to serve a legal notice, alleging breach of contract."The all-rounder will serve a one-year ban and will not be eligible for selection in next year's Pakistan Super League," the PCB said in a statement on

Bosch was picked by Pakistan Super League franchise Peshawar Zalmi in January's draft, but Mumbai Indians then snapped him up as an injury replacement for South African Lizaad Williams.

Thursday.Bosch said: "I deeply regret my decision ... and offer my sincere apologies to the people of Pakistan, the fans of Peshawar Zalmi and the wider cricket community."I fully understand the disappointment caused by my actions ... but I am committed to learning from this experience and hope to return to the PSL in the future with renewed dedication and the trust of the fans."

High-profile cricketers like David Warner of Australia, New Zealand trio Daryl Mitchell, Tim Siefert and Michael Bracewell, Jason Holder of the West Indies and Rassie van der Dussen of South Africa will play in the PSL which starts Friday.

PSL bans Corbin Bosch for one-year after last moment withdrawal to play IPL

Corbin Bosch has been handed a one-year ban by the PCB and PSL after pulling out of the league, marking a strict move to discourage players from backing out after being drafted. Bosch was roped in by Mumbai Indians as in injury replacement for IPL 2025.

New Delhi The Pakistan Cricket Board and Pakistan Super League have handed a one-year ban to South Africa all-rounder Corbin Bosch due to him withdrawing his name from the franchise league despite being named in the first draft. Bosch and PSL have been under a chaotic few rounds since the

30-year-old pulled out of the franchise league to join Indian Premier League franchise Mumbai Indians to play in IPL 2025.Bosch was named a diamond pick for PSL side Peshawar Zalmi at the draft, but the 30-year-old signed as an injury replacement by Mumbai Indians for their South African pacer Lizaad Williams for IPL 2025. With both IPL and PSL calendars colliding for the first time, Bosch ultimately picked IPL over PSL, leading to him getting stamped with a one-year ban after evaluation from the Pakistan Cricket Board and PSL authorities."To the loyal fans of Peshawar Zalmi, I am truly sorry for letting you down. I take full responsibility for my actions, and accept the consequences, including the penalty fine and the one-year ban from the PSL. This has been a hard lesson, but I am committed to learning from this experience, and hope to return to the PSL in the future with renewed dedication and the trust of the fans," Bosch's statement said.Although Bosch had previously shared a statement where he reasoned his choice of picking IPL for the betterment of his career, he has now also released a statement apologising for his actions from both PSL fans and body.PSL and PCB came up with this move to hand the ban to Bosch as a predictive effort to avoid repetition of the same in the future. Although the PSL draft was held well after the IPL mega auction, to avoid the catalogue of players colliding, Bosch had still picked MI over Peshawar Zalmi with his career growth in mind.

Manchester United held late in Lyon after Onana errors in Europa League

LYON. Manchester United goalkeeper Andre Onana endured a night to forget as two costly mistakes allowed Lyon to snatch a 2-2 draw in the first leg of their Europa League quarter-final on Thursday.The Cameroon international allowed Thiago Almada's soft free-kick to skip past him the day after being called "one of the worst goalkeepers" in United's history in a pre-match spat involving the club's former midfielder Nemanja Matic, now with Lyon.Teenage defender Leny Yoro equalised just before half-time and Joshua Zirkzee's header in the 88th minute looked to have won the game for United at Groupama Stadium.But Onana failed to hold Georges Mikautadze's low shot deep into stoppage time and Rayan Cherki poked home the rebound, leaving the tie in the balance ahead of the return clash at Trafford next week.

United manager Ruben Amorim was quick to defend Onana and turn his attention to the second leg."It can happen. If you play football, and we play a lot of games, you can make mistakes," he said. "There is nothing I can say to Andre in this moment that will help.""We have one more game to change

everything and that should be our focus," he added.United's ability to rebuild a squad in danger of the club's worst top-flight finish since relegation in 1974 likely hinges on sealing a return to the Champions League.Winning the Europa League is the only way they can qualify for the elite competition. Failure to do so is predicted to cost United at least £100 million ($127.6 million) at a time when the club's financial headroom is already minimal.In a measure of how far both clubs, particularly United, have fallen, this was their first meeting since the last 16 of the 2007-08 Champions League.Back then, both were at their peaks. United went on to win their third European crown. Lyon scooped the last of seven consecutive French titles.

Porro rescues Postecoglou as Spurs held by Frankfrt

LONDON. Ange Postecoglou's bid to end Tottenham's long trophy drought is delicately poised after a 1-1 draw against Eintracht Frankfurt in the Europa League quarter-final first leg on Thursday.

Postecoglou's troubled side trailed to Hugo Ekitike's early goal in north London, but Pedro Porro hauled them level before half-time.Tottenham laid seige to the Frankfurt goal in the second half but couldn't find a winner after hitting the woodwork twice.

The result means under-fire Tottenham boss Postecoglou must mastermind a memorable victory in the second leg in Germany on April 17 to keep alive his hopes of winning the club's first trophy since the 2008 League Cup."It was disappointing to concede the way we did. The biggest blow we had was conceding so early. That kind of played into their hands," Postecoglou said."But even before that, I thought we were well in control of the game. I thought it would bring fruit in the second half and it did in every aspect but goals. I can't ask any more of the lads."The winner of the tie will face Bodo/Glimt or Lazio in the semi-finals in May, with the Norwegian club taking a 2-0 lead into the second leg against the Italians.On any other night we go away with a comfortable victory. We have to go there. If we repeat that performance we give ourselves a chance," Postecoglou said."I don't expect the second game to be to open, it'll be cagey affair and it'll come down to moments."

Postecoglou brashly claimed earlier this season that he always wins a trophy in his second campaign, a statement that has made him a hostage to fortune throughout Tottenham's turbulent run.The Australian has endured such intense criticism lately that he joked on Wednesday that he would still be "gone" at the end of the season even if he did win the Europa League because his approval rating is so low with Tottenham supporters.

Against a backdrop of constant fan protests against chairman Daniel Levy, Tottenham are languishing in 14th place in the Premier

League, leaving them in danger of their worst finish since 1993-94, when they came 15th.

Frankfurt sit third in the Bundesliga table and are hoping to return to the Europa League final after winning the tournament in 2022.Postecoglou relief

Befitting their respective league positions, Frankfurt started with more confidence and purpose.Ekitike had scored 19 goals and provided eight assists in 40 appearances prior to Thursday's game, making him Frankfurt's danger-man and a transfer target for several English clubs.But Tottenham failed to heed the warning as the 22-year-old struck in stunning style after just six minutes.

James Maddison conceded possession and Frankfurt launched a blistering break that climaxed with Ekitike accelerating past Porro to curl a fine finish into the bottom corner from the edge of the area.Tottenham's stirring response was a welcome boost for Postecoglou as Son Heung-min's pin-point cross reached Dominic Solanke for a header that was clutched by Frankfurt keeper Kaua Santos.If Ekitike's opener was an eye-catching moment, Porro's 26th minute leveller was even more artistic.Maddison danced through the Frankfurt defence and cut his pass back to Porro, who produced a sublime back-heeled flick that flashed past Santos from six yards.

DYK Benny Blanco Planned His 37th Prom-Themed Birthday Party Just For

Selena Gomez

Love is definitely in the air! Benny Blanco celebrated his 37th birthday on March 8. He made it an unforgettable occasion for his fiancée, Selena Gomez. Instead of a traditional birthday party, the 37-year-old songwriter threw a prom-themed celebration just for his lady love, Selena Gomez. He planned this unique gesture, as Gomez never had her own high school prom experience. Quite romantic! Fans, do you agree?During an appearance on The Jennifer Hudson Show, the Grammy-nominated music producer revealed this sweet detail explaining his thoughtful decision. He shared that Gomez never experienced prom night in her teenage years and decided to take things a notch higher by making his birthday all about her.

"Selena had never been to a prom before, so I thought I'd throw us a prom for my birthday," he shared with Jennifer Hudson, much to the audience's delight.Taking a trip down memory lane, Blanco reminisced about his memories from prom. The music producer recounted attending prom twice during his high school years. "Once with a friend group and another time with a girlfriend," he shared.

However, neither of those experiences could beat his recent prom night with Gomez. "But, honestly, my favourite prom was with my partner," he confessed, prompting an endearing reaction from the audience.

During the conversation, Blanco shared how Gomez was a little nervous about the occasion as she was unsure about the details. "She didn't even know, she was like, 'What am I supposed to wear? What am I supposed to do?!'" he said.

Describing their conversation leading up to his birthday party, Blanco said, "It was like she was going to prom."What's even more intriguing? Blanco even gave her a corsage, a classic prom tradition, to complete the high school feel. "I got her a corsage," he said proudly.Selena Gomez confirmed her relationship with Benny Blanco in December 2023 by liking and commenting on their fan account posts on Instagram. In December 2024, the couple got engaged, announcing this exciting news to fans on social media. Sharing a carousel post, the actress gave a close-up flaunting her beautiful engagement ring. "Forever begins now…" she captioned.

In March 2025, the lovebirds released their first collaborative album, I Said I Love You First, to give "fans a unique window into their relationship." From before they met and fell in love with what lies ahead, the album explores the entire timeline of their relationship.

Karan Kundrra, Tejasswi Prakash In Dubai Bling? Actors Shoot For Something Special

Karan Kundrra and Tejasswi Prakash are one of the most loved couples and there is no doubt about it. The two never fail to surprise their fans and often treat them with something new. Now, it looks like Karan and Tejasswi are planning to bring the biggest surprise ever to their followers across the world.News18 Showsha has exclusively learnt that Karan Kundrra and Tejasswi Prakash will soon be seen in Dubai Bling. The couple is currently in Dubai, where they are shooting for the globally popular show. However, it remains unclear if Karan and Tejasswi will be participating in Dubai Bling or will just be making a special appearance in one of the upcoming episodes. However, there is no official confirmation from the actors' side as of now.

"Yes, Karan and Tejasswi are in Dubai and they are shooting for Dubai Bling. The two enjoy a massive fan following and were therefore approached by the makers of the show. Their appearance in Dubai Bling will be a treat for their fans," a source close to the couple said.

It should be noted that Karan and Tejasswi also own a luxurious apartment in Dubai. The couple purchased their first house together in Dubai in 2022. Talking about the new house, Tejasswi had previously called it her "sapno ka mahal (dream house)."

Meanwhile, Karan and Tejasswi, who fell in love with each other in the Bigg Boss 15 house, are also rumoured to be getting married soon. Recently, Tejasswi's mother also confirmed the same. She appeared on Celebrity MasterChef when she was asked by Farah Khan, "Shaadi kab hogi?" To this, the actress' mother confirmed that her daughter will tie the knot this year only. "Issi saal ho jaaegi," she said. While Farah Khan congratulated Tejasswi Prakash following the confirmation, the actress was seen blushing and said, "Aise kuch baat nahi hui hai".

Soha Ali Khan Says Sharmila Tagore Supported The Family While Tiger Pataudi Played Cricket For Fun: 'My Mother...'

Actor, author, and daughter of two Indian icons—Soha Ali Khan recently shared heartfelt insights into the unique dynamic between her parents, veteran actor Sharmila Tagore and cricketing legend Mansoor Ali Khan Pataudi. In a candid conversation with Just Too Filmy, Soha reflected on the unconventional family roles she witnessed growing up—particularly the fact that her mother, and not her famous cricketer father, was the family's primary breadwinner.Soha revealed that despite his stature as a former India cricket captain and the Nawab of Pataudi, her father did not earn a livelihood from the sport. "We are often influenced by people who are close to us, and one big role model for me was my father," she said. "By the time I was born, he had already retired from cricket. He played for the enjoyment of the sport. There was no money at all—if you can believe it—in cricket when my father was playing in the 1960s. No IPL, no endorsements, nothing."

In contrast, her mother Sharmila Tagore, a leading actor in both Hindi and Bengali cinema, continued working steadily through marriage, motherhood, and beyond. "My mother was the breadwinner in the family," Soha stated, adding that Sharmila's choices made a lasting impression on her. "I always saw him [my father] say, 'Do what makes you happy,' and I saw my mother doing exactly that—choosing work that fulfilled her, following her heart even when society said otherwise."

Soha recounted how her mother made bold decisions at a time when actresses were often discouraged from getting married or starting families, fearing it would hurt their careers. "She got married at 24, which was quite unusual for an actress back then. You typically don't do that if you're a woman in showbiz—people believed that marriage would end your career. And then she had a child a couple of years later. But she kept working and had some of her biggest successes after that."

Sharmila Tagore's iconic performances in films like Aradhana, Amar Prem, Daag, and Chupke Chupke after marriage are a testament to how she defied those norms. Meanwhile, Mansoor Ali Khan Pataudi, affectionately called 'Tiger,' remained a strong supporter of his wife's independence, embodying a kind of masculinity that was rooted in confidence rather than control.Soha's reflections also touched upon the remarkable love story between her parents—a union that defied religious and cultural barriers in a deeply conservative era. Sharmila Tagore, a Bengali Hindu, and Mansoor Ali Khan, a Muslim and the titular Nawab of Pataudi, tied the knot in 1968 in what was then considered a bold interfaith marriage.

Chinmayi Sripaada SLAMS X User Over Vulgar Post About Mrunal Thakur

'Start With Your Own Families'

Singer Chinmayi Sripaada, known for speaking her mind on social media, strongly called out an X user on Wednesday for sharing an inappropriate, now-deleted post about actress Mrunal Thakur. She criticised the mentality behind such content and expressed hope that those who promote it would "cease to exist." After spotting the offensive video, Chinmayi publicly responded, shaming the user by quoting the tweet.She wrote, "Some of you should have never been birthed by your mother. I hope the likes of you cease to exist (sic)."

Many rallied behind her and called out the sick tweet. One comment read, "Blame goes to his parents if he has. It's the kind of environmen the grew up that's reflecting in his words." Another wrote, "I admire you for speaking about issues here on X."

Sripaada also added, "Idhi JOKE ae kadha. Aithe share this with the ladies in your familyMee humour style mee culture lo illallo normal aithe, alavaataithe, migathaavaalla inti aadavaallu gurinchi endukandi? Mee families toh start cheyandi (This is just a joke, right?

Then go ahead and share it with the women in your family. If this kind of humour is normal and

accepted in your culture and households, then why worry when it's about the women in someone else's home?) Start with your own families. If this is not OK for the women in your family it is not OK for the women belonging to someone else's family. Hope y'all have a good laugh with your dads and brothers as a family."

Apart from singing, Chinmayi is also a strong advocate for women's rights and social issues. She speaks out against injustice and works to raise awareness about topics like sexual harassment and gender equality.